हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 06.02.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 195 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को खत्म करने के प्रति कटिबद्ध है मोदी सरकार : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार जम्मू एवं कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद का इकोसिस्टम काफी कमजोर हो गया है।

अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जम्मू एवं कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, जम्मू एवं कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित गृह मंत्रालय और जम्मू एवं कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले भी जम्मू एवं कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक महत्वपूर्ण

समीक्षा बैठक की थी जिसमें थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, और केंद्रीय गृह सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया था। गृहमंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को घुसपैठ को पूरी तरह से रोकने का लक्ष्य रखकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियां घुसपैठ और आतंकवाद पर निर्ममता के साथ कठोर कार्रवाई करें। आतंकवादियों के अस्तित्व को जड़ से खत्म करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि नार्को नेटवर्क से घुसपैठ और आतंकियों को अपनी गतिविधियां चलाने में समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नार्कोटिक्स के व्यापार से प्राप्त पैसे से हो रही टेरर फंडिंग के खिलाफ तत्परता से कार्रवाई करने की जरूरत है। अमित शाह ने एजेंसियों से नए आपराधिक कानूनों के मद्देनजर फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) के पदों में नई नियुक्तियां करने का निर्देश दिया। उन्होंने आतंकवाद-मुक्त जम्मू एवं कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की मोदी सरकार की नीति पर बल दिया। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए तालमेल के साथ काम करना जारी रखने का निर्देश दिया। गृहमंत्री ने जम्मू एवं कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य के सभी मानकों में महत्वपूर्ण सुधार के लिए सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की।

मजबूत एवं विकसित राष्ट्र निर्माण के लिए राज्यों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी : सीएम

हेमन्त सोरेन ने कहा- झारखंड और बंगाल कई मामलों में एक जैसी गतिविधियों के साथ बढ़ रहे आगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि जिस तेजी से आज तकनीक बदल रही हैं, उसमें एक मजबूत एवं विकसित राष्ट्र निर्माण के लिए राज्यों के बीच बेहतर संबंध, समन्वय तथा भागीदारी होना अत्यंत जरूरी है। इस कड़ी में राज्यों में आयोजित होने वाले ग्लोबल बिजनेस जैसे समिट की काफी निर्णायक भूमिका होती है। इससे एक राज्य का अन्य राज्यों तथा देशों से बेहतर व्यापारिक रिश्ते बनते हैं। निवेश और नई टेक्नोलॉजी से विकास की नई संभावनाएं बनती है। मुख्यमंत्री बुधवार को बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, न्यू टाउन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में बुधवार से शुरू हो रहे दो दिवसीय बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 के आठवें संस्करण के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे इस समिट में देश-विदेश के कई गणमान्य, उद्यमी एवं निवेशक भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि इस समिट में मुझे देश-विदेश से आये मेहमानों और उद्योग जगत से जुड़े लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। इससे यह

जानने-समझने का अवसर मिलेगा कि निवेशकों के सहयोग से झारखंड के समग्र विकास की दिशा में कैसे आगे बढ़ सकते हैं। मैं इसी आशा और उम्मीद से बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 में आए उद्यमियों तथा निवेशकों को झारखंड आमंत्रित करता हूं। आप निवेश करें, ताकि विकास के मामले में झारखंड राज्य भी तेजी से आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का एक ऐसा राज्य है, जहां देश का लगभग 40 प्रतिशत खनिज संसाधन पाया जाता है। कई खनिज एवं उद्योगों के लिए जरूरी रॉ मैटेरियल्स का झारखंड सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था में यह राज्य अहम भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि यहां कई खनिज आधारित उद्योग लंबे समय से स्थापित हैं। कई औद्योगिक घरानों ने यहां निवेश किया है। लेकिन, वर्तमान परिवेश में इस राज्य को और आगे ले जाने की जरूरत है। इसके लिए यहां नए-नए उद्योग लगाने की नए सिरे से पहल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज आधारित उद्योगों के साथ-साथ कला-संस्कृति एवं पर्यटन जैसे अनेकों क्षेत्र में विकास और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। झारखंड देश का सबसे ज्यादा तसर उत्पादक राज्य है, ऐसे में टेक्सटाइल क्षेत्र में भी यह राज्य आगे बढ़ सकता है। कला-संस्कृति के मामले में झारखंड की गिनती समृद्ध राज्यों में होती है। यहां के नेचुरल ब्यूटी को देखते हुए पर्यटन के क्षेत्र में भी झारखंड निवेशकों की पहली पसंद बन सकता है। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि आप झारखंड आएं, सरकार आपको पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड और पश्चिम बंगाल एक-दूसरे से काफी करीब हैं। इन दोनों ही राज्यों में चल रही कई गतिविधियां एक जैसी ही है। ऐसे में यह बताना मुश्किल है कि कौन गतिविधि झारखंड और कौन बंगाल की हैं। दोनों ही राज्य कई मामलों में एक जैसी गतिविधियों के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इस तरह की पहल से दोनों ही राज्यों के समग्र विकास का नया रास्ता खुल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संगम में डुबकी लगाकर दिया वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

एजेंसी

महाकुम्भनगर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुम्भ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए उन्होंने पावन डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। इससे पूर्व प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

विधिवत किया पूजन-अर्चना

त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काले कुर्ते और भगवा पटके व हिमांचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हेलीपैड की ओर रवाना हो गए।

विशेष योग में किया स्नान

महाकुम्भ में जहां दुनिया भर के श्रद्धालुओं का समागम हो रहा है, वहां प्रधानमंत्री ने पावन डुबकी के माध्यम से पूरी दुनिया को एक भारत श्रेष्ठ भारत और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया। बुधवार को पीएम मोदी का संगम स्नान बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण रहा। इस दौरान विशिष्ट योग का भी संयोग रहा। दरअसल, बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं।

प्रयागराज पहुंचने पर सीएम योगी ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वह एमआई-17 हेलिकॉप्टर में बैठकर डीपीएस हेलिपैड पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष बोट पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया। बोट पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री महाकुम्भ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में सीएम योगी से जानकारी लेते हुए भी दिखाई दिए। बोट से भ्रमण के दौरान पीएम ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया।

एक नजर

20 करोड़ की अफीम की फसल नष्ट

पलामू : कमाई के चकाचौंध में नशे के सौदागार सोन नदी में भी अफीम की फसल लगाने लगे हैं। ऐसी सूचना मिलने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह आईपीएस मो. याकूब ने बिहार की रोहतास पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की एवं 10 एकड़ में 20 करोड़ की लहलहाती अफीम की फसल नष्ट की। इस मामले में रोहतास पुलिस द्वारा अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। एसडीपीओ मो. याकूब ने बुधवार को कहा कि सोन नदी के दियरा इलाके में सोनडीला के पास बड़े पैमाने पर अफीम की खेती होने के बारे में गुप्त सूचना मिलने पर भौतिक रूप से सत्यापन कराकर इलाके की परिस्थितियों को देखते हुए रोहतास के पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार को सूचित किया गया। संयुक्त रूप से अफीम फसल को नष्ट करने के लिए छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के क्रम में लगभग 10 एकड़ में अफीम की खेती होने की जानकारी हुई। इस क्रम में रोहतास की एफएसएल टीम के जरिये प्रदर्श जब्त करने के बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में ट्रैक्टर चलाकर अफीम के पौधों को नष्ट किया गया। अनुमानित मूल्य 20 करोड़ रुपये आंका गया है।

दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान समाप्त 5 बजे तक 57.70 प्रतिशत हुआ मतदान

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सुबह 7 बजे से जारी मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया। हालांकि कुछ मतदान केन्द्रों में कतार के कारण मतदान अभी जारी है। दिल्ली में शाम 5 बजे तक औसतन 57.70 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोकसभा चुनावों के दौरान दिल्ली में 58.78 प्रतिशत मतदान हुआ था।

चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक दिल्ली के विभिन्न जिलों में मतदान का प्रतिशत अलग-अलग रहा है। केन्द्रीय दिल्ली में 55.24, पूर्वी दिल्ली 58.98, नई दिल्ली 54.37, उत्तरी दिल्ली 57.24, उत्तर पूर्वी दिल्ली 63.83, उत्तर पश्चिमी दिल्ली 58.05, शाहदरा 61.35, दक्षिणी दिल्ली 55.72, दक्षिण पूर्वी 53.77, दक्षिण पश्चिमी 58.86, पश्चिमी दिल्ली 57.42 प्रतिशत मतदान हुआ है।

मुस्तफाबाद सीट के लिए अपराह्न पांच बजे तक सबसे अधिक मतदान 66.68 प्रतिशत हुआ। इसके बाद सीलमपुर में 66.41 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे कम मतदान करोल बाग 47.40 मॉडल टाउन में 51.29, कालकाजी में 51.81 और चांदनी चौक 52.76 प्रतिशत हुआ। कई सीटों पर मतदान 60 प्रतिशत से ज्यादा पहुंच गया है। इसमें मटिया महल, त्रिलोकपुरी, नरेला, रोहणी, बादली, गोकुलपुर, करावलनगर, किरारी, मंगोलपुरी, बाबरपुर, रोहतासनगर, सीमापुरी, शादरा, छत्तरपुर, और नजफगढ़ सीट शामिल है।

मतदान करने वाली प्रमुख हस्तियां राष्ट्रीय राजधानी में निवास करने वाले महत्वपूर्ण हस्तियों ने भी मतदान किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति एस्टेट में स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में बने केन्द्र पर मतदान किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नॉर्थ एवेन्यू, पोलिंग बूथ पर लाइन में लगकर मतदान किया। मतदान के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मतदान लोकतंत्र के लिए ऑक्सीजन के समान है। यह हमारे लोकतंत्र का स्तंभ भी है। यह सभी अधिकारों की जननी है और इससे बड़ा अधिकार कोई नहीं है। हर व्यक्ति को अपनी समझ, स्वतंत्रता और राष्ट्रीय हितों का ध्यान में रखते हुए मतदान अवश्य करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भी निर्माण भवन में बने केंद्र पर मतदान किया। मणिपुर के राज्यपाल और पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने अपनी पत्नी के साथ निर्माण भवन में स्थित मतदान केंद्र पर मतदान किया।

एग्जिट पोल में भाजपा को बहुमत, कांग्रेस फिर खाली हाथ

नयी दिल्ली : दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को हुए मतदान के बाद आए एग्जिट पोल में स्पष्ट तौर पर भारतीय जनता पार्टी को बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। मतदान बाद होने वाले ज्यादातर सर्वे बता रहे हैं कि दिल्ली में भाजपा बहुमत के 36 के आंकड़े को पार कर लेगी। एग्जिट पोल कराने वाली विभिन्न सर्वे एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी 35 से 40 सीटें आसानी से हासिल कर सकती है। मैट्रिज सर्वे के अनुसार भारतीय जनता पार्टी को 35 से 40, आम आदमी पार्टी को 32 से 37 और कांग्रेस को 0 या 1 सीट मिल सकती है। पीपुल्स इनसाइड के अनुसार भाजपा को 40 से 44, आम आदमी पार्टी को 25 से 29 और कांग्रेस को 0 से 1 सीट मिल सकती है। पीपुल्स पल्स के अनुसार भाजपा को 51 से 60, आम आदमी पार्टी को 10 से 19 सीटें मिल सकती है जबकि कांग्रेस का खाता खुलने की उम्मीद नहीं है। जेवीसी पोल्स के अनुसार भाजपा को 39 से 45, आम आदमी पार्टी को 22 से 31 और कांग्रेस को 0 से 2 सीटों पर जीत मिल सकती है। रिपब्लिक भारत के अनुसार भाजपा को 35 से 40, आम आदमी पार्टी को 32 से 37 और कांग्रेस को 0 से 1 सीट मिल सकती है। रिपब्लिक टीवी-पी मार्क के अनुसार भाजपा को 39 से 49, आम आदमी पार्टी को 21 से 31 और कांग्रेस को 0 से 1 सीट मिल सकती है। चाणक्य सेट्रटर्जिस के अनुसार भाजपा को 39 से 44, आम आदमी पार्टी को 25 से 28 और कांग्रेस को 2 से 3 सीटें मिल सकती हैं। सभी छह एग्जिट पोल के आंकड़ों को अगर जोड़कर देखा जाए तो भाजपा को 42 सीटें हासिल हो सकती हैं। आम आदमी पार्टी को 27 और कांग्रेस को 1 सीट मिल सकती है।

जमीन विवाद में चाचा-भतीजे की गोली मारकर हत्या, छह हिरासत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के नगड़ी में मंगलवार रात हुए दोहरे हत्याकांड के पीछे जमीन विवाद की वजह सामने आ रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने एसआईटी का गठन किया है।

पुलिस ने इस हत्याकांड में संलिप्तता के संदेह में छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक मनोज कच्छप की बहन प्रीति ने बताया कि वह घर में खाना खा रही थी, तभी अचानक गोली चलने की आवाज आई। जब वह घटनास्थल पर पहुंची, तो देखा कि बुधराम मुंडा और मनोज कच्छप जमीन पर गिरे हुए थे। दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, अपराधियों ने महज तीन से चार मिनट के भीतर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। आशंका है कि वे काफी समय से दोनों पर नजर रख रहे थे। उन्होंने सरस्वती पूजा विसर्जन के बाद भीड़ कम होते ही हमला किया।

सड़क दुर्घटना में दो छात्रों की मौत

रांची : मांडर थाना क्षेत्र के पुल के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार छात्र और छात्रा को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सेंट्रल यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में मरने वाले दोनों लोगों में से ऐश्वर्या पश्चिम बंगाल के हावड़ा की रहने वाली है। जबकि देवदास बंगाल के सुंदरबन का रहने वाला है। दोनों मांडर में मकान किराए पर लेकर रहते थे और वहां से रोजाना सेंट्रल यूनिवर्सिटी में क्लास करने आते थे।

एक नजर

मुखिया की अध्यक्षता में मनाया गया मनरेगा दिवस

बिष्णुगढ़ : विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत चेडरा पंचायत के पंचायत भवन में मनरेगा दिवस मनाने हेतु मुखिया निर्मल कुमार की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष योजनाओं की जानकारी हेतु विस्तृत चर्चा की गई एवं मनरेगा कार्य करने हेतु आवेदन प्राप्त किए गए। मुखिया कुमार ने बताया कि मनरेगा योजना का लाभ लेने हेतु पंचायत स्तर पर बैनर पोस्टर लगाए जाएंगे जिससे ग्रामीणों को मनरेगा संबंधी योजनाओं का लाभ मिल पाएगा। दीवार लेखन के माध्यम से कार्यक्रम संबंधी सूचना एवं टोल फ्री नंबर जनहित में जारी किए जाएंगे। मौके पर वार्ड सदस्य रिता देवी, पुरनी देवी, पंचायत सचिव प्रीति कुमारी, रोजगार सेवक शेखर सुधांशु, पंचायत सहायक सुनील कुमार, विनोद कुमार रवि, विक्रम सिंह सीमा देवी इत्यादि ग्रामीण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन जिला संयोजक बने कैलाश साव

हजारीबाग : राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप निलेश के निदेर्शानुसार हजारीबाग रिंग रोज होटल में प्रोफेसर सोमर साहू की अध्यक्षता में एवं अरविंद साहू के संचालन में बैठक संपन्न हुई। बैठक में कैलाश साव को हजारीबाग जिला संयोजक घोषित किया गया। उनको दिशा निर्देश देते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आप इस कार्य समिति को एक महीने के अंदर जिला कमेटी को तैयार कर प्रदेश अध्यक्ष को सौंपने का काम करेंगे, संगठन को मजबूत बनाकर समाज को आगे ले जाने का काम करेंगे। मार्गदर्शन दिया गया की महीने में समाज की बैठक करने की जरूरत है और इसे मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक जिला पदाधिकारी को सदस्यता शुल्क भी जमा करना होगा। जिससे भविष्य में समाज के बच्चे बच्चियों को शिक्षित करने एवं सामूहिक विवाह करने पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप निलेश, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय साहू, प्रोफेसर सोमर साहू, जिला संयोजक कैलाश साव, जिला उपाध्यक्ष अशोक साहू, जिला मीडिया प्रभारी आशीष कुमार साव, अरविंद कुमार, नंदू साहू, सुखदेव साहू, प्रदीप साहू, अवध किशोर साहू, प्रकाश कुमार साहू सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

कुंभ स्नान के बाद लापता हुई महिला परिजन परेशान

बरही : बरही प्रखंड के मलकोको गांव की निवासी सोनमती देवी उम्र 45 वर्ष पति रूपलाल तुरी, कुंभ स्नान के लिए गांव के 15-20 लोगों के साथ गई थीं। लेकिन वहां तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें 29 जनवरी 2025 को बनारस जाने वाली बस में बैठाकर घर भेज दिया गया। हालांकि, सोनमती देवी अब तक घर नहीं पहुंची हैं, जिससे परिजन काफी चिंतित और परेशान हैं। उनके पास मोबाइल फोन भी नहीं है, और वे अकेली यात्रा कर रही थीं। परिजन उनकी तलाश में बनारस पहुंचे हैं, लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। यदि किसी को भी सोनमती देवी के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो कृपया इन नंबरों पर संपर्क करें। 8431282464, 7781860165 (पुत्र: दामोदर तुरी), 9619341979 (बहादुर तुरी), 9430300816 (सूरज दास)।

बरही में अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, उत्पाद विभाग ने की छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत देवचंदा मोड़ के समीप एक दो मंजिला मकान में संचालित अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ उत्पाद विभाग ने किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में प्लास्टिक की खाली बोतलें, कार्टन, ढक्कन, रैपर, लेबल और शराब बनाने की अन्य सामग्री बरामद की गई है। यह अवैध फैक्ट्री एनएच-33 के किनारे एक घर के बेसमेंट में संचालित की जा रही थी। सूत्रों के अनुसार, यह अवैध शराब फैक्ट्री करीब एक साल से सक्रिय थी और इसे गुप्त तरीके से संचालित किया जा रहा था।

उत्पाद निरीक्षक सुमितेश कुमार ने बताया कि यहां महंगी कांच की बोतलों में प्लास्टिक की बोतलें से अवैध विदेशी शराब रिफिल किया जाता था, जिससे कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सके। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था, सभी आरोपी कार्रवाई से पहले फरार हो चुके थे। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, इस अवैध फैक्ट्री को बिहार के कुछ लोगों द्वारा संचालित किया जा रहा था, जिन्होंने अपने कारोबार को पानी की फैक्ट्री बताकर लोगों को गुमराह किया था। फिलहाल संचालकों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उत्पाद विभाग ने घर के बेसमेंट को सील कर दिया है और आगे की जांच प्रक्रिया जारी है। विभाग की टीम संचालकों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व उत्पाद निरीक्षक सुमितेश कुमार ने किया, जिनके साथ उत्पाद निरीक्षक कृष्णा प्रजापति, उत्पाद आरक्षी एवं गृह रक्षक की टीम मौजूद रही। उत्पाद विभाग का कहना है कि अवैध शराब के कारोबार पर कड़ी नजर रखी जा रही है, और इस मामले में जल्द ही मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

अंडर 17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम में हजारीबाग की अनुष्का का हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र की छात्रा अनुष्का कुमारी का चयन अंडर 17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम में किया गया है। इसके इस उपलब्धि पर हजारीबाग के पुराने फुटबॉल खिलाड़ी और फुटबॉल रेफ्रियों ने कर्जन मैदान में अनुष्का कुमारी और उनके प्रशिक्षक सुशीला कुमारी को बुके, अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर देकर सम्मानित किया है इसके पूर्व भी हजारीबाग जिला फुटबाल संघ अंडर 17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम के कैप्टन अष्टम उरांव और पूर्णिमा कुमारी को भी सम्मानित कर चुके हैं सम्मानित करने वालों में नजरुल हसन, भैया मुरारी सिन्हा, अशोक भट्टाचार्य, लाल किशोर प्रसाद, बहादुर राम, सरफराज अहमद, धनेश्वर गोप, शफीउल्लाह खान गुड्डू, राष्ट्रीय फुटबॉल रेफरी परमेश्वर गोप, उमेश कुमार सिकंदर यादव एवं अन्य खेल प्रेमियों ने अनुष्का कुमारी को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सामान्य जाति के मतदाता को पिछड़ी जाति में जोड़ने का आरोप, जांच में जुटे अधिकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड में कभी भी नगर निगम चुनाव को लेकर बिगुल बज सकता है। इसे लेकर प्रशासनिक तैयारी भी शुरू हो चुकी है। जहां एक और प्रशासनिक तैयारी चल रही है तो दूसरी ओर गड़बड़ी को लेकर सवाल उठाने खड़ा हो रहा है। वार्ड नंबर 22 के निवासी निशांत कुमार प्रधान ने अपर समाहर्ता सह वरीय नोडल पदाधिकारी नगर निगम को पत्राचार किया है। जिसमें बताया गया है कि सामान्य वर्ग के वोटरों को पिछड़ा वर्ग में बड़े पैमाने पर जोड़ा जा रहा है। जिसमें बड़ी साजिश होने की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने बताया कि नगर निगम 2025 में जाति आरक्षण के लिए सभी मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसे यूआरएल पर प्रकाशित भी किया गया है। नगर निगम वार्ड नंबर 22

में बूथ संख्या 316, 317, 318, 319, 320 और 321 समेत 322 है। जहां बढ़ी संख्या में मतदाता है। अचानक प्रत्येक बूथ के मतदाताओं की जांच की गई। तो पाया गया कि बड़े पैमाने में सामान्य जाति के मतदाताओं की जाति को बदलकर पिछला वर्ग में तब्दील कर दिया गया है। निशांत प्रधान का कहना है कि लगभग लड़ाई सौ से अधिक मतदाताओं को ऐसा चिन्हित भी किया गया है। इसकी सूचना देने के बाद उपायुक्त कार्यालय से पत्राचार कर इस पूरे प्रकरण की जांच करने की बाद कही गई है। उपायुक्त कार्यालय हजारीबाग पत्रांक संख्या 249 में वरीय नोडल पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता हजारीबाग को शिकायत पर जांच करने का आदेश भी दिया गया है। ताकि और इसे सुधारा जा सके। वार्ड चुनाव के ठीक पहले सामान्य जाति के मतदाताओं को पिछड़ी जाति में नाम जोड़ने को लेकर अनियमित प्रकाश में आई है। सभी वार्ड में जांच की जाए तो बड़ी अनियमित भी सामने आ सकती है।

मरीजों का उत्तम उपचार करना हमारी पहली प्राथमिकता : डॉ प्रवीण श्रीनिवास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : श्रीनिवास सर्वमंगल सोसाइटी द्वारा संचालित रविन्द्र पथ बिजली ऑफिस के विपरीत स्थित संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में आए दिन मरीजों के लिए उत्तम इलाज एवं ऑपरेशन सहित स्वास्थ्य देखभाल में जीवनदाता के रूप में उभरा है। विशेषज्ञ चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी सक्रियता एवं तत्परता के साथ कार्यरत है। आधुनिक उपकरण एवं बेहतर सेवाएं- सुविधा मरीजों को प्रदान हो रहा है। बुधवार को चार वर्ष की बच्ची पॉइजन खा ली थी। मिशन होस्पिटल में चिकित्सकों की सक्रियता एवं तत्परता से बच्ची की जान बचाई गई। पॉइजन खाने से बच्ची काफी गंभीर की अवस्था में थी। सही समय पर उपचार के बाद बच्ची खतरे से बाहर है। बच्ची परिजन ने जीवनदाता के रूप में

मिशन होस्पिटल परिवार का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान बच्ची के परिजन में खुशी की लहर दौड़ गई। अस्पताल प्रबंधन की तत्परता को काफी सराहा। वहीं डॉ. पूजा एवं डॉ. अश्विनी के नेतृत्व में महिला मरीज को ओवरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन कर हटाया गया। मरीज को काफी राहत मिला। परिजन सफल ऑपरेशन एवं सफल इलाज से काफी प्रभावित हुए। मौके पर श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि मरीजों को उत्तम उपचार करना हमारी पहली प्राथमिकता है। हमारे यहां हर जटिल से जटिल समस्याओं का इलाज आधुनिक रूप से उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हर छोटी सी छोटी समास्याओं का नजरअंदाज ना करें, बल्कि सही समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से जांच करवाकर उत्तम स्वास्थ्य का लाभ लें।

पंचायती राज विभाग द्वारा सीएससी और वीएलई का दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव/केरेडारी : पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार द्वारा बड़कागांव अंचल परिसर में तीन प्रखंड केरेडारी डाड़ी और बड़कागांव के तकरीबन 54 सीएससी/वी.एल.ई को दो दिवसीय प्रशिक्षण मिला। मुख्य प्रशिक्षक मुकेश कुमार झा (डिस्ट्रिक्ट मैनेजर हजारीबाग) ने सभी सीएससी/ वी.एल.ई को ई ग्राम स्वराज, टी.एम.पी, पी.डी.आई, जेम पोर्टल तथा पंचायत भवन से क्रियान्वयन होने वाली योजनाओं के संदर्भ में जानकारी दिया। प्रशिक्षण के दौरान टाइड और अनटाइड इन दोनों योजनाएं को पंचायत में सिफ्टेड सीएससी/वी.एल.ई द्वारा कैसे ऑनलाइन किया जाना है, इसके बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान बड़कागांव प्रखंड समन्वयक पंचायती राज आशीष कुमार पासवान, बड़कागांव प्रखंड के सीएससी/वी.एल.ई हामिद राजा, नूतन कुमारी, अरुण रंजन, बैजू कुमार, संतू बेदिया, रमुन प्रजापति, अनिल मिश्रा, रामजी महतो, हीरालाल बेदिया, मो. इरशाद आलम, अजीज आलम, हरीश कुमार, रवि कुमार महतो समेत अन्य उपस्थित थे।

पूजा-अनुष्ठान के बाद नम आंखों से दी गई मां शारदे को विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आईसेक्ट विश्वविद्यालय परिसर में सरस्वती पूजा के मौके पर बीते सोमवार को स्थापित मां शारदे की प्रतिमा का विधि-विधान के साथ बुधवार को सिवाने नदी में विसर्जन किया गया। इससे पूर्व भक्ति, श्रद्धा और उल्लास वातावरण में मां सरस्वती की पूजा अर्चना हुई। तीन दिवसीय पूजा-अर्चना के बाद बुधवार को माता को खिचड़ी का भोग लगाया गया और प्रसाद के रूप में खिचड़ी का वितरण किया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय परिसर में शामिल सभी प्राध्यापक -प्रध्यापिकाओं, कर्मियों व विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाए और गाजे-बाजे के साथ सरस्वती माता की जय, अगले वर्ष फिर जल्दी आड्ढ के जयकारे लगाते सिवाने नदी तक पहुंचे। इसके बाद माता सरस्वती की

प्रतिमा को विसर्जित किया गया। बता दें कि बसंत पंचमी के साथ पर्यावरण में भी बदलाव होता है और पेड़ पौधों में नई पत्तियां निकलनी शुरू हो जाती है। आयोजन को सफल बनाने में इनका योगदान अहम सरस्वती पूजा के उपलक्ष्य पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ अरविंद कुमार, डॉ प्रीति व्यास, डॉ रितेश कुमार, डॉ आलोक राय, डॉ विनय पंजियार, कुमारी सीमा, कोमल पल्लवी भेंगरा, सबिता कुमारी, हिमांशु चौधरी, अमित कुमार, शिवदेव, शुभा, विशाखा बाला, कुंवरजीत, नेहा सिन्हा, प्रतिभा हेंब्रम, डॉ गीता कुमारी, आदित्य कुमार, डॉ आरसी राणा, प्रभात किरण, डॉ ओमप्रकाश दास, आशा गुप्ता, बबलू चौधरी, डॉ डीएस नाग, संजना कुमारी, नागेश्वरी कुमारी, डॉ तबरेज खान, राज तिवारी, डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, मुकेश कुमार, रोहित लाल, यशवंत कुमार, पंकज प्रज्ञा, राहुल कुमार, डॉ दीपा गोस्वामी, डॉ रोजीकांत, सबा प्रवीण, फरहीन सिद्दीकी, अजय वर्णवाल, राजेश रंजन, मुन्ना कुमार, रौशन कुमार सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर ये रहे मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एकेडमिक एमके मिश्रा, सह-कुलसचिव ललित मालवीय, चांदनी कुमारी, राजीव रंजन, अमित कुमार व रंजू, एएफओ सौरभ सरकार, पीआरओ मो शमीम अहमद, टीपीओ मनोज कुमार, डॉ विजय सान्याल, रविकांत, प्रभात किरण, प्रभात कुमार, विजय लाल, डॉ रंजीत कुमार, संजय दांगी, राजेश कुमार, रोहित राणा, सुशांत झा, हर्ष राज, राज शर्मा, अर्जुन राणा, बिरेंद्र कुमार, अभिमन्यु पाण्डेय, संतोष कुमार, आशा गुप्ता, प्रियंका कुमारी, पूजा भारती, लक्ष्मी कुमारी, डॉ बचनदेव कुमार राय सहित कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मियों के अलावा बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौके पर मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

गोंदुलपारा खनन परियोजना के लिए ग्राम सभा का हुआ आयोजन

बड़कागांव : गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत बनने वाले आवासीय कॉलोनी के निर्माण के लिए बुधवार को चंदौल स्थित पंचायत भवन में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जानने समझने के लिए सुबह से ही महिला और पुरुषों के साथ अन्य ग्रामीण और भूझ्ररैयत उपस्थित हुए। कार्यक्रम स्थल पर ग्रामीणों के एक समूह ने अधिकारियों को आर एन आर मसौदे के संबंध में मांग पत्र सौंपा। इस खनन परियोजना के लिए एलए और आरआर एक्ट 2013 की धारा 16 (4) और (5) के प्रावधानों के तहत हजारीबाग के अपर समाहर्ता सह प्रशासक के कार्यालय की ओर से पुनर्वास का मसौदा तैयार किया गया है। परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा और उस भूमि पर रह रहे लोगों का दूसरी जगह पुनर्वास करवाया जाएगा। इसके लिए चंदौल में 162.56 एकड़ रैयती भूमि चयनित है। यहां ग्रामीणों के लिए पुनर्वास कॉलोनी बनाई जाएगी। हालांकि, गहमागहमी के बीच गोंदुलपारा के ग्रामीणों के एक समूह ने ग्राम सभा के दौरान अपनी चिंताएं जाहिर की। चंदौल में बनने वाली पुनर्वास कॉलोनी के निर्माण के लिए ग्रामीणों ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी। ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों के एक पक्ष ने जहां अपना विरोध दर्ज किया, वहीं, ग्रामीणों का एक समूह कंपनी के समर्थन में भी रहा। इस ग्राम सभा के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

महानिरीक्षक धीरेंद्र संभाजी कुटे ने संभाली प्रशिक्षण केंद्र की कमान

हजारीबाग : धीरेंद्र संभाजी कुटे, भारतीय पुलिस सेवा, महानिरीक्षक ने दिनांक 5 फरवरी 2025 को प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, मेरु कैंप, हजारीबाग में महानिरीक्षक का पदभार ग्रहण किया। धीरेंद्र संभाजी कुटे 1997 बैच के उड़ीसा कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। 28 वर्षो के सेवाकाल के दौरान इन्होंने उडीसा राज्य में विशेष सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय, परिवहन आयुक्त, महानिरीक्षक पुलिस (अधिसूचना), उप महानिरीक्षक पुलिस (पूर्वी रेंज), उप महानिरीक्षक पुलिस (मध्य रेंज), पुलिस अधीक्षक-जाजपुर, पुलिस अधीक्षक-राउरकेला, पुलिस अधीक्षक -गजापति उडीसा, के पदों पर कार्य करते हुए कानून व्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उप महानिरीक्षक पुलिस (अधिसूचना), के रूप में बेहतरीन व सराहनीय कार्य सेवा के लिए वर्ष 2013 में उन्हें पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। कमलजीत सिंह बन्याल,महानिरीक्षक ने धीरेंद्र संभाजी कुटे (भापुसे) को बैटन प्रदान किया।

बड़कागांव से 290 सदस्यों की जत्था कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज हुए रवाना

बड़कागांव: बड़कागांव विकास सेवा समिति के सौजन्य से कुंभ स्नान प्रयागराज के लिए बुधवार को सूर्य मंदिर प्रांगण से पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने हरी झंडी दिखलाकर 290 श्रद्धालुओं की जत्था को रवाना किया। रवाना होने से पूर्व श्मशान घाट सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश सिंहा, केनरा बैंक प्रबंधक शशि कुमार बागे एवं कुछ सदस्यों के सहयोग से सभी श्रद्धालुओं को अंग वस्त्र भेंट किया गया। वहीं शशि कुमार बागे ने 1111 रुपया कुंभ स्नान में दान देने के लिए मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार को सुपुर्द किया। उक्त कार्य में विकास सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार सचिव बुद्धि नाथ महतो एवं उपस्थित अन्य सदस्य गण का सराहनीय योगदान रहा। इस दौरान श्रद्धालु भद्रकाली, बिंदियाचल, अयोध्या, प्रयाग संगम, बनारस, बोधगया आदि तीर्थ स्थान का भ्रमण करेंगे। मौके पर उप प्रमुख वचन देव कुमार, शशि मेहता, लालमणि महतो, बीरेंद्र प्रसाद, प्रवीण कुमार, बिशुंदयाल महतो, अनिता देवी, सबिता देवी, देव प्रसाद, गणेश प्रसाद, अश्विनी कुमार, राजू कुमार, सुरेन्द्र कुमार, मानकी साव, शभ्या भवानी, राधा देवी, शंभू प्रसाद, सिकंदर सोनी,संजय कुमार,संतोष कुमार, बालमुकुंद प्रसाद, ईश्वरी प्रसाद, नारायण कुमार, बिशुन रजक, रेणु कुमारी, उमेश कुमार, बिनोद प्रसाद के अलावा विकास सेवा समिति के सदस्य शामिल थे।

देवचंदा मोड़ पर हो रही दुर्घटनाओं को लेकर एनएचएआई ने किया स्थल का निरीक्षण

बरही : देवचंदा मोड़ के आसपास लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य रोहित सिंह ने इस समस्या को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया। उन्होंने इलाके में स्ट्रीट लाइट लगाने, सर्विस रोड, बैरिकेडिंग, स्पीड ब्रेकर, स्कूल साइन बोर्ड आदि और अन्य आवश्यक सुधार कार्यों की मांग करते हुए एनएचएआई को मेल भेजा और व्यक्तिगत रूप से अधिकारियों से मुलाकात कर इस समस्या की गंभीरता से अवगत कराया। स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों के अभिभावकों ने भी इस समस्या पर चिंता जताई थी क्योंकि देवचंदा मोड़ में यातायात अव्यवस्था के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही थीं। कई बार तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आने से लोगों की मौत एवं घायल हो चुके हैं। प्राचार्य रोहित सिंह की पहल पर एनएचएआई ने मामले को गंभीरता से लेते हुए देवचंदा मोड़ का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की जांच की और जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। एनएचएआई ने कहा कि सड़क पर उचित स्ट्रीट लाइट लगाने, सर्विस रोड, बैरिकेडिंग, स्पीड ब्रेकर, स्कूल साइन बोर्ड आदि के सुधार और अन्य सुरक्षा उपायों के लिए जल्द ही योजना तैयार की जाएगी। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि जल्द ही इस क्षेत्र में दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा। प्राचार्य रोहित सिंह ने कहा कि वे इस मामले की प्रगति पर नजर बनाए रखेंगे और आवश्यकतानुसार आगे भी अधिकारियों से संवाद करते रहेंगे, ताकि इस समस्या का स्थायी समाधान निकल सके।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना कर अनुराग गुप्ता को बनाया गया डीजीपी : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर दो अहम मुद्दों को लेकर हमला किया है। पहला मुद्दा राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को लेकर है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना कर अनुराग गुप्ता को डीजीपी नियुक्त किया है। कदाचार में लिप्त अनुराग गुप्ता यूपीएससी की अनुशंसित सूची में नहीं थे। इसके बावजूद उन्हें डीजीपी बनाया गया है। दूसरा मुद्दा रामगढ़ के गोला में हुए सरस्वती पूजा विसर्जन जुलूस पर हिंसक हमले का है। उन्होंने अरोप लगाते हुए बताया कि मंगलवार को रामगढ़ के गोला में सरस्वती पूजा के विसर्जन जुलूस पर एक विशेष समुदाय द्वारा हिंसक हमले में दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ग्रामीण शांतिपूर्वक मां सरस्वती की प्रतिमा विसर्जित करने जा रहे थे लेकिन समुदाय विशेष के लोगों द्वारा रास्ता रोककर जुलूस में जा रहे बच्चों, महिलाओं पर हमला किया गया। हैरानी की बात है कि घटना के वीडियो में दिख रहे आरोपितों की पहचान स्पष्ट होने के बाद भी पुलिस ने किसी भी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कुछ साल पहले सरस्वती पूजा के विसर्जन जुलूस से खिंचकर रूपेश पांडेय की हत्या कर दी गई थी। क्या इस बार भी आप और आपका पुलिस प्रशासन ऐसे ही किसी निर्दोष की हत्या का इंतजार कर रहा है? आखिर प्रशासन ने समुदाय विशेष के लोगों को उपद्रव मचाने की इतनी ढील क्यों दे रखी है? मरांडी ने मुख्यमंत्री से तुष्टीकरण की नीति को लेकर सवाल किया और चेतावनी दी कि अगर जल्द ही प्रशासन ने आरोपितों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई नहीं की, तो जनता को मजबूरन आंदोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा।

सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं बाबूलाल : सुप्रीयो

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी आये दिन हेमंत सरकार की कार्यशैली पर बोलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि डीजीपी के चयन का अधिकार किसी भी राज्य की कैबिनेट का है। न कि बाबूलाल मरांडी को। उन्होंने ने कहा कि यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत दक्षिण के राज्यों की सरकारें इस पद पर वरीय पुलिस अधिकारियों का चयन करती रही हैं। भट्टाचार्य बुधवार को पार्टी के हरमू स्थित कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व की परंपरा के अनुसार तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नामों का पैनल केंद्र सरकार को भेजा जाता था, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त कर दी गई है। उन्होंने तत्कालीन मुख्य मंत्री बाबूलाल मरांडी के कैबिनेट की ओर से ओबीसी आरक्षण को घटाने के निर्णय पर भी सवाल उठाया। साथ ही कहा कि भाजपा सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद भी विपक्ष के नेता का चयन नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि क्या बाबूलाल, चंपई सोरेन और सीपी सिंह में से कोई नेता विपक्ष के नेता की योग्यता नहीं रखता। उन्होंने कहा कि पूर्व में ही मुख्यमंत्री हेमंत सारेन ने झारखंड का केंद्र सरकार पर बकाया एक लाख 36 हजार करोड रुपये का पूरा ब्योरा केंद्र सरकार को भेज दिया है।

एक नजर

झारखंड में आठ फरवरी के बाद तीन से पांच डिग्री तक गिरेगा तापमान

रांची : झारखंड में मौसम की स्थिति में बदलाव की संभावना है। आठ फरवरी के बाद न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। इससे पहले, सुबह में कोहरा और धुंध के साथ न्यूनतम तापमान में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन दिन में आसमान साफ रहने से तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि हो सकती है। रात में तापमान में कमी आ सकती है। बुधवार की सुबह में कोहरा या धुंध और उसके बाद आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। झारखंड में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है, और उसके बाद अगले तीन दिनों के दौरान धीरे-धीरे तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। मंगलवार को सबसे कम तापमान चतरा का 9.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि अधिकतम तापमान सरायकेला का 34.2 डिग्री सेल्सियस रहा. रांची का अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

मां सरस्वती को नम आंखों से दी गई विदाई

रांची : शहर के विभिन्न चौक चाराहों, गली मुहल्लों में स्थापित किए गए मां सरस्वती की प्रतिमाओं को बुधवार को बड़ा तालाब, करम और चडरी तालाब में तीसरे दिन में विसर्जित कर दिया गया। इससे पहले पूजा पंडालों के समिति के सदस्यों ने सुबह 11 बजे मां सरस्वती की प्रतिमा की आरती उतारी। पुजारी द्वारा शाम चार बजे हवन कराया गया। मां सरस्वती की वंदना की गई। विद्या की देवी से आशीष के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। इसके बाद पूजा स्थल से प्रतिमाओं को तालाब में विसर्जित करने के लिए सवारी गाड़ी, ऑटो व पिकप समेत बड़े वाहनों में चढ़ाया गया। सबसे आगे मां सरस्वती की प्रतिमाएं, उसके बाद बैंड पार्टी, डीजे साउंड के पीछे भक्तों का हुजुम था। लोग नाचते-गाते हुए तालाब तक गए और मूर्ति को विसर्जित किये।

महाशिवरात्रि के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

रांची : रांची जिले में 26 फरवरी 2025 को होने वाले महाशिवरात्रि त्योहार की तैयारियों को लेकर आज 5 फरवरी 2025 को जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में रांची पहाड़ी मंदिर विकास समिति के साथ बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में हुई इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक सहित अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मंदिर विकास समिति के सदस्य भी मौजूद थे। बैठक में महाशिवरात्रि के दिन मंदिर में पूजा, मंदिर का उद्घाटन, भक्तों का मंदिर में प्रवेश-निकास, सजावट, और बिजली व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, श्रद्धालुओं के जलाभिषेक को सुगम बनाने के लिए गर्भ गृह में विशेष इंतजाम किए जाने की बात कही गई। जिला दंडाधिकारी ने मंदिर समिति से इस कार्य के लिए विशेष इंतजाम करने का निर्देश दिया। साथ ही, शिव बारात की झांकी, रूट, मंच निर्माण और कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान महाशिवरात्रि के दिन शिव बारात के रूट पर साफ-सफाई, ट्रैफिक नियंत्रण और अन्य व्यवस्थाओं पर भी विचार किया गया।

आम लोगों के लिए आज से खुलेगा राजभवन उद्यान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आम लोग एक बार फिर से राजभवन उद्यान का दीदार कर सकेंगे। राजभवन उद्यान आम लोगों के लिए छह से 12 फरवरी तक खोला जा रहा है। कोई भी व्यक्ति राजभवन के गेट नंबर दो से सुबह 10 बजे से दिन के एक बजे तक प्रवेश कर सकता है। प्रवेश आवश्यक जांच के बाद ही मिलेगा। सभी आगंतुकों को अपना परिचय पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। उद्यान सुबह 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक खुला रहेगा। लोगों को अधिकतम 30 मिनट तक उद्यान में रहने की अनुमति मिलेगी। राजभवन लगभग 52 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। इसका निर्माण 1930 में हुआ था।आम लोगों के लिए सबसे पहले उद्यान वर्ष 2004 में खोला गया था। उस वक्त सैयद सिब्ते रजी राज्यपाल थे। इस उद्यान में सैकड़ों किस्म के 20 हजार से अधिक गुलाब के फूल हैं। सीजनल फूल की भी भरमार है। उद्यान में कृत्रिम ऑक्टोपस, कृत्रिम पहाड़ झरने, दीवारों पर बने सोहराय पेंटिंग्स, महापुरुषों और शहीदों की प्रतिमा, युद्ध में उपयोग किये गये टैंक, विशालकाय चरखा, एमआइजी 21 विमान, पीला बांस, रूद्राक्ष, कल्पतरू, स्ट्रॉबेरी, इलाईची, तेजपत्ता, संतरा, मौसमी, सेव, चीकू, काजू, जामुन, कपूर, लेमन ग्रास, चंदन, लौंग, दालचीनी आदि के पेड़ हैं। परिसर में फूलो-झानो उद्यान, नौ म्यूजिकल फव्वारा, महात्मा गांधी औषधीय उद्यान, गुरु गोविंद सिंह वाटिका, ऑर्किड गार्डेन, अशोक उद्यान, अकबर गार्डेन, बुद्धा गार्डेन, मूर्ति गार्डेन, बिरसा मंडप, लोटस ब्रिज आदि देखने योग्य हैं।

रांची को जल्द मिलेगी नमो ई-लाइब्रेरी की सौगात : केंद्रीय मंत्री संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि रांची में जल्द ही नमो ई-लाइब्रेरी की शुरूआत की जाएगी। यह डिजिटल पुस्तकालय विद्यार्थियों, आम नागरिकों और पत्रकारों के लिए निशुल्क उपलब्ध होगा, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ दुनिया भर की लाइब्रेरियों तक पहुंच बना सकेंगे। संजय सेठ ने बताया कि नमो बुक बैंक में अब तक 3.60 लाख से अधिक किताबें संग्रहित हो चुकी हैं, और झारखंड के 80,000 से अधिक विद्यार्थियों ने यहां से किताबें लेकर अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाया है। राज्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के जामताड़ा क्षेत्र साइबर अपराधों के लिए कुख्यात है, इसलिए साइबर क्राइम से बचाव के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। लोगों को ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल सुरक्षा के प्रति सचेत किया जाएगा।

विकसित भारत के लक्ष्य की ओर एक और कदम संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करने में वे भी अपना योगदान देंगे। उन्होंने देश के 140 करोड़ नागरिकों से इस सपने को साकार करने में सहयोग देने की अपील की।

सरकारी कर्मियों के लिए सोशल मीडिया गाइडलाइन जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य सरकार ने सरकारी कर्मियों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। अब सरकारी कर्मचारी नियमों और शर्तों के तहत ही सोशल मीडिया का उपयोग कर सकेंगे। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया है।

सरकार के मुताबिक सरकारी कर्मचारी सोशल मीडिया पर मर्यादित और अनुशासित व्यवहार बनाए रखें। वे सरकारी नीतियों की आलोचना, राजनीति से जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी और आपत्तिजनक पोस्ट करने से बचें।

मुख्य प्रतिबंध-

राजनीतिक गतिविधि पर रोक-
कोई भी सरकारी कर्मी राजनीतिक दल का सदस्य नहीं होगा और किसी राजनीतिक आंदोलन या गतिविधि में हिस्सा नहीं लेघा अपने अकाउंड की डीपी या प्रोफाइल पिक्चर में किसी राजनीतिक दल का प्रतीक नहीं लगा सकेगा।

सरकारी नीतियों की आलोचना नहीं कर सकेंगे-
सोशल मीडिया पर सरकार की नीति या किसी सरकारी कार्रवाई पर टिप्पणी, आलोचना या चर्चा नहीं कर सकेंगे। किसी भी संवेदनशील या गोपनीय जानकारी को साझा करने पर रोक होगी।

मयार्दा और सभ्य व्यवहार अनिवार्य-
सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भेदभावपूर्ण, अश्लील या धमकी भरे पोस्ट नहीं कर सकेंगे।
जाति, धर्म, वर्ग, लिंग या क्षेत्र को लेकर भेदभावपूर्ण टिप्पणी करने की अनुमति नहीं होगी।

व्यक्तिगत लाभ और प्रचार वर्जित-
कोई भी सरकारी कर्मी किसी उत्पाद या व्यवसाय का प्रचार नहीं कर सकेगा।
आर्थिक लाभ प्राप्त करने की स्थिति में नियुक्ति प्राधिकारी से अनुमति लेनी होगी।

कार्यालय समय में सोशल मीडिया का दुरुपयोग नहीं-
कार्यस्थल से जुड़ी शिकायतों को सोशल मीडिया पर साझा नहीं करेंगे, बल्कि उचित अधिकारी को सूचित करेंगे।
कार्यालय समय में अनावश्यक रूप से सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

न्यायालय से जुड़े मामलों पर पोस्ट नहीं-
किसी भी कोर्ट के आदेश या निर्देश पर ऐसा कोई पोस्ट नहीं करेंगे, जिससे न्यायालय की अवमानना हो। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन नियमों का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकारी कर्मियों को सोशल मीडिया के उपयोग और सरकारी नीतियों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की सलाह दी गई है।

स्कूल ऑफ योग में फ्री योग शिविर शुरू

रांची : रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ योग में समग्र स्वास्थ्य पर 15 दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर का शुभारंभ बुधवार को सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में मख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ्टअजीत कुमार सिन्हा थे। मौके पर विभाग की निदेशक डॉ मधुलिका वर्मा ने अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया। उन्होंने कहा कि योग की महत्ता और वर्तमान समय में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य प्राप्ति में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। वहीं कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने योग के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सभी प्रतिभागियों को अपने दैनिक जीवन में इसे अपनाने के लिए कहा तथा सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी। सीवीएस की डिप्टी डायरेक्टर डॉ स्मृति सिंह ने समग्र स्वास्थ्य प्राप्ति में योग को महत्वपूर्ण बतलाते हुए सभी को नियमित रूप से योग से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

झारखंड के स्कूलों में तीन साल के अंदर 8.27 लाख छात्रों का नामांकन घटा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के स्कूलों में तीन साल के भीतर 8.27 लाख छात्रों का नामांकन घट चुका है, जो यू-डायस प्लस की हालिया रिपोर्ट से सामने आया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2021-2022, 2022-2023 और 2023-2024 के दौरान हर साल नामांकन में गिरावट आई है। हालांकि, शैक्षणिक सत्र 2024-2025 की नामांकन रिपोर्ट अभी तैयार नहीं हो पाई है। यह गिरावट केवल सरकारी स्कूलों में नहीं, बल्कि निजी स्कूलों में भी देखी जा रही है। यहां तक कि निजी स्कूलों में नामांकन दर सरकारी स्कूलों से भी कम रही है। पिछले तीन सालों में जहां सरकारी स्कूलों में 3 लाख 99 हजार 21 छात्रों का नामांकन घटा है, वहीं निजी स्कूलों में यह आंकड़ा 4 लाख 28 हजार 474 तक पहुँच गया है। शिक्षा विभाग का मानना है कि स्कूलों में नामांकित सभी छात्रों का डेटा यू-डायस प्लस पर सही तरीके से भरा नहीं जा रहा है। शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने इसे चिंताजनक स्थिति बताते हुए कहा कि इससे राज्य की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उनका कहना है कि यह स्थिति जिला स्तर के अधिकारियों की लापरवाही के कारण उत्पन्न हुई है, क्योंकि स्कूलों द्वारा नामांकित छात्रों का पूरा आंकड़ा सही तरीके से रिपोर्ट नहीं किया जा रहा है। इस वजह से 10 जिलों-धनबाद, गिरिडीह, पलामू, रांची, हजारीबाग, देवघर, गुमला, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम और गढ़वा के जिला शिक्षा अधिकारियों को नोटिस भेजा गया है। शिक्षा सचिव ने निर्देश दिया है कि जो निजी स्कूल यू डायस प्लस 2024-2025 के लिए आंकड़े उपलब्ध नहीं करा रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसे स्कूलों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए संबंधित बोर्डों जैसे कि सीबीएसई और आईसीएसई को पत्र भेजा जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, निजी स्कूल जानबूझकर सूचना छिपाने के उद्देश्य से आंकड़े नहीं प्रदान कर रहे हैं। कई निजी स्कूल आरटीआई के कारण भी संख्या दर्ज नहीं कराते। इसके अलावा, कई बच्चों का दाखिला सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में होता है, जिसके कारण डुप्लीकेसी की समस्या उत्पन्न होती है और उनकी संख्या यू-डायस पर नहीं दी जाती।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए वाटरशेड यात्रा का हुआ शुभारंभ

रांची : बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित वाटरशेड यात्रा एक राष्ट्रव्यापी अभियान की शुभारंभ WDC-PMKS 2.0 योजना के दिघीया गांव, बेड़ो प्रखंड, रांची में किया गया। कार्यक्रम में झारखंड राज्य जलछाजन मिशन, ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, समीरा एस, उप विकास आयुक्त, रांची, दिनेश कुमार यादव, बंधु तिर्की, पूर्व मंत्री, चामी मुर्मू, (पद्म) आदि शामिल हुए। जानकारी हो की इस वाटरशेड यात्रा का राष्ट्रीय स्तर पर माननीय कृषि मंत्री एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह, ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री, कमलेश पासवान के द्वारा भी जलछाजन योजना एवं वॉटरशेड यात्रा के संबंध में VC के माध्यम से समारोह को संबोधित किया।
वाटरशेड यात्रा का मुख्य उद्देश्य- जल एवं मिट्टी संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूकता, खेती को बढ़ावा देना, किसानों की आय में वृद्धि आदि है। डीडीसी रांची ने अपने संबोधन जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए वाटरशेड यात्रा को सफल बनाने का अपील किया गया। समीरा ने अपने संबोधन में जलछाजन योजना अंतर्गत अबतक किये गए कार्यो के संबंध में बताया तथा इस यात्रा के माध्यम से लोगों तक जल संरक्षण के संबंध में जानकारी पहुंचा कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक होने का आहवान किया। बंधु तिर्की ने उपस्थित किसानों एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण अपने व्यवहार में शामिल करने की बात कही। जागरूकता वैन 45 दिनों तक राज्य के हर जिले में घूमेगी तथा वाटरशेड योजना में हुए लाभान्वित लोगों को जागरुक करने एवं जनभागीदारी के रुप मे श्रमदान, वृक्षारोपण, भूमिपूजन, पानी की पंचायत, वॉटरशेड महोत्सव कार्यक्रम किया जाएगा। इस यात्रा में अधिक से अधिक वालंटियर को जोड़ना है और प्रभात फेरी, ग्राम सभा किया जाएगा।

देश को इंडियन टीचर्स सर्विस की जरूरत : पंकज मिश्र

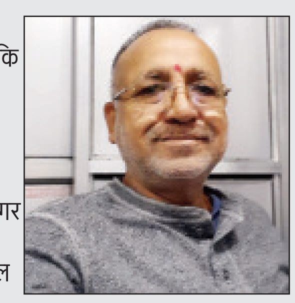

रांची : जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने कहा कि देश को अब इंडियन टीचर्स सर्विस (आइटीएस)की जरूरत है। आइएएस, आइआरएस, आएफएस,आईएस सहित अनेक सेवाओं का लाभ देश ले रहा है। मगर विश्व स्तर पर भारत अब भी उस मुकाम को हासिल करने में असफल रहा है। इसका मूल वजह शिक्षा के क्षेत्र में हमारा पीछे रहना है। विश्व में भारत का 105 वें स्थान पर रहना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यूडीआइएसइ और एसडीएमएस (स्टुडेंट डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम) के संयुक्त रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट है कि विश्व स्तर पर 15 वर्ष से अधिक उम्र के छात्रों का औसत 86.3 फीसद है। जबकि भारत का 76.32 फीसद है। विश्व में कई देशों का शिक्षा दर सौ फीसद तक है। बड़ी जनसंख्या वाला देश होने के बाद भी चीन का शिक्षा दर 99.9 फीसद होना उसके विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। फिनलैंड, नार्वे, लक्जमबर्ग में यह आंकड़ा सौ फीसद तक है। मिश्र ने कहा कि भारत विश्व गुरू बनेगा यह स्लोगन तभी मूर्तरूप ले सकेगा जब हम शिक्षा के क्षेत्र मे परचम लहराएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर गठित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं की तरह इंडियन टीचर्स सर्विस (आइटीएस) बनाने की दिशा में पहल करना आवश्यक हैं। यूपीएससी के माध्यम से चयनित इस सेवा के अधिकारियों को सबसे अधिक सैलरी, सुविधाएं दी जानी चाहिए ताकि अच्छे लोगों का चयन हो सके और इस सेवा की तरफ आकर्षण बढे। उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में पिछले तीन साल में 8.27 लाख बच्चों का कम होना, शिक्षा की चरमराई व्यवस्था को दशार्ता है। जयप्रकाश जनता दल कें सचिव ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस सेवा का गठन करने का आग्रह किया है। साथ ही राज्य सरकार से भी शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देने की मांग की।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक पीएचडी डिग्री से सम्मानित

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ विधु भूषण मिश्र को उड़ीसा के राज्यपाल डॉ हरिबाबू कंभमपति द्वारा पीएचडी डिग्री देकर सम्मानित किया गया। उनकी पीएचडी विजू पटनायक तकनीकी विश्विद्यालय उड़ीसा में प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर शक्ति रंजन महापात्रा तथा डॉ दीपक कुमार साहू ,पूर्व निदेशक, परीक्षा,विजू पटनायक तकनीकी विश्विद्यालय उड़ीसा के सह निर्देशन में दिया गया। उन्हें यह पीएचडी डिग्री stress resilience at work among managerial personnel of health and banking organisation in odisha के लिए ११वें दीक्षांत समारोह में दिया गया। इस अवसर पर प्रबंधन विभाग के संकायअध्यक्ष प्रोफेसर मिहिर रंजन नायक तथा विश्विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमिय कुमार रथ मौजूद थे।

रांची जिला में माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा की तैयारी पूरी

रांची : रांची जिला के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में आज 5 फरवरी 2025 को समाहरणालय ब्लॉक-बी स्थित सभागार में माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षकों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में परीक्षाओं के शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त आयोजन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों को यह निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में परीक्षार्थी कदाचार नहीं करें, और अगर ऐसा पाया गया, तो परीक्षा संचालन नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। 11 फरवरी से 3 मार्च 2025 तक आयोजित होने वाली वार्षिक माध्यमिक और इंटरमीडिएट परीक्षा के बारे में भी जानकारी दी गई। माध्यमिक परीक्षा पहली पाली में प्रात: 9:45 बजे से 1:00 बजे तक होगी, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा दूसरी पाली में अपराह्न 2:00 बजे से 5:15 बजे तक चलेगी। रांची जिला में कुल 102 माध्यमिक परीक्षा केंद्रों पर 35,213 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, जबकि 57 इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्रों पर 38,497 परीक्षार्थी हिस्सा लेंगे। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने केंद्राधीक्षकों के सवालों का जवाब दिया और कदाचार मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी और अन्य अधिकारी भी शामिल थे।

फाइलेरिया से प्रभावित 14 जिलों में 10 फरवरी से मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम की होगी शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : फाइलेरिया मुक्त झारखण्ड की प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार द्वारा रामट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत चलाये जाने वाले मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय के साथहसाथ सामुदायिक सहभागिता और मीडिया सहयोगियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसी क्रम में, आज धनबाद में स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड एवं ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटेजीज संस्था द्वारा अन्य सहयोगी संस्थाओं, विश्व स्वास्थ्य संगठन, पीरामल स्वास्थ्य के साथ समन्वय बनाते हुए मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। फाईलेरिया उन्नमूलन के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम हेतु दिसम्बर माह में अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव झारखण्ड के द्वारा विस्तृत मार्ग दर्शिता विभागिय सबंधित जिला के उपायुक्त को भेजी जा चुकी है, इस संबंध में अभियान निर्देशक अब्बू इमरान द्वारा लगातार कार्यक्रम सबंधित समिक्षा एवं मार्गदर्शन समिक्षा की जा रही है। फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए आगामी 10 फरवरी से राज्य के फाइलेरिया से प्रभावित 14 जिलों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम की शुरूआत की जायेगी। इसमें 11 जिलों में दो दवाईया डीईसी, और अल्बेंडाजोल एवं 3 जिलों में 3 दवाईया यानि डीईसी, अल्बेंडाजोल और आइवरमेक्टिन के साथ यह कार्यक्रय चलाया जायेगा। इस हेतु जिलों में लाभूको को बुथ के माध्यम से और उसके बाद घर- घर जाकर दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है तथा किसी भी विषम परिस्थितियों से निपटने हेतु चिकित्सक के नेतृत्व में रैपिड रेस्पान्स टीमों का भी गठन किया गया है। 17 जनवरी को स्टेट टास्क फोर्स मिटींग के दौरान अभियान निर्देशक ने मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम में खिलाई जाने वाली फाइलेरिया रोधी दवाइयों को पूरी तरह से सुरक्षित बताया था और कहा था कि इस बात का विशेष ध्यान रखना है कि 2 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बिमार लोगों को छोड़कर सभी को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन स्वास्थ कर्मचारियों के सामने करना है।

ये दवाइया खाली पेट नहीं खानी है, कभी-कभी इन दवाइयों को खाने के बाद कुछ लोगों ने मितली आना, चक्कर आना जैसे लक्षण पैदा होते है, लेकिन इसका यह मतलब होता है कि उनके शरीर में फाइलेरिया के परजीवी है और दवा खाने के बाद शरीर में मौजूद फाइलेरिया के परजीवी मर रहे है, इसलिए ऐसे किसी भी प्रकार के लक्षण होने पर हमें घबराना नहीं चाहिए और हम सब को फाइलेरिया रोधी दवाइया अलग से खानी चाहिए। उन्होनें यह भी कहा था कि हम सब फाइलेरिया मुक्त झारखण्ड के लिए प्रत्येक स्तर पर प्रयास कर रहे है। कार्यशाला में राज्य कीटविज्ञानशास्त्री साग्या सिंह ने कहा कि फाइलेरिया का उन्मूलन जन आंदोलन से संभव है। उन्होंने कहा कि मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम में देखा गया है कि रेजिडेंशियल अपार्टमेंट या संभ्रांत क्षेत्र में लोग दवा प्रशासक को प्रवेश करने नहीं देते हैं।

एक नजर

रैयत ग्रामीणों के साथ जेएलकेएम ने की बैठक

बोकारो : चंदनकियारी प्रखण्ड पंचायत नयावन अंतर्गत पंचायत भवन में रैयत ग्रामीण के साथ जेएलकेएम की बैठक किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जेएलकेएम केन्द्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो व चंदनकियारी विधानसभा के पुर्व प्रत्याशी अर्जुन राजवार उपस्थित थे। निर्णय लिया गया कि कंपनी को बिना नियोजन व मुआवजा के गेल इंडिया को जमीन नहीं देंगे। टाइगर जयराम महतो ने ग्रामीणों को अस्वासन किया कि नियोजन मुआवजा के बिना सहमति के बिना गेल इंडिया कंपनी जमीन नहीं लेगी और न ही दिया जाएगा।,यह बात में विधानसभा में उठाऊंगा, गेल इंडिया कंपनी, ओएनजीसी, और जेएसडब्ल्यू पर्वतपुर कॉल ब्लॉक के खिलाफ उग्र आंदोलन होगा। इस अवसर अर्जुन रजवार, मुखिया प्रतिनिधि गोवर्धन शेखर, सुर्यकांत रजवार,नाजीर अंसारी, सुभाष चंद्र महतो, राजाराम महतो, नंदलाल महतो, दिनेश कालिंदी, बाबूचांद महतो के अलावा सैकड़ो रैयत ग्रामिण एवं पार्टी कार्यकताओं उपस्थित थे।

छात्रों ने मां सरस्वती की प्रतिमा का किया विसर्जन

बोकारो : विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजा अर्चना करने के बाद हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उसके बाद रानी पोखर स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने आरती पूजन करने के बाद मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन बुधवार को बगल में स्थित तालाब में विधिवत कर दिया गया। इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार बिंदु सिंह, गीता कुमारी, साक्षी कुमारी, माधुरी कुमारी, वीणा कुमारी, अनु सिंह, विश्वजीत कुमार, रोहित पांडे समेत अन्य शिक्षक शामिल रहे।

रे एजुकेशन सेंटर में हूई कन्या पूजन

बोकारो : सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर मंगलवार को रे एजुकेशन सेंटर सिवान मोड़ पर कन्या पूजन किया गया इसके पूर्व मां सरस्वती की विधिवत पूजा अर्चना की गई। केंद्र के छात्र-छात्राओं ने भी मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। मौके पर सेंटर के डायरेक्टर रोहित कुमार पांडे, रेनबो पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विपुल कुमार सिंह, डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार समेत अन्य शिक्षक शामिल रहे।

बोकारो इस्पात प्रबंधन से आश्रितों ने की नियोजन की मांग

बोकारो : मृत कर्मचारी आश्रित संघ का साप्ताहिक बैठक आज टूटन गार्डन में की गई। बैठक की अध्यक्षता सनी देओल एवं संचालन शकील अहमद ने की संघ के अस्तित्व ने प्रबंधन से मांग की गई। वरीय अधिकारियों के बताए हुए रास्ते पर चलकर संघ हर संभव कोशिश कर रही है जितने भी 28 वर्ष पर कर चुके आश्रितों को बोकारो इस्पात प्रबंधन सूची के आधार पर एक मुश्त सभी को संयंत्र के अंदर आश्रितों का जो ट्रेड है उसके अनुसार जल्द से जल्द नियोजित किया जाए। विगत कई वर्षों से प्रबंधन आश्रितों को रोककर सभी आश्रितों के साथ अन्याय किया गया जिससे आश्रित परिवारों की दुर्दशा काफी खराब हो चुकी है। अब तो कुछ परिवारों में भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है तो कुछ परिवार वालों ने अपने पिता के साथ ही डी ऐ, बेसिक भी गवा चुके हैं। अब सिर्फ आश्रितों के पास इस्पात प्रबंधन के द्वारा दिया गया प्रशिक्षण एवं कुशल कामगार अप्रेंटिस सर्टिफिकेट जिसके आधार पर हम सभी आश्रितों को बोकारो इस्पात संयंत्र के कुशल श्रमिक बनाकर नियोजित करना था।

ब्रह्मर्षि परिवार ने वार्षिक मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की बैठक सेक्टर चार में सहभोज समिति के संयोजक नरेंद्र जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई कइस बैठक में दिनांक 09-02-2025 रविवार को सिटी पार्क बोकारो के वनभोज स्थल पर होने वाले वार्षिक परिवार मिलन समारोह सह,वनभोज कार्यक्रम की समीक्षा की गई' अधिक से अधिक घरों से संपर्क कर,उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आग्रह करने के लिए सभी सेक्टर,मोहल्ले के लिए संपर्क प्रमुख नामित किया गया क सेक्टर 12के लिए सियाराम शर्मा, सेक्टर 2 के लिए अनिल कुमार, सेक्टर 3 के लिये सुधीर कुमार, सेक्टर 4 के लिये पियूष कुमार राय, सेक्टर 5 और 6के लिए प्रमोद कुमार और नरेंद्र कुमार, वहीं सेक्टर 8के लिए गोरे लाल और सरोज पांडेय, 9 के लिए श्याम मनोहर सिंह, सेक्टर 11 के लिए ए के शर्मा, चास की जिम्मेवारी अनुरंजन शर्मा, बाल कृष्ण मुरारी, चिरा चास का राधेश्याम सिन्हा, चंद्रपुरा, दुगधा के लिए सुरेश राय को संपर्क प्रमुख बनाया गया ,बालिडीह के लिए दीपक मिश्रा को भी संपर्क प्रमुख बनाया गया कइस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चतरा सांसद कालीचरण सिंह होंगे । इस अवसर पर कमलेश राय,प्रेम कुमार, श्याम मनोहर सिंह, शोक सिंह, दिनेश सिंह ,ओम प्रकाश राय, शंकर कुमार सिंह, देवनारायण सुधांशु आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के महामंत्री आशनी का प्रतिनिधियों ने किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बुधवार को सिजुआ एरिया पांच में श्रमिकों से जुड़े मांगो को राष्ट्रीय जनता कामगार संघ ने वार्ता की ।संघ के महामंत्री आसनी सिंह ने कहा कि हमारा मजदूरों से पुराना रिश्ता है इस पर बी सी सी एल प्रबंधन को चेताते हुए कहा कि कोयला मजदूरो व असंगठित मजदूरो का शोषण करना बंद करे,नही तो प्रबंधन के खिलाफ राष्ट्रीय जनता कामगार संघ कंपनी का चक्का जाम करने का बाध्य होगे। सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ताओ ने जोरदार पटाखा फोड़ व फुल माला पहनाकर स्वागत किया। प्रबंधन ने संघ द्वारा दिये गए मांगो पर सकारात्मक पहल करते हुये जल्द निदान करने की बात कहा। आसानी सिंह व पूर्व मेयर इंदु देवी का जोरदार स्वागत कोल माइंस वर्कर यूनियन के महामंत्री भोला सिंह के संघ के पदाधिकारियों के साथ स्वागत किया। मौके पर पूर्व मेयर इंदु सिंह, संजीव तिवारी, आशीष भानु, आलोक वर्मा, बिमलेश कुमार, लक्ष्मण कुमार पासवान, सुधीर चौहान, सुरेंद्र चौहान,जयराम यादव, सत्येन्द्र यादव,देवेंद्र पांडेय, नागेंद्र सिंह, रामप्रवेश पासवान, कन्हैया निषाद, संजय नोनिया, चंदन चौहान, रविन्द्र मल्लाह, पिंटू शर्मा, राजा खान, अनिल सिंह, भोला सिंह, कामता चौहान, यदुनंदन चौहान, रामा आशीष चौहान,अमर निषाद, संजय निषाद, जय कुमार निषाद, विजय महतो, संजय हाड़ी व सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा ने केन्द्रीय बजट के खिलाफ वित्त मंत्री का किया पुतला दहन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा , बोकारो की ओर से केन्द्रीय बजट के खिलाफ नया मोड़ बिरसा चौक पर केन्द्रीय वित्त मंत्री का पुतला दहन किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि संसद में वित्तमंत्री द्वारा पेश किए गए यूनियन बजट में उसी नुस्खे का इस्तेमाल किया गया है, जो वर्ष दर वर्ष से होता आ रहा है। भारत के दुनिया की सबसे तेजी से से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने और वर्ष 2027 तक इसके इसके 5 ट्रिलियन डालर बन जाने की अर्थव्यवस्था बन जाने की बड़ी-बड़ी बातों के बावजूद जमीनी सच्चाई इससे पूरी तरह अलग है। बढती बेरोजगारी, अनाज समेत खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें, बेहद कम निजी निवेश, उपभोग खर्च में गतिरोध, छोटे खुदरा कर्जों के न चुकता होने की बढ़ती संख्या और विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट-ये सभी सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते हो रहे हैं। वित्तमंत्री ने अपने भाषण में देश में जारी आर्थिक मंदी के मुख्य कारण अर्थव्यवस्था में मांग की कमी से निपटने का कोई जिक्र नहीं किया है। बीमा क्षेत्र में एफडीआई एक सौ प्रतिशत लाए जाने का प्रस्ताव सरकारी बीमा कंपनियों को जिनका देश की अर्थव्यवस्था में काफी बड़ा योगदान है बीमा क्षेत्र को पूरी तरह विदेशी दिवालिया बीमा कंपनियों और कार्पोरेट घरानों के हाथों सौंपने की तैयारी है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में रुपए की गिरती हालत पर कुछ नहीं कहा है जो आज एक डालर के मुकाबले 86 रु हो गया है यह स्थिति पहले से ही जारी सारी मौजूदा समस्याओं को और बढ़ा देगी। आज केंद्र सरकार को यह समझ में नहीं आ रहा है कि इस लगातार बढ़ते संकट से कैसे निपटे, जिसमें आय कम है, लागतें बढ़ रही है और रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहें हैं तथा आम लोगों पर बोझ निरंतर बढ़ता जा रहा है। आज के सभा की अध्यक्षता मोहन चौधरी व संचालन आर के गोराई ने किया। सभा को एटक के रामाश्रय प्रसाद सिंह,आई डी प्रसाद, सीटू के के एन सिंह,आर एन सिंह,एक्टू के देवदीप सिंह दिवाकर, जे एन सिंह, एआईयूटीयूसी के कुमुद महतो, एचएमएस के आर के वर्मा ने संबोधित किया।

केंद्र के बजट के प्रस्ताव व लेबर कोड लागू करने के विरोध में हुआ प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बुधवार को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक धरना स्थल पर 10 केंद्रीय श्रम संगठन ने संयुक्त रूप से भारत सरकार के बजट के प्रस्ताव एवं केंद्र सरकार द्वारा लेबर कोड लागू करने के विरोध में जोरदार धरना- प्रदर्शन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सभी ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष मंडली ने किया धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए इंटक के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि यदि केंद्र सरकार द्वारा मजदूर विरोधी लेबर कोड श्रम संहिताओ के कार्योनवयन अधिसूचित किया जाता है तो पूरे देश में मजदूर एवं ट्रेड यूनियनों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, श्रम संहिताओं की प्रतिया जलाकर,आंदोलन प्रदर्शन की एक श्रृंखला शुरू की जाएगी, जिसका समापन एक राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के रूप में होगा केंद्र सरकार को महंगाई पर नियंत्रण के लिए कदम, जीएसटी और उत्पाद शुल्क में कमी, शहरी क्षेत्र में रोजगार गारंटी योजना को लागू करना, सार्वजनिक संगठनों के निजीकरण और राष्ट्रीय संसाधन की लूट को रोकना, खेत मजदूर, ठेका मजदूर, गिग वर्कर्स, स्कीम वर्कर्स क्षेत्र के श्रमिकों को राहत एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहिए इस धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से एके झा, मानस चटर्जी, अर्जुन सिंह, हरि प्रसाद पप्पू, एसएस डे, रामप्रीत यादव, शकील अहमद, वैभव सिन्हा, अशोक साव, सपन बनर्जी, संतोष महतो, लगन देव यादव, सुरेश तांती, सुरेंद्र यादव, माधो सिंह, महेंद्र प्रसाद सिंह, चंद्रदेव यादव, कयूम खान का प्रमुख योगदान रहा।

जिस प्रकार एक मां अपने गर्भ में संतान को सींचती है, उसी प्रकार एक विद्यालय अपने विद्यार्थियों को सींचता है : प्राचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो में कक्षा बारहवीं के लिए विदाई सह आर्शिवचन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुरूआत स्वामिनी संयूक्तानंद सरस्वती, अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सुरज शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्जवलीत कर किया गया। विद्यालय के उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने सभी का स्वागत किया। कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों ने कभी अलविदा ना कहना, जिंदगी एक सफर है सुहाना, जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है, जैसे मधुर गीतों की प्रस्तुति से अपने सीनियर्स की आंखें नम कर दीं। मुख्य अतिथि के तौर पर चिन्मय मिशन कि आवासीय आचार्या स्वामिनी सम्युक्तानंद सरस्वती एवं गणमान्य अतिथि के तौर पर विद्यालय के अध्यक्ष एवं सी.सी.एम.टी के क्षेत्रीय निदेशक बिस्वरूप मुखोपाध्याय, विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर.एन.मल्लिक, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने छात्रों को आशीर्वाद दिया। चिन्मय मिशन कि आवासीय आचार्या स्वामिनी सम्युक्तानंद सरस्वती ने संबोधित करते हुए कहा कि, जिस प्रकार एक मां अपने गर्भ में संतान को सींचती है उसी प्रकार एक विद्यालय अपने विद्यार्थियों को सींचता है। हमें आशा है कि विद्यालय से प्राप्त धैर्यवान, सहनशील व क्षम्यवान बनने के गुण विद्यार्थी आजीवन अमल में लाएंगे। प्राचार्य सूरज शर्मा ने बच्चे के इस भावुक क्षण को बड़े ही सरल भाव में समझाते हुए कहा कि विद्यालयी जीवन सबसे महत्वपूर्ण दौर में से एक होता है। यहां से निकलने के बाद आपको अपने निर्णय स्वयं लेने होंगे और उसके प्रतिफल के जिम्मेदार भी केवल आप होंगे। इसलिए अपना हर निश्चय ईमानदारी से पूरा करें। हमें यह प्रयास करना चाहिए कि समाज से हमें जितना मिला है हम सच्ची श्रद्धा और समर्पण के साथ देश की मिट्टी को उससे कई ज्यादा लौटाएं, यही हमारी विद्या का असल मूल है। ग्यारहवीं के छात्र छात्राओ के द्वारा गणेश वंदना नृत्य प्रस्तुत किया गया। उसके बाद अपने-अपने मधुर गीतों से कार्यक्रम में समा बाँध दिया। ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओ ने अपने सीनियर के लिए कई संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आशीर्वाचन सह विदाई समारोह कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, गायन व नृत्य प्रस्तुत कर अपने सीनियर का स्वागत किया। 12वीं कक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं को विषयवार, ऑल राउण्ड, संगीत, खेलकुद एवं छात्र-सदन में विषेश योगदान के लिए 268 छात्र-छात्राओं को पदक एवं प्रशस्त्री पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

गेस्ट हाउस में त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की हुई बैठक

धनबाद : बरोरा क्षेत्र के गेस्ट हाउस में त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक 2024 का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता एन पी देवरी, डीएमएस ने की, जिसमें डीजीएमएस के अधिकारी अनिल दास डीएमएस, मो. जावेद आलम डीडीएमएस, डॉ कौशिक सेनगुप्ता डीडीएमएस, रुपेस सिंह मेहता डीडीएमएस एवं तेजावत नरेश डीडीएमएस, पीयूष किशोर महाप्रबंधक बरोरा क्षेत्र, सुरक्षा बोर्ड के नोडल इंचार्ज आर के तिवारी, यूनियन प्रतिनिधि, बरोरा क्षेत्र सुरक्षा समिति के अन्य सदस्य, बरोरा क्षेत्र के पदाधिकारी जी के मेहता एजीएम, काजल सरकार परियोजना पदाधिकारी एम पी सी, पी एस के सिन्हा परियोजना पदाधिकारी दामोदा कोलियरी, मनोज कुमार, शशांक शेखर, अभिषेक रस्तोगी एवं अन्य विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में खदानों में सुरक्षा स्तर को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। यूनियन प्रतिनिधियों और डीजीएमएस अधिकारियों ने विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जो बरोरा क्षेत्र की खदानों में सुरक्षा के स्तर को सुदृढ़ करने में मदद करेंगे। इस अवसर पर श्रमिकों की सुरक्षा, आधुनिक सुरक्षा उपायों का कार्यान्वयन और खदानों में कार्यस्थल की परिस्थितियों को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

बाघमारा क्षेत्र की जन समस्याओं को दूर करने की जरूरत है : हलधर महतो

धनबाद : भाकपा-माले कतरास कार्यालय में कार्तिक महतो के अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें 9 फरवरी 2025 को कतरास अंचल कमेटी सम्मेलन की तैयारी को लेकर चर्चा किया गया। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए तैयारी समिति बनाया गयी। जिसमें कार्तिक महतो, सुनील महतो, ठाकुर महतो, भीम महतो, कपूर कुम्हार, टिंकू कुम्हार, शिवा कुम्हार, बजरंगी कुम्हार, शंकर कुम्हार, चंदन महतो, साहबराम टुडु, बबलू बबलू गंजु, परदेसी चौहान, रॉबिन महतो, लखनदर पासवान, छोटू पासी, बिहार कुंभकार, प्रकाश कुंभकार महेंद्र कुंभकार व स्वागत अध्यक्ष कार्तिक महतो को चुना गया। बैठक में माले के पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि बाघमारा क्षेत्र की जन समस्याओं को निदान हेतु संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। महंगाई, बेरोजगारी, विस्थापन भ्रष्टाचार, आउटसोर्सिंग कंपनी का मनमानी बाघमारा में चरम सीमा में पहुंच गई है। इन समस्याओं का निदान हेतु भाकपा-माले ही विकल्प है। इसलिए 9 फरवरी लिलोरी मंदिर कतरास में होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन की मजबूती जनमुद्दों को लेकर लेकर आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एसपी को ज्ञापन देकर यातायात व्यवस्था को सुधारने की मांग की

बोकारो : चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल के साथ मनोज स्वर्गियारी आरक्षी अधीक्षक बोकारो के कार्यालय में यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के संबंध में एक बैठक हुई। अध्यक्ष मनोज चौधरी ने आरक्षी अधीक्षक बोकारो को चास बोकारो के यातायात व्यवस्था के बारे में बताया कि मुख्य सड़क पर खड़े रहने वाले बड़े व्यावसायिक वाहनों से दुर्घटना की समस्या बनी रहती है। इसपर अंकुश लगाया जाए। व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा मंगाए जाने वाले माल की आपूर्ति करने वाले वाहनों पर दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। चास में पार्किंग क्षेत्र चिह्नित कर उसे विकसित किया जाना चाहिए। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि छोटे व्यावसायिक वाहनों के पड़ाव सुनिश्चित किए जाए। रोड क्रॉसिंग के नेक पॉइंट पर छोटे व्यावसायिक वाहनों के पड़ाव नहीं होने चाहिए। नगर निगम द्वारा बनाए गए सब्जी मार्केट में रोड पर लग रही दुकानों को मार्केट के अंदर व्यवस्थित किया जाए। बाईपास रोड में लगी रेलिंग में छोड़े गए खाली जगह को बंद करवाया जाए ताकि मोटरसाइकिल उसे ना निकल सके इससे भी कभी-कभी जाम लग जाता है एवं दुर्घटनाएं भी हो जाती है सिटी सेंटर बोकारो का हृदय स्थल है यहां पर बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने हेतु आते हैं परंतु अस्त-व्यस्त यातायात व्यवस्था के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है एवं बाजार क्षेत्र में जाम की स्थिति बनी रहती है नया मोड़ बस स्टैंड के अंदर ही बसों का पड़ाव सुनिश्चित किया जाए। अधिकतर यात्री वाहन मुख्य सड़क पर ही खड़ी होकर सवारियां उठाती है। जनवृत 12 मोड, नया मोड़, सिटी सेंटर 4 मोड आदि पर पड़ाव चिन्हित कर छोटे व्यावसायिक वाहनों का ठहराव वहीं पर किया जाए। अभी अधिकतर वाहन मुख्य सड़क पर ही खड़ी कर सवारिया उठाते हैं। महामंत्री ने बेरमो क्षेत्र के मुख्य बाजार में अव्यवस्थित यातायात के कारण यातायात बाधित बना रहता है।

ब्लास्ट फर्नेस के सैकड़ों मजदूरों ने ली झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता

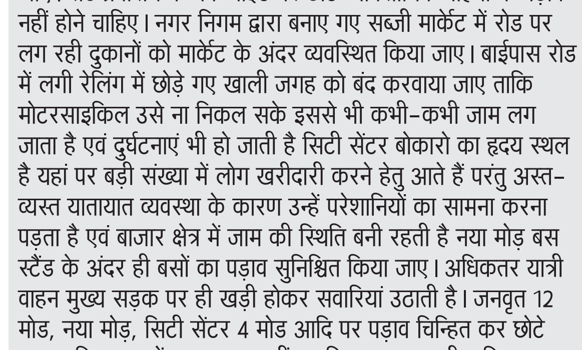

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज द्वारा प्लांट मे चलाए जा रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा का सदस्यता अभियान कार्यक्रम के तहत आज नौवें दिन ब्लास्ट फर्नेस मे चलाया गया। जिसमे बिभाग मे कार्यरत इस्पातकर्मी एवं ठेकाकमीर्यो ने सेकडो की संख्या मे काफी उत्साह के साथ पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया। यह अभियान नगर प्रशासन बिभाग से प्लांट तक आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम मे झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ,ब्लास्ट फर्नेस मे युनियन नेता रमा रवानी,संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, संयुक्त महामंत्री एस के सिंह, आई अहमद, मुमताज अंन्सारी,सुरेन्द्र कुमार शर्मा इत्यादि उपस्थित था ।

एक नजर

यौन शौषण का आरोपी गिरफ्तार

लोहरदगा : जिले के कुडू थाना क्षेत्र की रहने वालीं एक महिला ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर पांच सालों से यौन शौषण करने तथा शादी से इंकार करने के बाद महिला के बयान पर कुडू थाना में बुधवार को मामला दर्ज करते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लोहरदगा जेल भेज दिया है। पुलिस ने महिला का मेडिकल चेकअप कराया, पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपित युवक पहले प्रेम जाल में फंसाया इसके बाद शादी करने की बात कहते हुए यौन संबंध बनाया। यौन संबंध के बाद महिला ने आरोपित युवक को शादी करने की बात कहा तो आरोपित ने एक - दो माह बाद शादी करने की बात कहते हुए बात को टाल दिया। शादी करने की बात कहते हुए आरोपित ने महिला का लगातार यौन शौषण किया।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

सरिया(गिरिडीह) : पूर्व-मध्य रेलवे हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के करीब किलोमीटर संख्या 346/13-14 के पास ट्रेन की चपेट में आने से लगभग 65 वर्ष उम्र के एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम लगभग 7:00 बजे की है। उक्त व्यक्ति के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिलते ही आरपीएफ हजारीबाग रोड वहां पहुंचे। वहीं इसकी जानकारी सरिया थाना को दी गई। इस संबंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार महतो ने बताया कि पुलिस के द्वारा शव को कब्जे में कर अंत्य परीक्षण हेतु गिरिडीह भेज दिया गया है। बताया कि उक्त शव की सिनाख्ति नहीं हो पाई है।

पत्नी ने की पति की हत्या, गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढवा जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आयी है। भंडरिया इलाके में पांच बच्चों की मां ने प्यार की खातिर अपने पति की हत्या कर दी। इस घटना में उसका प्रेमी भी शामिल था। दो दिन बाद मृतक का शव जंगल से बरामद किया गया। महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना की चर्चा पूरे गांव में है। मिली जानकारी के अनुसार दो दिनों से गायब भंडरिया मुख्यालय के टेनटांड़ निवासी बिगन कोरवा उर्फ बिगन देवार का शव पुलिस ने बुधवार को बरामद किया। जुरमा जंगल में झाड़ियों में छुपाकर शव रखा गया था। शव पर धारदार हथियार के जख्म के निशान मिले हैं। ऐसे में पुलिस ने इसे हत्या मानते हुए इसकी गुत्थी भी सुलझा ली। शव को भंडरिया थाना लाकर पोस्टमार्टम के लिये गढ़वा भेज दिया गया। इस हत्याकांड में शामिल मृतक की पत्नी तेतरी देवी और उसका प्रेमी संतोष कोरवा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी और संतोष के बीच कई वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी जानकारी गांव वालों को भी थी। इसी बीच तेतरी और उसका प्रेमी संतोष कोरवा गांव के बगल स्थित जंगल में लकड़ी लेने गये थे। जानकारी मिलने पर बिगन कोरवा अपनी पत्नी को देखने चला गया। जंगल में संतोष कोरवा के साथ पत्नी को देखकर दोनों के बीच लड़ाई होने लगी। इसी बीच मौका देखकर उसकी पत्नी और प्रेमी ने मृतक बिगन के सिर पर धारदार टांगी से मार दिया। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। मौत के बाद प्रेमी-प्रेमिका शव को छोड़कर वापस लौट गये। दूसरे दिन दोबारा जंगल जाकर शव को झाड़ी में छुपा दिया। दरअसल, दो दिनों से बिगन के गायब रहने की स्थिति में ग्रामीणों ने शक के आधार पर जंगल में इसकी खोजबीन शुरू की तो एक जगह पर खून के निशान और झाड़ी के दबे होने की जानकारी मिली। ऐसे में वापस लौटकर ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी एवं संतोष कोरवा से कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उक्त दोनों ने बिगन की हत्या किये जाने की बात स्वीकार की। पुलिस को इसकी जानकारी दी गयी। ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने मौके से शव को बरामद किया। भंडरिया थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह ने कहा कि प्रेम प्रसंग में बिगन की हत्या हुई। दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी। बताया कि अभी तक मृतक के परिजनों की ओर से कोई आवेदन नहीं मिला है।

विधायक ने रिंची हॉस्पिटल के डॉक्टर एवं प्रबंधन के साथ की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : 5 फरवरी को सिल्ली विधानसभा के जूझारू लोकप्रिय विधायक अमित कुमार महतो ने जोन्हा के रिंची मेसो होस्पीटल के डॉक्टरों एवं प्रबन्धन के साथ समीक्षा बैठक कर वर्तमान का लचर स्वस्थय व्यवस्था पर प्रबंधक को फटकार लगाते हुए तीन दिन के अन्दर व्यवस्था में सुधार लाने को कहा। डॉक्टरों के समय सारिणी रोस्टर लिस्ट, सभी नर्स एवं स्टॉप लिष्ट, उपलब्ध दवा का स्टोक लिष्ट, 724 एम्बुलेंस की उपलब्धता इत्यादि। कार्यक्रम में विरासत समिति जोन्हा के पदाधिकारी एवं सदस्य और झामुमो कार्यकर्ता के अलावे क्षेत्र के ग्रामीण महिला पुरूष और अनगड़ा स्वस्थय केन्द्र की प्रभारी डॉक्टर, जोन्हा उप स्वस्थय केन्द्र के डॉक्टर एवं पंचायत स्तरीय स्वस्थय प्रभारी उपस्थित हुए।

खाद्य सुरक्षा और कोप्टा एक्ट अधिनियम के तहत हुई छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और कोप्टा एक्ट 2003 के तहत लव कुमार के नेतृत्व में सघन छापेमारी की गई। इस दौरान गुटका, सिगरेट, खैनी और अन्य खाद्य सामग्री के साथ-साथ उनकी समाप्ति तिथि की जांच की गई। छापेमारी के दौरान कई दुकानदारों में हड़कंप मच गया।लव कुमार ने बताया कि चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र में ऐसे छापे लगातार जारी रहेंगे और जिन दुकानदारों का लाइसेंस नहीं बना है, उन्हें इसे जल्दी बनवाने के लिए कहा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दुकानदार सरकार के गाइडलाइन का पालन नहीं करेंगे, तो उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान के तहत विभिन्न दुकानों से कई खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, जिनमें भारत बेकरी से केक और रोल, नीरज जेनरल स्टोर से मेरी गोल्ड बिस्कुट, दीपक स्टोर से करमचंद गुटखा, अजित जेनरल स्टोर से राजश्री गुटखा, और पवन स्टोर से धनिया पाउडर शामिल हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए राँची भेजा गया।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला विश्वविद्यालय में ईस्ट जोन चेस चैंपियनशिप का हुआ आयोजन

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय की मेजबानी में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा आयोजित ईस्ट जोन चेस चैंपियनशिप (पुरुष) के दूसरे दिन के मुकाबलों के तीन चक्रों के बाद कलकत्ता, जादवपुर और एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय के प्रतिभागी आगे चल रहे हैं। आज हुए मुकाबलों में कलकत्ता विवि ने पटना विवि, जादवपुर विवि ने एसओए को और बीएचयू ने उत्कल विवि को मात दी। एलएन मिथिला विश्वविद्यालय और कीट के बीच हुआ मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस दौरान एआईयू के ऑब्जर्वर डॉ. एन. आर. राजकुमार, चीफ आर्बिटर असित वरन चौधरी, डॉ. नीलिमा पाठक, एस. डांडीन, प्रवीण कुमार, आयोजन समिति के सचिव सुभाष शाहदेव एवं सह संयोजक राहुल रंजन भी उपस्थित रहे। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है।

मोहन शहीस ने जीता बेस्ट कोरियोग्राफर का अवार्ड

सिल्ली : मुरी 3 फरवरी को भोपाल में स्वामैक फिल्म प्रोडक्शन आयोजित आईडीपी आईकॉनिक कोरियोग्राफर अवार्ड मोहन सहीस ने जीतकर झारखंड का नाम रोशन किया। मोहन कि या विजय सिर्फ मोहन की नहीं बल्कि हमारे पूरे प्रदेश की है मुरी ओर सिल्ली की है। भारत के टॉप कोरियोग्राफर में नाम शामिल होना हमारे मुरी से एक छोटे से शहर के लिए बहुत बड़ी बात है। एक छोटे से शहर सिल्ली मुरी से निकलकर यह मुकाम पाना गौरव की बात है। बहुत ही गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाला मोहन सहीश सिल्ली मुरी सहित पूरा झारखंड का नाम रोशन किया है। इस खुशी में मोहन सहिश के इस विजय के आगमन में 6 फरवरी को, 9 बजे मुरी स्टेशन से लेकर सिल्ली ग्राम विकाश तक पैदल एवं वाहन से बधाई एवं विजेता के सम्मान के लिए मोहन के साथ, मुरी से सिल्ली के और रवाना होंगे। आप सभी स्कूल एवं मीडिया बंधुओं से निवेदन है कि आप सभी अपना मूल्यवान समय देकर मोहन का हौसला बढ़ाए।

मुरी-गोला पथ चौड़ीकरण में ठेकेदार के द्वारा बिना अनुमति काटा जा रहा पेड़

सिल्ली : मुरी गोला पथ का चौडी करण जोरो पर किया जा रहा है चौडी करण में जितने पेड़ लगे हुए हैं उनका जेसीबी के द्वारा काट दिया जा रहा है वही ग्रामीणों का कहना है कि चौड़ीकरण किस कंपनी के द्वारा किया जा रहा है किसी को पता तक नहीं है जो भी ठेकेदार हैं वह अपना मनमानी चौडी करण में करते हुए नजर आते हैं बड़े-बड़े पेड़ बिना वन विभाग का अनुमति लिए हुए जोरो पर कटाई जेसीबी के द्वारा करते हुए ठेकेदार के वर्कर नजर आते हैं। ग्रामीण अपने पेड़ों को बचाने के लिए परेशान है वही ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार किसी का बात नहीं सुनता है पेड़ की कटाई करने के बाद ऊंची कीमतों में पेड़ को बेच दिया जा रहा है। वही इस संबंध में अंचला अधिकारी अरुणिमा एक्का से पूछने पर उन्होंने कहा कि बिना अनुमति का पेड़ का कटाई करना गलत है अगर ठेकेदार के द्वारा अनुमति नहीं लिया होगा तो उनके ऊपर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कुत्ते को बचाने में पलटा टेम्पो, महिला की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र अंतर्गत पाटन-पंडवा मुख्य मार्ग स्थित उताकी मोड़ पर कुत्ते को बचाने में एक टेम्पो पलट गया, जिससे उस पर सवार चैनपुर के सलतुआ की रहने वाली कुंती कुंवर (60) की मौत हो गयी। राजकुमार सिंह जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना बुधवार दोपहर 12 बजे के आस पास हुई। जानकारी के अनुसार मृत महिला कुंती कुंवर चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुआ की रहने वाली थी। वह पाटन थाना क्षेत्र के उताकी अपनी मंझली बेटी के घर से गांव वापस लौट रही थी। इस दौरान अचानक बीच रास्त में कुत्ता दौड़ गया, जिसे बचाने के क्रम में चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और टेम्पो पलट गया। टेम्पो में तीन-चार की संख्या में सवारी थी, लेकिन सबसे ज्यादा चोट कुंती एवं राजकुमार को लगी। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने आनन फानन में महिला कुंती कुंवर और घायल राजकुमार सिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें मेदिनीनगर एमआरएमसीएच रेफर किया गया। घायल राजकुमार के बारे में पता चला है कि वह उताकी गांव में स्थित अपने भांजा अवधेश सिंह के घर आये थे। वहां से लौटने के क्रम में ये हादसा हुआ।

जघन्य अपराध के लिए कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान : सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : लोहरदगा के बीएस कॉलेज में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के जरिये बुधवार को विधिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीएलएसए सचिव राजेश कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता मोमिना खातून, शशि गुप्ता प्रभारी प्राचार्य बीएस कॉलेज, पीएलवी गौतम लेनिन और पीएलवी नेहमंती मिंज शामिल हुए। इस मौके पर डीएलएसए सचिव राजेश कुमार ने कहा की जघन्य अपराध के लिए कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान है। एक जुलाई से लागू नया कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो चुका है। इसके बाद कानून में जीरो एफआईआर, ई एफआईआर प्रभावी रुप से लागू हो चुका है। कुमार ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार तीन लाख रूपए से कम आय वालों को क्रिमिनल या फिर सिविल मामले में निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने का काम करता है। डीएलएसए सचिव राजेश कुमार ने कहा कि कानून की जानकारी होना हमें बहुत जरुरी है। क्योंकि कानून की जानकारी के अभाव में यह पता नहीं चल पाता है कि किसी मामले में क्या लिगल लाभ हमें मिल सकता है। साथ ही इन्होंने कहा की शादी विवाह के दौरान जबरन ली जानी वाली चीजें दहेज के अधीन आती है। ऐसे मामलों पर कानूनी सहायता लेने के लिए आगे आना चाहिए। दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद पॉक्सो एक्ट को स्वरुप देते हुए लागू किया गया। जिसमें 18 साल से कम उम्र के बच्चें बच्चियों में से किसी एक के साथ किसी भी प्रकार का लैंगिक अपराध किया जाता है तो कोर्ट मामले की गंभीरता को देखते हुए कड़े फैसले सुना सकती है। डीएलएसए सचिव ने बीएस कॉलेज के विधार्थियों को जेंडर न्यूट्रल लॉ के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही इन्होंने हिंट एंड रन के मामलों को विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा की घटना की सूचना और सहयोग करने वाले लोगों को सरकार के द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। घायल को अस्पताल पहुंचाने पर इनाम के तौर पर पांच हजार रुपए देने का भी प्रावधान है। साथ ही घटना में पीड़ित पक्ष को भी कानूनी सहायता और मुआवजा देने का प्रावधान है। साथ ही छात्र-छात्राओं को डिजिटल अरेस्ट होने और इससे बचने की जानकारी दी गई। इस मौके पर बीएस कॉलेज के शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थी।

कार्यालय अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग

–:आम सूचना:–

एतत् द्वारा सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि खासमहाल लीज भूमि के लीज नवीकरण/नामान्तरण हेतु झारखण्ड सरकार के विभागीय परिपत्रांक 5727/रा0, दिनांक 30.11.2017 के आलोक में वंशावली प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। उक्त परिपत्रांक के आलोक में निम्न लीजधारियों का वंशावली प्रमाण पत्र अंचल अधिकारी, सदर के कार्यालय से प्राप्त है।

अंचल अधिकारी, सदर द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि उक्त वंशावली प्रमाण पत्र विहित प्रक्रिया का पालन करते हुए निर्गत किया गया है, लेकिन खासमहाल की लीज भूमि के लीज नवीकरण/नामान्तरण हेतु उक्त वंशावली प्रमाण पत्र का सत्यापन अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग के स्तर से कराना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः उक्त के आलोक में खासमहाल भूमि के लीज नवीकरण/नामान्तरण हेतु प्रेस–विज्ञप्ति के माध्यम से वंशावली की आम सूचना प्रकाशित की जा रही है। यदि उक्त वंशावली के संबंध में किसी भी आम एवं खास को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सूचना प्रकाशन के पन्द्रह दिनों के अन्दर साक्ष्यों के साथ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में समर्पित करना सुनिश्चित करें। सूचना प्रकाशन के पंद्रह दिनों बाद कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगा।

स्व0 शांति सिंह/स्व0 नर्वदेश्वर प्रसाद सिंह
- स्व0 सुमित कुमार सिंह
  - विक्रम सिंह
  - सुभम सिंह
- विनित कुमार सिंह
- गीता सिंह
- अमिता सिंह

अनुमण्डल पदाधिकारी
सदर, हजारीबाग।

PR 345844 District(24-25)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department , Road Division Ranchi.

Very Short Notice- Inviting e-quotation Invitation Notice
Notice No. RCD/Ranchi-01/2024-25

Quotations are invited for "Cast in situ pile of 2.00 m dia boring work as per below details, at Different ROB projects in Ranchi district in the state of Jharkhand."
All charges for executing "bored cast-in-situ M35 grade R.C.C. Pile excluding Reinforcement complete as per Drawing and Technical Specifications and removal of excavated earth with all lifts and lead upto 2000 m. (Piling rig of Bauer BG40 or of equivalent capacity inclusive of mobilization & demobilization of resources, Internal shifting of resource, fuels & lubricants, operator, all accessories tools, tackles, polymer, consumables and workmen)"
Quotatioers should quote their rates for unit mentioned in the table. The quotationer may quote rate for the item/work concerned. The rates should be exclusive of GST and Labour Cess.
1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration certificate.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.
4. Quotationer may quote rate for all the Works/Items / any Items for which they are concerned.
5. The quotationer shall quote latest and authentic rate which shall reflect market rate.
6. The quotationer must submit complete rate analysis of all E-quoted items/Work duly signed by the quotationer.
7. The quotationer should have necessary Portal enrolment with their own digital signature Certificate.
8. For any query or clarification you may Contact Executive Engineer RCD, Road Division, Ranchi.
   Detail requirement for qualifying quotationer and experience can be seen in terms and conditions on jharkhandtenders.gov.in.

नोट :–
(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि– 06.02.2025 के अपराह्न 10:00 बजे।
(2) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की तिथि– 13.02.2025 के अपराह्न 12:00 बजे।
(3) ई–कोटेशन खोलने की तिथि– 14.02.2025 के अपराह्न 12:30 बजे।
(4) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।
(5) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 :– 0651–2361018
(6) ई–कोटेशन खोलने का स्थान :– मुख्य अभियंता(या0), पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, राँची।
विस्तृत जानकारी के लिए बेवसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Address for Communication :-
Executive Engineer
Road Construction Department, Road Division, Ranchi.
Near State Guest House, Mohrabadi, Ranchi-834008.
e- mail ID –eercdranchi-jhr@nic.in, eercdranchi.jhr@gmail.com

PR 345813 Road Construction Dept Road Division Ranchi(24-25).D

Executive Engineer
RCD, Road Division, Ranchi.

जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने में करें सहयोग : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन,कार्यक्रम से संबंधित बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम 10 फरवरी 2025 से 25 फरवरी 2025 तक चलाया जाना है। फाइलेरिया एक वेक्टरजनित रोग है जो क्यूलेक्स मच्छर के काटने से पनपता है।इससे व्यक्ति के हाथी पाँव हो जाते हैं, पुरुषों में हाइड्रॉसील के रूप में ,महिलाओं के चेस्ट में भी लक्षण दिखाई पड़ते हैं। यह हाइड्रोसिल के सिवाय लाइलाज बीमारी है। दवा द्वारा इसकी वृद्धि में रोकथाम की जा सकती है। इस कार्यक्रम के लिए जिले के चिन्हित प्रखंड, सिमडेगा, कोलेबिरा, जलडेगा और कुरडेग हैं। साथ पाकरटाण्ड, केरसई, बांसजोर प्रखंडों में भी दवाई खिलाई जायगी।वयस्क व्यक्ति को डी ई सी की 3 गोली,इभरमेकट्रीन की 3 गोली तथा एल्बेंडाजोल की 1 गोली खिलाई जाएगी। 10 फरवरी से 9 बजे पूर्वाह्न से 3 बजे अपराह्न तक सभी 730 केन्दों में खिलाई जायगी। जिसके शुभारम्भ जनप्रतिनिधि मुखिया,प्रमुख व पदाधिकारी अपने -अपने नजदीकी केंद्रों में करेंगे। बैठक के दौरान उपायुक्त महोदय ने जिले मे जिला समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत फाइलेरिया बीमारी को दूर भगाने के लिए 10 फरवरी से 25 फरवरी तक विशेष अभियान के रूप में लोगों को दवाइयां खिलाई जाएगी। इस अभियान के तहत दवाईयां खिलाने के लिये कुल 730 बूथ बनाया गया है। जिसमें सभी आंगनबाड़ी केंद्र सहित समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र व अन्य केंद्र को निर्धारित किया गया है। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी। इसके अलावा 11 फरवरी 2025 से सहिया के माध्यम से डोर टू डोर जाकर फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी। उपायुक्त महोदय ने इस कार्यक्रम को भी सफल बनाने के लिए जन-जन तक इसकी प्रचार करते हुए लोगों तक जानकारी पहुंचाने का निर्देश दिया।

विकास के आंकड़े पोर्टल में अपलोड करें : डीसी

सिमडेगा : सिमडेगा उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्कृष्ट लोक प्रशासन व विकास में प्रधानमंत्री अवार्ड के लिये बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक में उपायुक्त ने मुख्य रूप से सम्पूर्ण रूप से विकास ,आकांक्षी प्रखंडों के इंडीकेटर्स तथा नवाचार से संबंधित कार्यों के संबंध में अद्यतन करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। योजनाओं में पेयजल से हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, स्वास्थ्य विभाग से मिशन इंद्रधनुष तथा प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना,समाज कल्याण से प्रधानमंत्री मातृवन्दना योजना व सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0,नगर के प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड,तथा प्रधानमंत्री मुफ्त बिजली योजनाओं के अद्यतन आंकड़े अपलोड करने का निर्देश दिया गया। जनशिकायत तथा उनके समाधान के आंकड़ों, सीपी ग्राम के आंकड़े , उपलब्धियों, क्षमता विकास, जनजागरूकता कैम्प, विद्यालयों में शिक्षण व छीजन के आंकड़े, कौशल विकास, कृषि व अन्य, जे एस एल पी एस सहित विभिन्न विभागों के नवाचारी कार्यों को दशार्ने का निर्देश दिया गया।

राहुल गांधी की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

ललित गर्ग

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है।

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है। राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की ह्यमुंह में राम और बगल में छुरीह्ल वाली कहावत जनता के सामने बार-बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रतिपक्ष के नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के मोदी सरकार के फैसले की राहुल गांधी की अनावश्यक आलोचना को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाने का काम किया था। अब भी वह सीमा विवाद पर चीन की बातों को अहमियत देते हैं और भारत सरकार की जानकारी पर यकीन नहीं करते। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे है। यह समझ आता है कि वह घरेलू मुद्दों पर सरकार को घेरें और उसकी आलोचना करें, लेकिन कम से कम ऐसी निराधार और मनगढ़ंत बातें तो न करें, जिससे प्रधानमंत्री पद का उपहास उड़े, देश हित आहत हो।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, कितनी ही देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन राहुल एवं कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्त्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके हैं?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहुल का चीन गान

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अद्भुत नेता हैं उनके वक्तव्य में समझ और संयम को अलग कर दें तो सब कुछ होता है। संसद में राष्ट्रपति के अभी भाषण पर चर्चा के दौरान उन्होंने भरपूर आत्मविश्वास दिखाया और भरपूर आक्रामकता भी दिखाई। लेकिन उनके भाषण की विषय-वस्तु हमेशा की तरह अटपटी और अलबेली रही। उनके बारे में यह एक स्थापित तथ्य है कि भारती या विदेश में जहां कहीं मोदी या मोदी सरकार के विरुद्ध कुछ घटित होगा या कुछ बोला जाएगा या जहां से भी मोदी को कोई चुनौती मिल रही होगी, चाहे वह देश से हो या विदेश से, राहुल उसके पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। प्रायः उनके भाषण में मोदी विरोध या देश विरोध के बीच की रेखा धुंधली होती है। उन्होंने राष्ट्रपति के समूचे अभिभाषण को पुनरावृत्ति बताते हुए हर मोर्चे पर मोदी सरकार की विफलता को रेखांकित किया और अमेरिकी राष्ट्रपति ड्रोनाल्ड ट्रंप के शपथ-ग्रहण समारोह के मामले में यह आरोप भी लगाया कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कई बार अमेरिका जाकर मोदी के लिए निमंत्रण जुटाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। इस पर विदेश मंत्री ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे निहायत ही झूठा आरोप बताया और कहा कि उनकी टिप्पणी भारत की छवि खराब करने वाली है। अन्य बातों के अलावा राहुल गांधी के भाषण का एक मुख्य मुद्दा चीन और भारत की तुलना थी जिसमें चीन भारत से कई वर्ष आगे है। उन्होंने कहा कि चीन अपनी विनिर्माण क्षमता से भारत को घेर रहा है। यानी वह अपनी प्रौद्योगिकी क्षमता से भारत के बाजार पर और अपनी सैन्य क्षमता से भारत की जमीन पर कब्जा कर रहा है। चीन जैसी क्षमता हासिल करने की कोशिश न करने के लिए उन्होंने न केवल एनडीए सरकार को दोषी ठहराया बल्कि अपनी यूपीए सरकार की भी आलोचना की। अब राहुल गांधी को यह कौन समझाए कि चीन की प्रौद्योगिकी या सैन्य क्षमता हो वह उसकी राज्य व्यवस्था का परिणाम है जिसमें ना तो भारत जैसे लोकतंत्र की कोई जगह है और न अधकचरे विचारों वाले किसी नेता के लिए कोई स्थान है।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्नोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

यातायात नियमों का उल्लंघन, बेमौत मरते लोग, जिम्मेवार कौन

नरेन्द्र भारती

देश में प्रतिदिन खून से सड़कें लाल हो रही हैं अक्सर देखा गया है की लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और बेमौत मरते रहते हैं 'बेशक प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी2025से 17 जनवरी 2025 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया ऐसे आयोजनों प? करोड़ों रुपया खर्च किया गया सेमिनार लगाए गए और कार्यक्रम किये गए ' यातायात के प्रति लोगों को जागरूक किया गया लेकिन सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं ' सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं 'मानव जीवन अनमोल है देश के नागरिको को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर रोक लग सके।सड़क सुरक्षा के ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष डेढ लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते है।नववर्ष 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।देश में हर रोज इतने भीषण हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नीद सो रहे हैं।कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है।यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। क्योंकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे है।लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है।चिराग बूझ रहें हैं।बच्चे अनाथ हो रहे हैं। आज युवा लापरवाही के कारण जान गंवा रहे है।युवा देश के कर्णधार है जो देश का भविष्य है।प्रतिवर्ष लाखों युवा हादसों में बेमौत मारे जा रहे है।इकलौते चिराग अस्त हो रहे है।कोखें उजड़ रही है।माताओं व बहनों का सिंदूर मिट रहर हैं।बच्चे अनाथ हो रहे है।युवाओं को जागरुक करना होगा क्योकि युवा ही विकराल हो रही सड़क हादसों की समस्या को रोक सकते है। लॉकडाउन में सड़क हादसों पर लगाम लग गई थी। सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता।जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। देश में जब 22 मार्च 2020 को जब लॉकडाउन लगा था तब हादसे पूरी तरह रुक गए थे।लॉकडाउन के खुलते ही सड़क हादसों में अप्रत्याशित वृद्वि हो गई।कोरोना महामारी में हादसे कम हो गए थे।लॉकडाउन में जगली जानवर सड़को पर विचरण करते थे।परिवहन पूरी तरह बंद था।प्रदूषण भी शून्य हो गया था।साल 2020 के अप्रैल व मई माह में यातायात के साधन बंद हो गए थे।जून माह में ज्यों ही लॉकडाउन खुल गया था तो फिर से करोडों वाहन सड़को पर दौड़ पड़े।जनवरी 2025 से ही सड़क हादसों की रफतार बढ़ती जा रही है । साल 2024 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा था और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे थे। देश के सैंकडों सैनिक भी सड़क हादसों में शहीद हो गए थे।हजारों लोग बेमौत मारे जा रहे है। प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं में हजारों लोग अपंग हो गए जो ताउम्र हादसों का दंश झेलते रहेगें। देश में हर चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क हादसे में मारा जाता है। प्रतिदिन देश की सडकें रक्तरजित हो रही है नौजवानों से लेकर बुजुर्ग काल का ग्रास बन रहे हैं। आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर हैं। शराब पीकर बाहन चलाना तथा चलते वाहनों में मोबाइल का प्रयोग ही हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके कारण ही लाखो लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए।2025 में भी सडक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं तथा प्रतिदिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढता ही जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है। लापरवाही के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें देश की सड़को पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए।आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा। बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं।बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं।देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है।जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं। ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं।सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क दादसों पर पूरी तरह रोक लग सके। सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं।बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता हैकेन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नही तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछती रहेगी लोग मरते रहेंगें।

मुद्दाः धार्मिक-सामाजिक संघर्ष की विद्रूपताएं

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है।

स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं, जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा ने बहुत जटिल बना दिया है। राजनीति सदैव महत्त्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नये-नये रूप तथा आयाम देती आई है और हमेशा समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है।

भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाति ही नहीं धार्मिक महत्त्वाकांक्षा समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिन्दू-मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमा चुका है। वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांति पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके हैं। और यही वर्ग-विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं, जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिन्दी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, ओड़िसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्वहीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है।

सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्वहीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे-धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आजादी के 76 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सिर उठाये घूम रही हैं और हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा, तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

एक नजर

सिविल सर्जन ने सामुदायिक स्वास्थ्य मेला की तैयारियों का लिया जायजा

साहिबगंज: बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा सिविल सर्जन, साहिबगंज द्वारा आयोजित प्रखंड स्वास्थ्य मेला की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। आयोजन स्थल, चिकित्सा सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं यथा नि:शुल्क चिकित्सा जांच, परामर्श, टीकाकरण, मातृ-शिशु देखभाल, गैर-संक्रामक रोगों की स्क्रीनिंग आयुष्मान भारत योजना एवं अन्य सेवाएँ का बारी बारी से स्टाल में जाकर जायजा लिया। साथ ही स्वास्थ्य मेले के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच को सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर डॉक्टर, सीएचओ, बीपीएम, बैम, स्वास्थ्य कर्मी, एएनएम और अन्य लोग मौजूद थे।

महगामा रेलवे आरक्षण केंद्र में चोरी का खुलासा दो आरोपी गिरफ्तार

गोड्डा : महगामा रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र में बीते सप्ताह हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी महगामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने दी। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी की रात चोरों ने आरक्षण केंद्र में सेंधमारी कर रेलवे की सामग्री की चोरी कर ली थी। इस संबंध में महगामा थाना में अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया गया था। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की मामले की जांच में जुटी थी। इसी क्रम में मिले सुराग के आधार पर टीम ने राबियाडीह गांव के दो युवकों को पकड़ा। कड़ाई से पूछताछ में दोनों कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर चोरी गए एलईडी के अलावा मॉनिटर, कीझबोर्ड, चार बैटरी, ग्रिल काटने का कटर, राउटर, स्विच और पेचकस सहित अन्य सामान बरामद कर लिया गया। दोनों युवकों की पहचान समाऊल अंसारी व मीर हुसैन के रूप में हुई। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। छापेमारी टीम में महगामा के पुलिस निरीक्षक उपेन्द्र कुमार महतो, थाना प्रभारी शिव दयाल सिंह, एसआई राज गुप्ता, एएसआई बालेश्वर मरांडी सहित सशस्त्र जवान शामिल थे।

मधुपुर में कलशयात्रा के साथ श्री रामचरितमानस महायज्ञ शुरू

देवघर : मधुपुर प्रखंड की गोविंदपुर पंचायत के कजरा टंडेरी स्थित शिव मंदिर में मंगलवार को कलशयात्रा के साथ श्री रामचरितमानस नवाह्न पारायण महायज्ञ शुरू हुआ। कलश शोभायात्रा में 501 कुंवारी कन्याएं व महिलाए शामिल थीं। कलश शोभायात्रा में शामिल महिलाएं व कन्याएं माथे पर कलश लेकर शिव मंदिर से टंडेरी नदी घाट पहुंचीं। वहां पुरोहितों ने मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जल भरवाया। इसके बाद महिलाएं कलश लेकर वापस मंदिर पहुंचीं, जहां पंडाल में कलश स्थापित किए गए। यज्ञ समिति के सदस्यों ने बताया कि नौ दिवसीय महायज्ञ में प्रत्येक दिन सुबह 9 बजे से रामायण पाठ व हवन-पूजन किया जाएगा। वृंदावन से पधारे स्वामी शंकरलाल शर्मा व्यास के निर्देशन में रामलीला का मंचन किया जाएगा। वहीं, प्रयागराज के बाल विदुषी मनीषा देवी अनुपमा रामायणी रोज शाम 7 बजे से रात 9:30 बजे तक संगीतमय राम कथा सुनाएंगी। रात 9:30 से 1:30 बजे तक फिर रामलीला का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर के समीप मेले का भी आयोजन किया गया।

परीक्षा प्रपत्र के नाम पर कर हो रही अवैध वसूली को लेकर सोयेब अख्तर ने परीक्षा नियंत्रक को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बुधवार को बीएसके महाविद्यालय बरहरवा में छात्र नेता सोयेब अख्तर के नेतृत्व में दो सूत्री मांगों को लेकर प्राचार्य के द्वारा विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन सोपा गया। जिसमें मेमो नंबर. एसकेएमयू/ परीक्षा/ 118/24 के अनुसार दिनांक 24 अप्रैल 2024 तक विलंब शुल्क सहित यूजी सेमेस्टर 1 नैप का परीक्षा प्रपत्र भरा गया था। लेकिन उनकी परीक्षा संपन्न नहीं हुई है। अब नैप नियम अनुसार सेमेस्टर 1 और 2 की कुछ विषयों में अदला बदली होने के कारण सेमेस्टर 1 मे जिन विषय में फेल हुआ था, वह सेमेस्टर 2 में आ गया है एवं सेमेस्टर 2 का कुछ विषय सेमेस्टर 1 में आ गया है। लेकिन वह विद्यार्थी जो परीक्षा प्रपत्र भर चुके थे एवं उनकी फेल विषय सेमेस्टर 2 में आ गया है अर्थात अभी ज्ञापांक एसकेएमयू/ परीक्षा/ 69/25 के अनुसार परीक्षा प्रपत्र भर रहे हैं तो उन्हें पुनः परीक्षा प्रपत्र शुल्क लग रहा है। विश्वविद्यालय से आग्रह किया है कि जो परीक्षा शुल्क लिया जा चुका है वह उसकी परीक्षा नहीं हुई है। उस शुल्क को विद्यार्थियों को वापस करवाई जाए अर्थात आगे की सेमेस्टर में उन्हें मान्यता दी जाए। अन्यथा विश्वविद्यालय छात्रों के साथ अवैध वसूली को देखते हुए। एनएसयूआई कड़े कदम उठाने में बैद्ध होंगे। तथा मेमो नंबर.- एसकेएमयू/ परीक्षा/ 357/24 के अनुसार यूजी सेमेस्टर - 3 स्पेशल परीक्षा के लिए 22 सितंबर 2024 तक विलंब शुल्क सहित परीक्षा प्रपत्र भर गया था, लेकिन अभी तक परीक्षा सूचना जारी नहीं हुई है। परीक्षा कराने के लेकर मांग रखी है। छात्र नेता सोयेब अख्तर ने बताया कि विश्वविद्यालय परीक्षा प्रपत्र के नाम पर हजारों विद्यार्थियों को तो परीक्षा प्रपत्र भरवा कर अपना जेब गर्म कर लिया है। लेकिन जब इस मुद्दे पर विश्वविद्यालय से बात की जाती है तो इसका कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाता है। विश्वविद्यालय हमेशा ही छात्रों के साथ हनन करते हुए आ रहे हैं एवं यह अपने हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। विश्वविद्यालय जो भी परीक्षा प्रपत्र के नाम पर छात्रों से अवैध वसूली किया है वह पैसा वापस करवाई जाए अन्यथा उन्हें आने वाले सेमेस्टर की परीक्षा प्रपत्र में मान्यता दी जाए। विश्वविद्यालय की गलतियों का खामियांजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। एवं विश्वविद्यालय छात्रों के भविष्य को भी अंधकार में ले जाने का काम कर रहे हैं। हमें ऐसा प्रतीत होता है कि यह विश्वविद्यालय छात्रों के लिए नहीं है केवल विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए ही है। क्योंकि विश्वविद्यालय की हर एक गलती को छात्र आईना दिखाकर विश्वविद्यालय को बताते हैं। अगर विश्वविद्यालय छात्रों से लिया गया अवैध वसूली को वापस नहीं करवाते हैं या मानता नहीं देते हैं।

शहर में धूमधाम से किया गया मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला में विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन बुधवार को धूमधाम से किया गया। वहीं बुधवार को अधिकांश शिक्षण संस्थानों में स्थापित देवी सरस्वती प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर और फिर प्रतिमा को लेकर स्थानीय गंगा घाट जाकर विसर्जित कर दिया। वहीं शहर में स्थापित बड़े व सार्वजनिक पूजा समिति की ओर से बुधवार 5 फरवरी को प्रतिमा विसर्जन किया गया। वहीं पूरे शहर में शांतिपूर्ण माहौल में शहर वासियों ने विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन किया। पूरे शहर में विसर्जन के दौरान शहर वासियों ने अबीर गुलाल खेलते नाचते झूमते हुए विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा को हर गली मोहल्ले से विसर्जन के लिए गंगा घाट ले जा रहे थे। उधर नगर परिषद ने स्थानीय फेरी घाट पर प्रतिमा विसर्जन का स्थान निर्धारित किया है। घाट पर पानी में बास बल्ला लगाकर बैरिकेडिंग कराई गई है। बुधवार को गंगा घाट पर नप कर्मचारी तैनात नहीं थे उनके अनुपस्थिति में पूरे शहर के प्रतिमा विसर्जन किया गया। गंगा में जो भी बड़े प्रतिमा विसर्जन के बाद बचे ढांचा व अन्य अपशिष्टों को पानी से बाहर निकाल जमा करेंगे इसके बाद उनका निस्तारण कराया जाएगा।

अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चक्रधरपुर : अफीम की खेती के खिलाफ पश्चिमी सिंहभूम जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा रहा है। कराइकेला थाना प्रभारी अंकित कुमार के नेतृत्व में बुधवार को पुलिस ने नकटी हाट-बाजार में जागरूकता अभियान चलाया। थाना प्रभारी ने बाजार आए ग्रामीणों से कहा कि अफीम की खेती एक अपराध है। इसके दंडात्मक प्रावधानों की भी जानकारी दी। कहा कि अफीम की खेती से मिट्टी की उर्वरकता खत्म होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं अफीम की खेती की जानकारी मिले, तो पुलिस को तुरंत सूचना दें। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय महिला-पुरुष मौजूद थे।

कसवा गांव में ई-रिक्शा पलटने से दो व्यक्ति घायल

साहिबगंज/राजमहल: मंगलहाट-राजमहल मुख्य सड़क कसवा (राय बाजार) गांव पुल के समीप बुधवार की सुबह 7:00 बजे ई रिक्शा पलट जाने से दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार राजमहल की ओर से ई-रिक्शा पर सवारी लेकर मंगलहाट की ओर आ रहे थे। इसी दौरान अचानक अनियंत्रण होकर सड़क पर पलट जाने से ई-रिक्शा पर सवार राधानगर थाना क्षेत्र के गुलाब खान (35) वर्षीय, मीरा खातून (30) वर्षीय, गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों एवं राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेजा गया। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया।

सड़क दुर्घटना को देखते हुए थाना प्रभारी ने सिरासीन चौक पर लगवाया बैरिकेडिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बरहरवा-फरक्का एनएच 80 पर वाहनों के तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। इसी को लेकर कालू पंचायत के पंचायत समिति सदस्य नासीरुद्दीन शेख उर्फ नासिर हुसैन ने बरहरवा थाना प्रभारी सुमीत कुमार सिंह को अवगत कराकर बैरिकेडिंग लगाने का अनुरोध किया। जिसके महज कुछ घंटों में सिरासीन चौक में पंचायत समिति नासिर हुसैन की उपस्थिति में बैरिकेडिंग लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सिरासीन चौक होते हुए राधानगर, उधवा सहित बरहरवा की ओर से प्रतिदिन वाहनों का आवागमन लगा रहता है। जिससे दिन में बड़े व छोटे वाहनों के काफी तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। साथ ही ट्रैफिक नियमों को तोड़ने से दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इसके अलावे प्रतिदिन हजारों स्कूल के बच्चे, बच्चियां स्कूल पढ़ने के लिए जाते हैं जिससे दुर्घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है। साथ ही सिरासीन मवेशी हटिया में हाल ही में एक भव्य जलसा का कार्यक्रम है। इसमें आसपास के दर्जनों पंचायत सहित सभी क्षेत्र के लोग शामिल होंगे जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ सकती है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए बैरिकेडिंग लगाया गया है। साथ ही थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह एवं नासिर हुसैन ने वाहन चालकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि तेज गति से गाड़ी न चलाने, ओवरटेक न करने और बाइक सवारों को हेलमेट पहनने की सलाह दी। थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह का दिल की गहराई से उनके प्रति आभार व्यक्त किया। साथी जिला प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया। मौके मुख्तार आलम, वसीम शेख, सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में रिक्ति पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें चौकीदार, समाज कल्याण विभाग एवं अन्य सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर चर्चा हुई। बैठक में संबंधित पदाधिकारियों ने भाग लिया और नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारू बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में योग्यता, अनुभव और सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों का सख्ती से पालन किया जाए, जिससे पात्र अभ्यर्थियों को अवसर मिल सके। इस अवसर पर पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि भर्ती प्रक्रिया में कोई भी अनियमितता न हो और सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच सुनिश्चित की जाए। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई। मौके पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सुशील कुमार मुर्मू उपस्थित थे।

9 से 14 फरवरी तक चलेगा कुकड़ू प्रखंड में झामुमो का सदस्यता अभियान : सविता महतो

कुकड़ू : ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में झामुमो ने सदस्यता अभियान तेज कर दी है। इसी को लेकर बुधवार को कुकड़ू पंचायत भवन में झामुमो की बैठक हुई। इस बैठक में ईचागढ़ की विधायक सविता महतो, केंद्रीय संयोजक मंडली सदस्य सुधीर महतो, चारु चांद किस्कू समेत सैकड़ो झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक में सदस्यता अभियान को सफल बनाने और कमिटी गठन करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई. इस दौरान ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने कहा कि पार्टी की सदस्यता अभियान व पंचायत कमेटियों का गठन कुकड़ू प्रखंड में 09 फरवरी 2025 से 14 फरवरी 2025 तक होगा। इसको लेकर पंचायत स्तर पर चुनाव कराने को लेकर कई पार्टी कार्यकत्ताओं को जिम्मेवारी दी गई है। पंचायत कमिटी का गठन होने के बाद प्रखंड कमिटी का गठन किया जाएगा। इसके बाद केंद्रीय कमिटी के द्वारा जिला कमिटी का भी गठन होगा। विधायक सविता महतो ने कहा कि सरायकेला जिला में झामुमो चार लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। बैठक में झामुमो के जिला संयोजक मंडली सदस्य राजीव महतो उर्फ काबलू महतो, ओम प्रकाश लायेक, कुकड़ू प्रखंड संयोजक मंडली सदस्य हरेकृष्णा महतो, इंद्रजीत महतो, अब्दुल रशीद अंसारी, निरंजन महतो, सपन चंद्र महतो, नवकिशोर हांसदा, रमानाथ महतो, मालेक अंसारी, युधिष्ठिर मांझी, कृतिवास महतो, उप प्रमुख मो. एकराम, झूलन कुमार, सूर्यकांत महतो आदि झामुमो कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

मिस साउथ प्वाइंट स्कूल दामिनी शर्मा और मिस्टर साउथ प्वाइंट स्कूल श्रीकांत रजक बने

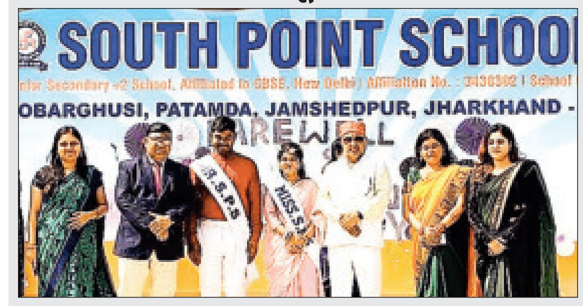

पटमदा: साउथ प्वाइंट स्कूल पटमदा के प्रांगण में बुधवार को 12 वीं कक्षा के लिए विदाई समारोह और 10 वीं कक्षा के विधार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन शिव प्रकाश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की शिक्षिका अर्चना और नवमी की छात्रा श्रेया चंद ने सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर 12वीं के विद्यार्थियों के स्वागत में नवमी के विधार्थियों ने मनभावन गीत और नृत्य कर सबका मन मोह लिया। तत्पश्चात बच्चों द्वारा कई तरह के गेम भी कराएं गए। चैयरमेन सर ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब अब उम्र के जिस पड़ाव तक पहुंचे हैं, निश्चितरूप से आपकी मेधा प्रखर हो चुकी है आप स्वयं इस बात के लिए सक्षम हो चुके हैं कि हमें समय का सदुपयोग किस प्रकार करना है। आपकी सफलता शिक्षक की सफलता होती है । अगर आप अनुशासन में रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करेंगे तो अवश्य ही परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। चेयरमैन सर ने सबों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं दी। मिस साउथ प्वाइंट दामिनी शर्मा और मिस्टर साउथ प्वाइंट श्रीकांत रजक को नवाजा गया। इसके साथ ही मिस इंटेलेक्चुअल अंकिता महतो,मिस गेमर, रीया दास, मिस क्रिएटिव श्रेया कुमारी ,मिस डिसिप्लिन सुहानी दास ,मिस फ्लाइंग गर्ल नमिता महतो को खिताब से नवाजा गया।विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संदेश देते कहा कि अपने-अपने विषयों की आप पूरी तल्लिनता से अध्ययन कीजिए। बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करे और अपने क्षेत्र और विद्यालय का नाम रौशन करें। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तनिषा यास्मीन और छात्र प्रियांशु कुम्भकार ने किया। मौके पर सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं मौजूद थे। अंत में विद्यालय की शिक्षिका सुनीता मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन कर सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

बोड़ाम हाट से लगातार हो रही साईकिल की चोरी पर ग्राम प्रधान ने प्रशासन के प्रति जताया रोष

पटमदा: बोड़ाम में बुधवार को लगने वाले साप्ताहिक हाट से लगातार कई बार हुए साईकिलों की चोरी से हाट में बाजार करने पहुंचने वालों में काफी भय का माहौल बना हुआ है। इस सप्ताह गौरडीह निवासी हिमानी महतो अपने पुत्र के साथ राजू महतो अपने साइकिल में अबुआ आवास का पैसा उठाने आई थी। हर्कुलस साइकिल चोरी होने से बाद महिला ने बोड़ाम के ग्राम प्रधान राधेश्याम सिंह से साईकिल चोरी होने की शिकायत की। वही उन्होंने बताया कि प्रशासन को इस मामले को लेकर बोड़ाम थाना से सूचना देकर भी प्रशासन बल को पेट्रोलिंग हाट में करने का मांग किया गया था। वही प्रशासन की सक्रियता में कमी के कारण लोगों में काफी प्रशासन के प्रति रोष जताया है।

फसल सुरक्षा कार्यक्रम के लिए 40 किसानों का दल तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय के लिए हुआ रवाना

साहिबगंज: जिले के 40 किसानों का एक दल फसल सुरक्षा कार्यक्रम योजना के तहत तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, गोड्डा के लिए तीन दिवसीय अध्ययन परिभ्रमण हेतु रवाना हुआ। जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने हरी झंडी दिखाकर किसानों को रवाना किया। इस दौरे का उद्देश्य किसानों को फसल सुरक्षा तकनीकों, उन्नत कृषि विधियों और आधुनिक कृषि अनुसंधान से अवगत कराना है, जिससे वे अपने खेतों में नवाचारों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ा सकें।कार्यक्रम के दौरान जिला योजना मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक मंटू कुमार, कंचन कुमार सुमन, प्रतीम ठाकुर और रणधीर कुमार भी उपस्थित रहे। इन पदाधिकारियों ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह अध्ययन दौरा उनके लिए लाभदायक सिद्ध होगा और उन्हें कृषि में नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलेगी। इस अध्ययन दौरे के दौरान किसान मृदा परीक्षण, जैविक खेती, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीक और आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करेंगे। इससे किसानों को खेती की वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने और अपनी उपज में सुधार करने में मदद मिलेगी।फसल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत आयोजित इस परिभ्रमण से किसानों को नई तकनीकों के व्यावहारिक ज्ञान और सफल कृषि मॉडलों को समझने का अवसर मिलेगा। जिला कृषि विभाग ने किसानों से इस दौरे से प्राप्त अनुभवों को अपने गाँवों में साझा करने का आग्रह किया, जिससे अन्य किसान भी लाभान्वित हो सकें।

माडल कॉलेज राजमहल में साहित्य समृद्धि का प्रयास, परीक्षा शांतिपूर्वक व कदाचारमुक्त संपन्न

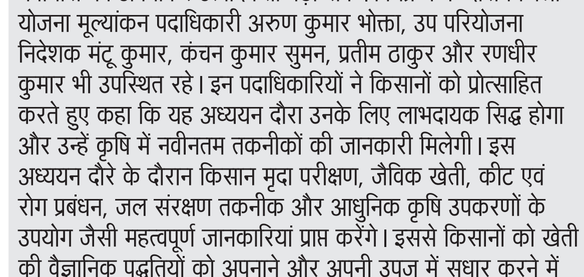

साहिबगंज/राजमहल: बुधवार को मॉडल कॉलेज राजमहल में यूजी सेमेस्टर 3 परीक्षा 2023 में प्रथम पाली में 352 परीक्षार्थी शामिल हुए वही 18 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 100 में 94 उपस्थित रहे। आज मॉडल कॉलेज राजमहल में साहित्य समृद्ध हेतु महाविद्यालय प्रांगण में काव्यात्मक प्रस्तुति की गई जिसमें अतिथि के रूप में आए ख्यातिप्राप्त कवि प्रोज्ञ सुबोध कुमार झा तथा कुमार संजय को आमंत्रित किया गया। गौरतलब है कि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह पठन पाठन के अतिरिक्त विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जहां प्रोज्ञ सुबोध ने प्रेरणा देने वाले कविता पाठ किया। वहीं हास्य व्यंग्यकार कुमार संजय की कविता ने छात्र छात्राओं को हंसा हंसा कर लोटपोट कर दिया। कार्यक्रम में डॉ रमजान अल, डॉ अमित कुमार ने संयुक्त रूप मंच संचालन किया। वहीं डॉ विवेक कुमार महतो, प्रो प्रदीप कुमार झा, आदि सहित दर्जनों छात्र छात्रा उपस्थित थे।

नया इनकम टैक्स कानून करदाताओं की जिंदगी आसाना बनाएगा : अग्रवाल

इस बार के बजट से करोड़ करदाता खुश

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में नया इनकम टैक्स कानून लाने की बात कही थी। इस घोषणा के बाद से ही टैक्सपेयर्स के बीच यह कयास शुरू हुआ है कि आखिर नया इनकम टैक्स कानून कैसा होगा और इसका उन पर क्या असर होगा। टैक्सपेयर्स की दुविधा और शंका को शांत कर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने बताया कि नया इनकम टैक्स कानून प्रत्यक्ष कर को काफी आसान करेगा और करदाता की जिंदगी भी आसान होगी। रिपोर्ट के अनुसार सीबीडीटी चेयरमैन ने बताया कि यह बहुत संतोष की बात है कि इस बार बजट को इतनी सकारात्मकता से लिया गया है और इतना ही नहीं हमारे करोड़ करदाता खुश हैं। टैक्स में दिया गया पूरा लाभ करीब 1 लाख करोड़ रुपये का है और इस साल का बजट लक्ष्य 22.37 लाख करोड़ रुपये है, तब यह कुल करों का 5 प्रतिशत बनता है। लोगों के हाथ में यह 1 लाख करोड़ रुपये होने का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दिखेगा। व्यापार विकसित होगा।

सीबीडीटी चेयरमैन अग्रवाल के मुताबिक, टैक्स छूट के रूप में हमारी ओर से दिया गया पैसा वापस लौटेगा। यह कंपनियों के माध्यम से आएगा, यह व्यापार आय के माध्यम से आएगा, यह वेतन के माध्यम से भी आ सकता है, क्योंकि अगर कंपनियां बढ़ती हैं, तब वेतन भी बढ़ेगा। इस 1 लाख करोड़ रुपये की राहत का सकारात्मक प्रभाव देश की इकानामी पर दिखाई देगा। हम इस साल 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं, क्योंकि इस राहत के कारण बजट लक्ष्य 12.46 प्रतिशत रखा गया है। सीबीडीटी अध्यक्ष ने कहा कि इसका फायदा उठाने के लिए दो चीजें हैं। एक करदाता को रिटर्न फाइल करना होगा और फिर अगर रिफंड बनता है, तब वह व्यक्ति रिफंड ले सकता है। रिटर्न की संख्या लगभग वहीं रहेगी। यह लगभग 9 करोड़ होगी। पहले 7 लाख रुपये तक की आय पर छूट मिलती थी, अब यह 12 लाख रुपये तक हो गई है। इस बजट में डेढ़ करोड़ करदाताओं के लिए, जो इस श्रेणी (7 से 12 लाख रुपये) में थे, उनकी टैक्स देनदारी शून्य होगी। लाभ पाने वाले वास्तविक करदाताओं की संख्या करीब 3 करोड़ होगी।

कार में पानी जाने से खराब हो सकता है इलेक्ट्रिकल सिस्टम, इंजन

नई दिल्ली ।

क्या आप जानते है कि कार में पानी जाने से इलेक्ट्रिकल सिस्टम, इंजन और अन्य जरूरी कंपोनेंट्स खराब हो सकते हैं, जिससे मरम्मत का भारी खर्च उठाना पड़ सकता है। कार के इंजन में कई इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स और वायरिंग होती हैं, जहां पानी जाने से शॉर्ट सर्किट का खतरा होता है। इससे पूरी इलेक्ट्रिकल प्रणाली फेल हो सकती है और कार की परफॉर्मेंस पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, इंजन के एयर इनटेक में पानी जाने से हाइड्रोलॉक जैसी गंभीर समस्या हो सकती है, जिससे इंजन पूरी तरह बंद हो सकता है और महंगी मरम्मत की जरूरत पड़ सकती है। फ्यूल टैंक के ढक्कन और फ्यूल फिलर के आसपास पानी चला जाए तो ईंधन में पानी मिल सकता है, जिससे इंजन के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसी तरह, आधुनिक कारों में लगे एबीएस सेंसर, पार्किंग सेंसर और रिवर्स कैमरा जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी पानी के कारण खराब हो सकते हैं, जिससे उनकी रिपेयरिंग का खर्च बढ़ सकता है। सस्पेंशन और ब्रेक सिस्टम पर पानी का ज्यादा संपर्क जंग लगने की समस्या पैदा कर सकता है, जिससे कार की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। वहीं, कार के इंटीरियर में पानी जाने से फर्श, सीट्स और डैशबोर्ड पर फंगस और बदबू की समस्या हो सकती है, जिससे सफाई और मरम्मत का अतिरिक्त खर्च बढ़ सकता है। इसलिए, कार धोते समय हमेशा सावधानी बरतनी चाहिए और संवेदनशील हिस्सों पर पानी जाने से बचना चाहिए ताकि आपकी कार लंबे समय तक बेहतरीन स्थिति में बनी रहे। बता दें कि कार की सही देखभाल उसके प्रदर्शन और जीवनकाल को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है।

एपीएसईजेड ने जनवरी 2025 में अब तक का सबसे अधिक 39.9 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो हैंडल किए

पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी अधिक

अहमदाबाद ।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने जनवरी 2025 में अब तक का सबसे अधिक 39.9 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो हैंडल किए है। यह पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी अधिक है। उपलब्धि में कंटेनर कार्गो में 32 फीसदी और तरल पदार्थ और गैस में 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी एपीएसईजेड ने दी।

अदाणी समूह के प्रमुख बंदरगाह ने जनवरी 2025 में कुल 372.2 एमएमटी कार्गो हैंडल किया। यह सालाना आधार पर 20 फीसदी अधिक है। इसमें तरल पदार्थ और गैस की हैंडलिंग में भी 9 फीसदी की बढ़ोत्तरी है। कंपनी ने बताया कि विभिन्न कार्गो सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन ने अदाणी पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी बंदरगाह के रूप पहचान दिखाई है। इसके अलावा मुंद्रा पोर्ट ने भी जनवरी में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की। कंपनी ने कहा, विभिन्न कार्गो सेगमेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन ने अदाणी पोर्ट को एक अग्रणी वैश्विक बंदरगाह और भारतीय अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में रेखांकित किया है। एपीएसईजेड मुंद्रा ने 17.20 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो का मासिक रिकॉर्ड बनाया, जो समुद्री व्यापार के इतिहास में किसी भी भारतीय बंदरगाह द्वारा अब तक का सबसे अधिक है। इसके पहले का रिकॉर्ड 17.11 मिलियन मीट्रिक टन था, जिसे मुंद्रा पोर्ट ने खुद ही पार किया। कंटेनर कार्गो हैंडलिंग में भी मुंद्रा पोर्ट ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। मुंद्रा पोर्ट ने एक महीने में 7.72 लाख ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट (टीईयू) कंटेनर संभाले, जो पहले के रिकॉर्ड से कई अधिक है। कंपनी के अनुसार, यह उपलब्धि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अदाणी पोर्ट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाती है। मुंद्रा पोर्ट की मरीन टीम ने 415 जहाजों को हैंडल किया, जो पिछले 406 जहाजों के रिकॉर्ड से अधिक है। जहाजों के मूवमेंट के बारे में बताए तब इस बार 884 मूवमेंट दर्ज किए गए, जबकि पिछला रिकॉर्ड 876 था। रेलवे डिवीजन ने भी शानदार प्रदर्शन किया। रेलवे एक महीने में 1.47 लाख टीईयू कंटेनर संभाले, जो पहले के 1.44 लाख टीईयू के रिकॉर्ड से अधिक है। रेलवे टीम ने 682 ट्रेनों को हैंडल कर नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि पहले यह संख्या 662 थी।

रतन टाटा के सबसे खास दोस्त शांतनु नायडू को मिली बड़ी जिम्मेदारी

सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट में खुशी के साथ गम का भी किया इजहार

नई दिल्ली।

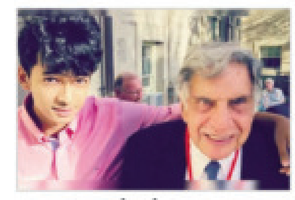

उद्योगपति रतन टाटा का निधन हुआ था तो उनका सबसे करीबी और खास दोस्त शांतनु नायडू अकेला रह गया था। अब उन्हें एक बडी जिम्मेदारी मिली तो खुशी के साथ-साथ उन्हें रतन टाटा के ना होने का अफसोस भी हुआ। दरअसल शांतनु को टाटा ग्रुप की ऑटो कंपनी टाटा मोटर्स में जनरल मैनेजर और स्ट्रैटजिक इनिशिएटिव्स का प्रमुख बनाया गया है। इस नई जिम्मेदारी को लेकर उन्होंने एक भावुक पोस्ट में उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय टाटा ग्रुप और अपने पिता को दिया। शांतनु नायडू ने लिखा-मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं टाटा मोटर्स में जनरल मैनेजर, हेड-स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स के रूप में नई जिम्मेदारी संभाल रहा हूं। मुझे याद है जब मेरे पिता सफेद शर्ट और नेवी ब्लू पेंट पहनकर टाटा मोटर्स प्लांट से घर आते थे, और मैं खिड़की से उनका इंतजार करता था। जिंदगी जहां से चली थी फिर वहीं आ गई। शांतनु रतन टाटा के निजी सचिव रह चुके हैं। रतन टाटा ने खुद शांतनु को फ़ोन कर कहा था कि आप जो करते हैं मैं उससे बहुत प्रभावित हूं, क्या मेरे असिस्टेंट बनोगे। शांतनु और टाटा कई सालों से एक साथ काम कर रहे थे। उम्र के अंतर के बावजूद दोनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी थी। यह दोनों मिलकर सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त आवारा पशुओं की मदद के लिए काम करते थे। कहा जाता है कि रतन टाटा अपना पर्सनल निवेश जिन स्टार्टअप्स में करते हैं, उनके पीछे शांतनु का दिमाग होता था। यह भी जा रहा है कि शांतनु ने ही रतन टाटा को सोशल मीडिया से परिचित कराया था। उन्हें हैशटैग, ट्रेंड और इमोजी के बारे में सब कुछ सिखाया। अपनी किताब आई केम ओपन ए लाईटहाउस में शांतनु नायडू ने रतन टाटा के साथ अपनी दोस्ती के बारे में लिखा है। वहीं जब उनके दोस्त का निधन हुआ तो वह बिल्कुल टूट गए थे।

8वें वेतन आयोग लागू होते ही चपरासी से अधिकारी तक की होगी बल्ले-बल्ले

सैलरी में 2.86 के फिटमेंट फैक्टर के आधार पर हो सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2025 में 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी थी, जो 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इसके बाद देशभर के सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी हो जाएगी। विशेषज्ञों के मुताबिक 8वें वेतन आयोग में कर्मचारियों की सैलरी में 2.86 के फिटमेंट फैक्टर के आधार पर बढ़ सकती है। जैसे चपरासी और सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी 18,000 रुपए है। 2.86 फिटमेंट फैक्टर से इनकी सैलरी बढ़कर 51,480 रुपए हो जाएगी, जो कि 33,480 रुपए की बढ़ोतरी होगी। वहीं लोअर डिविजन क्लर्क की सैलरी 19,900 रुपए है। इनकी सैलरी 56,914 रुपए हो जाएगी, जिसमें 37,014 रुपए की बढ़ोतरी होगी। पुलिस कॉन्स्टेबल और स्किल स्टाफ की मौजूदा सैलरी 21,700 रुपए है। 8वें वेतन आयोग के बाद इनकी सैलरी 62,062 रुपए हो जाएगी, जो कि 40,362 रुपए बढ़ेगी। पुलिस स्टेनोग्राफर और जूनियर क्लर्क की सैलरी 25,500 रुपए है। इनकी सैलरी बढ़कर 72,930 रुपए हो जाएगी, जो कि 47,430 रुपए की वृद्धि होगी। सीनियर क्लर्क और हाई लेवल टेक्निकल ऑफिसर की मौजूदा सैलरी 29,200 रुपए है। 8वें वेतन आयोग के लागू होने के बाद इनकी सैलरी 83,512 रुपए हो जाएगी, जिसमें 54,312 रुपए की बढ़ोतरी होगी। इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर की सैलरी 35,400 रुपए है। 8वें वेतन आयोग के लागू होने पर इनकी सैलरी 1,01,244 रुपए हो जाएगी, जो कि 65,844 रुपए बढ़ेगी। वहीं सुपरिटेंडेंट, सेक्शन ऑफिसर और असिस्टेंट इंजीनियर की मौजूदा सैलरी 44,900 रुपए है। इनकी सैलरी 1,28,414 रुपए हो जाएगी, जिसमें 83,514 रुपए की बढ़ोतरी होगी।

मर्सिडीज की 1954 मॉडल रेसिंग कार ने बनाया रिकॉर्ड, नीलामी में 460 करोड़ में बिकी

वर्लिन ।

मर्सिडीज की 1954 मॉडल रेसिंग कार ने नीलामी में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह ऐतिहासिक ग्रां प्री कार 460 करोड़ में नीलाम हुई, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी बिकने वाली रेसिंग कार बनी है।

क्यों खास है यह मर्सिडीज रेसिंग कार?

नीलामी में बनाया रिकॉर्ड- यह कार एक अज्ञात खरीदार ने खरीदी, जिसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। इसके पहले 2013 में एफ1 कार मैकलारेन एमपी 4/4 करीब 140 करोड़ में बिकी थी, लेकिन अब इस मर्सिडीज ने नया रिकॉर्ड बनाया है। मर्सिडीज-बेंज डब्ल्यू 196 को 1954-55 में ग्रां प्री रेसिंग के लिए बनाया गया था। इस कार ने जर्मनी, स्विट्जरलैंड और इटली जैसी प्रतिष्ठित रेसों में जीत दर्ज की थी। यह मर्सिडीज के लिए उस दौर में एक नई तकनीकी क्रांति लेकर आई थी। इस ऐतिहासिक नीलामी से साफ है कि विंटेज रेसिंग कारों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और ये ऑटोमोबाइल प्रेमियों के लिए बेहद कीमती धरोहर बनती जा रही हैं।

क्रिप्टो की कमाई को छुपाने पर 60 फीसदी टैक्स और 50 फ़ीसदी जुर्माना

नई दिल्ली । 2025 के केंद्रीय बजट में क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों को बड़ा झटका लगा है। बजट में क्रिप्टो से होने वाली आय पर मौजूदा टेक्स को बरकरार रखा गया है। क्रिप्टो के ट्रांजैक्शन में सरकार निगाह रखेगी। क्रिप्टो के किसी भी निवेशक ने यदि अपनी जानकारी छुपाई,ऐसी स्थिति पर उनके ऊपर 60 फ़ीसदी टैक्स और 50 फ़ीसदी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है।

मारुति सुजुकी ने की 2,12,251 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने जनवरी 2025 में 2,12,251 यूनिट्स की बिक्री कर अपनी अब तक की सबसे अधिक मासिक सेल दर्ज की। यह आंकड़ा जनवरी 2024 में बेची गई 1,99,364 यूनिट्स से ज्यादा है, जिससे कंपनी ने सालाना आधार पर ग्रोथ दर्ज की। हालांकि, छोटी कारों के सेगमेंट में गिरावट देखी गई। ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसी कारों की बिक्री में कमी आई, जिससे यह आंकड़ा जनवरी 2024 में 15,849 यूनिट्स से घटकर 14,247 यूनिट्स रह गया। इस सेगमेंट की वायटीडी सेल भी गिरकर 1,03,889 यूनिट्स पर आ गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 1,15,483 यूनिट्स थी। दूसरी ओर, बलेनो, सेलेरियो और डिजायर जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। जनवरी 2024 में 76,533 यूनिट्स बिकी थीं, जो बढ़कर 82,241 यूनिट्स हो गई। हालांकि, इस सेगमेंट की वायटीडी सेल पिछले साल 6,86,544 यूनिट्स के मुकाबले घटकर 6,30,889 यूनिट्स रह गई। मारुति की सेडान सियाज़ की मांग में भी इजाफा हुआ। जनवरी 2024 में 363 यूनिट्स की बिक्री हुई थी, जो जनवरी 2025 में बढ़कर 768 यूनिट्स हो गई। वहीं, मारुति ईको की बिक्री जनवरी 2024 में 12,019 यूनिट्स थी, जो जनवरी 2025 में घटकर 11,250 यूनिट्स रह गई। कुल मिलाकर, जनवरी 2025 में मारुति सुजुकी की पैसेंजर व्हीकल्स की घरेलू बिक्री 1,73,599 यूनिट्स रही, जबकि वायटीडी आधार पर 14,49,233 यूनिट्स दर्ज की गई, जिससे कंपनी ने शानदार ग्रोथ हासिल की।हालांकि, वायटीडी सेल घटकर 6,629 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल यह 9,266 यूनिट्स थी। यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग ने कंपनी की कुल बिक्री में बड़ा योगदान दिया। जनवरी 2025 में इस सेगमेंट में 65,093 यूनिट्स बिकीं।

अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने लांच की एफ77 सुपरस्ट्रीट बाइक

नई दिल्ली । भारत में दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने अपनी एफ77 सुपरस्ट्रीट इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लांच की है जिसकी शुरुआती कीमत 2.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एफ77 मैक 2 की तरह दो वेरिएंट में आती है - स्टैंडर्ड और रिकॉन। नई इलेक्ट्रिक बाइक के लिए बुकिंग आज से शुरू हो रही है, और डिलीवरी मार्च 2025 में शुरू होगी। इसके रेंज 211 किमी और टॉप स्पीड 151 केएमपीएच है। एफ77 सुपरस्ट्रीट के स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 2,99,000 रुपये है, जबकि रिकॉन वेरिएंट की कीमत 3,99,000 रुपये है। दोनों कीमतें शुरुआती और एक्स-शोरूम हैं। नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को आप कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बुक कर सकते हैं। यह टर्बो रेड, आफ्टरबर्नर येलो, स्टेलर व्हाइट और कॉस्मिक ब्लैक में उपलब्ध है। इलेक्ट्रिक बाइक सिंगल-पीस हैंडलबार के साथ आती है जो मैक 2 की तुलना में चौड़ी और ऊंची है। इसके अलावा,अपराइट राइडिंग को ज्यादा कंफर्टेबल बनाने के लिए फुटपेग की पोजीशन में भी बदलाव किया गया है।अल्ट्रावायलेट एफ77 सुपरस्ट्रीट को बेहतर राइडिंग एर्गोनॉमिक्स के साथ लॉन्च किया गया है। इसका मतलब है कि नई लॉन्च की गई मोटरसाइकिल में अपराइट राइडिंग पोजीशन दी गई है जो सिटी कम्यूट और शार्ट राइड्स को आरामदायक बनाती है।

अब एटीएम से बार-बार कैश निकालने वालों को देनी होगी ज्यादा फीस

आरबीआई एटीएम चार्ज और इंटरचेंज फीस बढ़ाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) एटीएम से कैश निकालने वाले लोगों के लिए बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। अब एटीएम से कैश निकालना महंगा हो सकता है क्योंकि आरबीआई एटीएम इंटरचेंज फीस और मुफ्त निकासी की सीमा के बाद लगने वाले चार्ज बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रिजर्व बैंक मौजूदा समय में महीने में 5 कैश विथड्रावल फ्री देता था लेकिन अब आरबीआई इन 5 लेनदेन की लिमिट से ज्यादा पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की प्लानिंग कर रहा है। एक रिपोर्ट में जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया गया कि एनपीसीआई ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा चार्ज 21 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए करने की सिफारिश की है। इसके अलावा एनपीसीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की गई है। इंटरचेंज फीस दूसरे बैंक के एटीएम से एक लिमिट के बाद पैसे निकालने पर लगाई जाती है यानी कि यह एटीएम सर्विस इस्तेमाल करने के बदले एक बैंक की तरफ से दूसरे बैंक को दी जाने वाली फीस है। रिपोर्ट के मुताबिक बैंक और व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर मेट्रो और नॉन-मेट्रो शहरों में फीस बढ़ाने की एनपीसीआई की सिफारिश से सहमत हैं लेकिन अभी इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ती महंगाई और पिछले दो सालों में 1.5-2 फीसदी की दर से बढ़ते उधार लागत, ट्रांसपोर्टेशन पर ज्यादा खर्च, कैश रीप्लेनिशमेंट और लागत के कारण नॉन-मेट्रो शहरों में एटीएम चलाने का खर्चा तेजी से बढ़ रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 312.53 अंकों या 0.40 फीसदी की गिरावट के साथ ही 78,271.28 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में सेंसेक्स ने 78,735.41 के उच्चतम स्तर और 78,226.26 के निचले स्तर पर पहुंचा।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 42.95 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी नीचे आकर 23,696.30 पर बंद हुआ।

निफ्टी के 25 शेयर नुकसान के साथ ही आज लाल निशान में बंद हुए। इनमें एशियन पेंट्स, टाइटन कंपनी, नेस्ले इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और टाटा कंज्यूमर शामिल रहे, जिनमें सबसे अधिक 3.40 फीसदी तक की गिरावट देखी गई जबकि ओएनजीसी, हिंदाल्को, अपोलो हॉस्पिटल्स और बीपीसीएल सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इनमें 2.90

फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गयी।

बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया, जहां स्मॉल-कैप शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 1.85 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप100 इंडेक्स ने 0.68 फीसदी की बढ़त दर्ज की। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स भी अधिकतर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। एफएमसीजी, रियल्टी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स 1.75 फीसदी तक की गिरावट रहीए। दूसरी ओर अन्य सेक्टर्स में निफ्टी पीएसयू बैंक, मेटल, ओएमसी और मीडिया इंडेक्स एक फीसदी से अधिक की बढ़त रही। वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई। वहीं आज एशियाई बाजारों की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी अभी 27 सितंबर के अपने रिकॉर्ड हाई लेवल से तकरीबन 8.6 फीसदी और 9.7 फीसदी नीचे हैं। ये आंकड़े विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के साथ-साथ धीमी आर्थिक और कंपनियों के तिमाही परिणामों से प्रभावित हुए है। अमेरिकी शेयरों में तेजी के बाद बुधवार को एशिआई बाजारों में भी तेजी रही।

दालों में आत्मनिर्भर बनेगा भारत, 2029 तक आयात खत्म करने के लिए 1 हजार करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली।

भारत को दालों की आपूर्ती के लिए किसी देश की तरफ नहीं देखना पड़ेगा। 2029 तक दालों के मामले में भारत आत्म निर्भर हो जाएगा। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक हजार करोड़ का प्रावधान किया है। निर्मला सीतारमण ने कहा, हमारी सरकार अब दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए छह साल का मिशन शुरू करेगी। जिसमें तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की दाल की पैदावार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत मुख्य रूप से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान और मलावी से दालों का आयात करता है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य यह है कि साल 2029 तक देश में दालों की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को खत्म करना है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में इस योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस पैसे से तीन दलहन फसलों के संबंध में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) आधारित खरीद और भंडारण की सुविधा प्रदान की जाएगी।

पिछले साल 4 जनवरी को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित किया था कि भारत 2028-29 तक दालों का आयात बंद कर देगा। अमित शाह ने नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड) द्वारा तुअर (अरहर) खरीदने के कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा था, दिसंबर 2027 तक देश को दालों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करनी चाहिए। हम जनवरी 2028 से एक किलो दाल भी आयात नहीं करेंगे। पिछले साल अल नीनो मौसमी पैटर्न के कारण दालों की कीमतें बढ़ गईं, जो अधिकांश भारतीयों के लिए प्रोटीन का एक सामान्य सोर्स है। जबकि 2015-16 के बाद से कुल घरेलू उत्पादन में 37 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे भारत को पहले ही आयात में कटौती करने में मदद मिली है।

फिर भी, दालों में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाया है, जिससे कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। प्रोटीन आधारित दालों की कीमतों में तेजी इंफ्लेशन और घरेलू खर्च बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। पिछले साल दालों में इंफ्लेशन लगभग 17 फीसदी बढ़ी, जिसका मुख्य कारण लगातार दो सालों से खराब मौसम और खराब मानसून के कारण कम उत्पादन था।

लोगों के सिर पर चढ़ा म्युचुअल फंड का जादू, पिछले 10 वर्षों में ही कारोबार 6 गुना बढ़ा

मुंबई । भारत में म्युचुअल फंड का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 10 वर्षों में ही म्युचुअल फंड कारोबार 6 गुना से ज्यादा बढ़ी है। इसका एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) दिसंबर 2024 में 67 लाख करोड़ तक पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, इस ग्रोथ में इक्विटी फंड्स का दबदबा कायम रहा, जो कुल एयूएम का 60.19 प्रतिशत है। दिसंबर तिमाही में म्युचुअल फंड्स में 198 हजार करोड़ का नेट इनफ्लो आया, जिसमें सक्रिय इक्विटी और फ्लेक्सी कैप फंड्स प्रमुख रहे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की एसेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री ने पिछले 10 वर्षों में 6 गुना से अधिक की शानदार वृद्धि दर्ज की है। दिसंबर 2014 में जहां इसका एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 10.51 लाख करोड़ था, वह दिसंबर 2024 तक बढ़कर 66.93 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एएमयू) में सबसे बड़ा हिस्सा 60.19 प्रतिशत के साथ इक्विटी फंड्स का है। इसके बाद 26.77 प्रतिशत डेट फंड्स में, 8.58 प्रतिशत हाइब्रिड फंड्स में और 4.45 प्रतिशत अन्य निवेश विकल्पों में है। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि निवेशकों की पहली पसंद अभी भी इक्विटी फंड्स बने हुए हैं। दिसंबर तिमाही में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने 198 हजार करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया, जिसमें सबसे अधिक योगदान इक्विटी फंड्स का रहा, खासतौर पर एक्टिव सेगमेंट में।

प्रगति यात्रा के चौथे चरण में रणग्राम पहुंचे मुख्यमंत्री नितिश कुमार

लाभार्थियों को वितरित किए चेक

मुंगेर। प्रगति यात्रा के चौथे चरण में आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुंगेर के तारापुर में रणग्राम के आरएनएम स्कूल पहुंचे, जहां उन्होंने धोबाई पंचायत के रण ग्राम के विभिन्न विभागों के स्टॉल, आंगनवाड़ी केंद्र, जीविका, मध्य विद्यालय की स्मार्ट क्लास का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग द्वारा चुने गए पांच लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाभी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन के लिए खुसबीदेवी को डेढ़ लाख का चेक और दुग्ध उत्पादन के तहत रूबी देवी को डेढ़ लाख रुपए का चेक दिया। इसके साथ ही जीविका द्वारा रोजगार कर रही अन्य महिला को भी चेक दिया गया। परिवहन विभाग द्वारा दो लाभार्थियों को बस प्रदान की गई। वहीं मुंगेर महोत्सव द्वारा मैराथन दौड़ में जीती प्रतिभागी खिलाड़ी को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा 1492 जीविका समूह को 6 करोड़ 18 लाख का चेक प्रदान किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिवगंगा का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आप जानते हैं कि हम लोगों ने मुंगेर जिले में विकास का काफी काम कराया है। फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गयी है, उसे पूरा किया जाएगा। 1. तारापुर में रिंग-रोड का निर्माण किया जाएगा। इसके अंतर्गत तारापुर शहर के दोनों तरफ पूरब और पश्चिम में बाईपास का निर्माण किया जाएगा। 2. रणगांव-भगलपुरा पथ से धौनी वाया विसय में बाईपास का निर्माण 3.

बंशीपुर से बिहमा तक (वाया धोबई, गोगाचक, तेलडीहा मंदिर, मोहनगंज और बिहमा मोड़) बाईपास पथ का निर्माण। इससे लोगों को यातायात में काफी सुविधा होगी और जाम से निजात मिलेगी। 4. ऋषि कुंड पर्यटक स्थल का विकास किया जाएगा। इस स्थल को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित किए जाने से पर्यटक ऋषि कुंड आने के लिए आकर्षित होंगे और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। (पथ निर्माण विभाग) 5. कष्टहरनी घाट का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर अवस्थित ऐतिहासिक धरोहर कष्टहरणी घाट पर प्रतिदिन सुबह और संध्या काल में बड़ी संख्या में लोगों का आगमन होता है। इस घाट के सौंदर्यीकरण कार्य से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। (नगर विकास एवं आवास विभाग) 4. वासुदेवपुर चौराहा से आई.टी.सी. पार्क चंडी स्थान नया गांव सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह मार्ग चण्डीस्थान मंदिर परिसर तक जाने वाला एकमात्र मुख्य मार्ग है, जहां पूजा-अर्चना करने के लिए आमजनों के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु आते हैं। इस सड़क के निर्माण होने से यात्रियों और श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। (पथ निर्माण विभाग) 5. नगर निगम कार्यालय से शास्त्री चौक भाया जुबलीवेल कालीताजिया जे०पी० चौक तक सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह मार्ग व्यावसायिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस सड़क के पास व्यावसायिक प्रतिष्ठान, बैंक, निजी चिकित्सीय संस्थान, दवा व्यवसायी, पेट्रोल पंप, रेस्टोरेंट इत्यादि अवस्थित हैं। इसके निर्माण होने से लोगों को काफी सुविधा होगी। (पथ निर्माण विभाग) 6. कोणार्क रोड चौक से अम्बे चौक पूरबसराय-तिनवटिया सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह पथ जमालपुर जानेवाला वनवे मार्ग है, जिसके कारण वाहनों का आवागमन लगातार होता रहता है। इस क्षेत्र के पास पुलिस लाईन, मुंगेर विश्वविद्यालय, कॉलेज भी अवस्थित हैं। इस सड़क के निर्माण होने से लोगों को काफी सुविधा होगी। 7. मुंगेर जिलान्तर्गत बिहार योग विश्वविद्यालय से ठल-3338 तक फोरलेन रिंग रोड एवं पहुंच पथ का निर्माण किया जाएगा। इससे यहां आने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। (पथ निर्माण विभाग) 8. संग्रामपुर प्रखंड के पतघाघर के पास उपलब्ध 300 एकड़ सरकारी भूमि पर औद्योगिक पार्क का निर्माण किया जाएगा। इससे उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार का सृजन होगा।

परीक्षार्थियों से भरी गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर, 10 घायल

सीवान । इंटर की परीक्षा देने जा रही छात्राओं से भरी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार गुठनी से सभी लोग वीएम इंटर कॉलेज जा रहे थे। इस बीच मैरवा की तरफ से आ रहे एक बेकाबू ट्रक ने बोलेरो में टक्कर मार दी। हादसे में कुल 10 छात्राएं घायल हो गई। घटना गुठनी चौराहे के पास की है। घायल छात्राओं को पहले गुठनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां डॉक्टर नीरज कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सिवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया। एम्बुलेंस से सभी छात्राओं को सीवान पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल छात्राओं में सोनाली कुमारी (पिता महंथ प्रजापति), मीतू कुमारी (पिता मुसाफिर राम), मौसम कुमारी यादव (पिता रामाधार यादव), रागिनी कुमारी (पिता हरिकृष्ण भगत) और अनु कुमारी (पिता जितेंद्र राम) सहित अन्य छात्राएं शामिल है। गुठनी थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह के अनुसार, सभी छात्राओं को मामूली चोट लगी है और उनकी स्थिति ठीक है। पुलिस फिलहाल ट्रक चालक को खोज रही है।

सीएम नीतीश कुमार के गढ़ में घुसकर लालू यादव ने किया एलान

कहा: तेजस्वी यादव को बनाएंगे मुख्यमंत्री

नालंदा। विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी राजनीतिक दल जुट गए हैं। राष्ट्रीय जनता दल भी इसमें कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार यात्रा कर रहे। इधर, उनके पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में सभा को संबोधित किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के गढ़ में बड़ा एलान करते हुए कहा कि हमलोग हर हाल में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों इकट्ठा होकर इस देश में अपनी सरकार बनानी है। आपलोग कहीं किसी के सामने सिर नहीं झुकाना और ना हमने झुकाया है और न आपलोग किसी के सामने झुकना। नालंदा के इस्लामपुर

विधानसभा के पूर्व विधायक स्वर्गीय कृष्ण बल्लभ प्रसाद की 24वीं पुण्यतिथि पर पहुंचे लालू प्रसाद ने कहा कि मैं आप लोगों ने अपील करता हूं कि आपलोग इस देश की रक्षा के लिए हम सब एक साथ खड़ा रहे। हम सरकार बनाएंगे। तेजस्वी यादव को हर हाल में हम लोग मुख्यमंत्री बनाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपया खाते में हम लोग डालेंगे। जैसे झारखंड में डाला है और बिजली फ्री, रोजगार भी मिलेगा, नौकरी भी हम लोग देंगे। हम जो बोलते हैं वह करते हैं। जो कहते हैं वह करना चाहिए। इस्लामपुर विधायक राकेश रोशन बढ़िया काम कर रहे हैं और करते रहेंगे। बता दें कि यह कार्यक्रम इस्लामपुर विधायक राकेश कुमार रोशन के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित की गई थी। जिसमें राजद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, भारत सरकार के पूर्व मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव तथा राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव भी आए थे। इधर, अपने नेता लालू प्रसाद यादव को सुनने और देखने के लिए बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता भी खानकाह हाई स्कूल के मैदान में पहुंचे थे। राजद सुप्रीमो इस मौके पर कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई हम सभी आपस में भाई हैं। स्वर्गीय कृष्ण बल्लभ प्रसाद जी के पुत्र राकेश कुमार रोशन निमंत्रण देने पहुंचे थे। हमने एक क्षण भी इनके निमंत्रण को स्वीकार करने में नहीं लगाया और आज हम कृष्ण बल्लभ प्रसाद जी को माल्यार्पण करने उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं।

पटना प्रशासन ने वैशाली एसपी को दिया फीडबैक

बालू ट्रकों को रोकने में इंट्री माफिया सक्रिय, नहीं हो रहा टू-लेन परिचालन

पटना। महात्मा गांधी सेतु पर जाम से निजात नहीं मिल रही है। इसकी वजह वैशाली में बालू ट्रकों को रोकने के लिए सक्रिय इंट्री माफिया हैं।

सड़क मरम्मत का कार्य चलने की वजह से टू-लेन गाड़ियों का परिचालन हो रहा है। ऐसे ही सड़क के एक लेन पर कोई ट्रक खड़ा कर दिया जा रहा है। इसका असर पटना में पड़ रहा है। महात्मा गांधी सेतु से लेकर फतुहा-दनियावां तक गाड़ियों की लंबी कतार लग रही है। इस तरह की गड़बड़ी की सूचना मिलने के बाद पटना जिला प्रशासन ने वैशाली डीएम और एसपी को फीडबैक दिया है।

इसके साथ ही कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। महात्मा गांधी सेतु को जाम से निजात दिलाने के लिए पटना जिला प्रशासन ने समय और गाड़ियों की संख्या घटाई है। पहले रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक 1000 बालू ट्रक को महात्मा गांधी सेतु पार कराया जा रहा था। अब रात 12 बजे से सुबह 3 बजे तक 500 ट्रकों को पार कराने का निर्णय लिया गया है। लेकिन, फिर भी जाम से निजात नहीं मिल रही है, क्योंकि वैशाली की ओर से गाड़ियों का परिचालन सामान्य नहीं हो रहा है। इधर, पटना जिला प्रशासन ने पथ निर्माण विभाग को गायघाट के समीप पीपापुल बनाने का प्रस्ताव दिया है।

वैशाली डीएम और एसपी को पत्र भेजा गया

वैशाली जिले में ट्रकों का परिचालन सामान्य रखने के लिए पटना जिला प्रशासन के द्वारा वैशाली डीएम और एसपी को पत्र भेजा गया है। ताकि, महात्मा गांधी सेतु पर जाम मुक्त परिचालन हो सके।

-डॉ. चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी, पटना

जाम लगने की स्थिति में छोटी गाड़ियों का परिचालन प्रभावित नहीं हो सके। 29 जनवरी को देर शाम होने वाली बैठक के दौरान ट्रैफिक एसपी ने महात्मा गांधी सेतु के नीचे पीपापुल बनाने का प्रस्ताव दिया था। जिला प्रशासन ने प्रस्ताव पर सहमति देने के साथ पीपापुल बनाने के लिए पथ निर्माण विभाग को पत्र भेजा है। पटना जिला प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक कोइलवर से बालू ट्रकों के परिचालन को नियंत्रित किया जा रहा है। इसी तरह गांधी सेतु पर भी बालू ट्रकों को नियंत्रित किया गया है। लेकिन, सारण और वैशाली जिले में सड़कों पर सामान्य परिचालन नहीं होने से जाम की समस्या बन हुई है। ऐसे में बालू ट्रकों का परिचालन और कम कराया जाए तो उत्तर बिहार के साथ अन्य राज्यों में बालू की किल्लत शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही निर्माण सामग्री महंगी होने से महंगाई बढ़ेगी।

बथान में सोए बुजुर्ग पर धारदार हथियारों से हमला

वैशाली। जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के जारंग धर्मपुर गांव में एक बुजुर्ग की धारदार हथियार से काटकर निर्मम हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान मुरली झा के रूप में हुई है, जो अपने बथान में सोए हुए थे।घटना के बारे में बताया जा रहा है कि मुरली झा रोज की तरह अपने बथान में सो रहे थे, तभी अज्ञात बदमाशों ने उन पर हमला कर धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी। सुबह जब आसपास के लोगों को इस घटना की जानकारी मिली तो इलाके में हड़कंप मच गया और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।घटना की सूचना मिलते ही बेलसर थाना पुलिस और सदर एसडीओपी 2 गोपाल मंडल मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर भेज दिया है। हालांकि हत्या के पीछे की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।जानकारी के अनुसार मृतक मुरली झा अपनी पत्नी के साथ वहां रहते थे, जबकि उनके बच्चे बाहर काम करते हैं। उनके घर से सटा हुआ बथान था, जहां वे रोजाना सोते थे, घटना के समय उनकी पत्नी घर के अंदर सो रही थीं। बहरहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इसी कारण स्थानीय लोग भी इस निर्मम हत्या से स्तब्ध हैं। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर एंगल से जांच कर रही है।

संक्षिप्त डायरी

40 लाख की नशीली दवाएं और गांजे की तस्करी करने जा रही थी महिला, सुपौल में एसएसबी ने पकड़ा

सुपौल। जिले के भीमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ठूठी में बथनाहा एसएसबी की 56वीं बटालियन एवं बीओपी घुरना की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद की हैं। बरामद प्रतिबंधित दवाओं की कीमत रैपर पर लिखे मूल्य के अनुसार 10 लाख रुपए है। हालांकि नेपाल के सीमावर्ती बाजारों में अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपए बताई जा रही है। छापेमारी के दौरान 3498 बोतल कोडीन युक्त कफ सीरप, 9458 नशीली टेबलेट, 399 नशीली सुई और 900 ग्राम गांजा बरामद किया गया। ये दवाएं 16 कार्टन में पैक थी और कुछ बोतलें अनाज रखने के ड्रम में छिपाकर रखी गई थी। एसएसबी की स्पेशल क्विक रेस्पॉन्स टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। बताया गया कि यह छापेमारी कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम के निर्देशन एवं सहायक कमांडेंट अर्जुन अदनूर के नेतृत्व में की गई। पंचायत के वार्ड नंबर 09 में रमेश मेहता के आवासीय परिसर में की गई छापेमारी के दौरान गृहस्वामी सह अवैध कारोबारी फरार हो गया, जबकि उसकी पत्नी अनिता कुमारी को एसएसबी ने हिरासत में लिया। दोनों नशीली दवाएं और गांजे को तस्करी के लिए लेकर जा रहे थे। गिरफ्तार महिला एवं बरामद सामग्रियों को भीमपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। छापेमारी टीम में एसआई अंकित चौधरी, एएसआई चैना राम, सुबोध कुमार सिंह, राजीव कुमार, अनुराग कुमार सिंह, अविनाश कुमार सिंह, बच्चू सिंह, अमरकांत कुमार, हरिशंकर प्रसाद, केशव कुमार सिंह, सुभाष सिंह, मनीष कुमार, विक्रम सिंह, मुकेश मीणा, अश्विनी कुमार, राम निवास, अशोक कुमार, विमल, स्वराज राजू, सिद्ध देवा समेत महिला टीम की सूजा यूटी, कोमल कुमारी, रत्ना देवनाथ, रितु कुमारी, आयुषी प्रिया, अमलेश मरियारे आदि शामिल थे। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती इलाकों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

बेगूसराय में नदी में उपलाता हुआ विवाहिता का शव बरामद

बेगूसराय। जिले के बछवाड़ा थाना क्षेत्र के रानी पंचायत-3 स्थित बाया नदी के गोला घाट के समीप आज एक अज्ञात विवाहिता का शव पानी में तैरता हुआ मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। जानकारी के अनुसार,स्थानीय लोगों ने जब नदी में शव को तैरते हुए देखा तो तुरंत बछवाड़ा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। शव की स्थिति देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि विवाहिता की मौत 4-5 दिन पहले हुई होगी। शव के दोनों पैर बंधे हुए थे, जिससे आशंका जताई जा रही है कि विवाहिता को हत्या कर नदी में फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। पहचान के लिए शव की तस्वीरें विभिन्न क्षेत्रों में सकुर्लेट की जा रही हैं। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर गहराई से जांच कर रही है, जिसमें हत्या, आत्महत्या या अन्य संभावनाओं को ध्यान में रखा जा रहा है। बछवाड़ा थाना के पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि शव की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, घटना से जुडी पूरी जानकारी पता लगाने के लिए जांच जारी है।

घर में लगी आग में झुलसने से मामा-भांजी की मौत

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र के पठानटोली गरम चौक में एक घर में आग लगने से पेट्रोल पंप कर्मी और उसकी भांजी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घर में पेट्रोल रखे होने के कारण आग लग गई। जब तक घर के लोग संभल पाते तब तक पूरे घर में आग फैल गई। घर में मौजूद लोगों ने निकलने की कोशिश की। लेकिन, सफल नहीं हो पाए। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक महिला बाल-बाल बच गई। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मंगलवार रात इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी गई। इधर, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे कांटी थाने की पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने डेढ़ घंटे तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। मरने वालों लोगों की पहचान बतरौल मोतीपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला मिथलेश राय (35) और उसकी भांजी कुमारी (17) के रूप में हुई। वह अपने मामा के पास में रहकर शहर के एक परीक्षा केंद्र पर परीक्षा दे रही थी। मिथिलेश पेट्रोल पंप में बतौर एक नोजलमैन काम करता थ। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजन में चित्कार मच गया है।

पवन सिंह की पत्नी ने चुनाव लड़ने का किया ऐलान

सासाराम (रोहतास)। भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने मंगलवार को कहा कि वह 2025 के विधानसभा चुनाव में जरूर उतरेंगी। इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने किसी सीट का तो ऐलान नहीं किया लेकिन फिलहाल वह काराकाट और डेहरी विधानसभा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। रोहतास के सूर्यपुरा में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने आगे कहा कि वह कहां से चुनाव लड़ेंगी यह तो पार्टी तय करेगी। तब तक कुछ भी पक्के तौर से कहने को लेकर उन्होंने मना कर दिया। ज्योति सिंह की माने तो फिलहाल कई राजनीतिक दलों से उनकी बातचीत चल रही है। समय की कमी के कारण वह पटना नहीं जा पा रही है। जैसे ही किसी पार्टी से मीटिंग होगी, वह अपनी सीट का ऐलान कर देंगी। बता दे कि वह एक निजी

स्कूल के उद्घाटन समारोह में शामिल होने जा रही थी। इस बीच सूर्यपुरा के बंगला चौक पर युवा समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इसके अलावा लोगों की माने तो ज्योति सिंह काराकाट और डेहरी विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में शादी-तिलक और अन्य कार्यक्रमों में लगातार शामिल हो रही है। वहीं मनोज तिवारी के पवन सिंह पर लगाए गए एक आरोप को लेकर जब उनसे सवाल पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी बोलना से मना कर दिया। मालूम हो कि लोकसभा चुनाव के दौरान ज्योति सिंह ने काराकाट लोकसभा के सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया था। चुनाव में पवन सिंह को 2.78 लाख वोट मिले थे। तब से वह काराकाट और डेहरी विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय है। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर महीने में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारों में ज्योति सिंह की संभावित उम्मीदवारी को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

समस्तीपुर से पटना की दूरी 65 किमी.

जिले के 26 गांवों से गुजर रहा बिहार का पहला एक्सप्रेस-वे, लोगों को मिलेगी कई सुविधाएं

समस्तीपुर। बिहार का पहला एक्सप्रेसवे समस्तीपुर से होकर गुजर रहा है। जिससे पटना और दरभंगा की दूरी काफी कम हो जाएगी और दोनों हवाई अड्डे एक ही रूट पर जुड़ जाएंगे। यह एक्सप्रेस वे जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। जो समस्तीपुर जिले के 26 गांवों से होकर गुजरेगा। समस्तीपुर शहर के लोग एक्सप्रेसवे पर चढ़ने के लिए ताजपुर रोड के छठे किलोमीटर पर कनेक्टिविटी पा सकेंगे। फिलहाल, एक्सप्रेसवे का निर्माण युद्ध स्तर पर जारी है।

एक्सप्रेस वे से संबंधित विस्तृत जानकारी डीडीसी संदीप शेखर प्रियदर्शी ने दी। डीडीसी संदीप शेखर प्रियदर्शी ने बताया कि NHAI इस सड़क का निर्माण करा रही है और जरूरत के हिसाब से भूमि का अधिग्रहण भी पूरा कर लिया गया है। इस सड़क के बन

जाने से समस्तीपुर के लोगों को पटना और दरभंगा दोनों की दूरी कम करने में मदद मिलेगी और सफर ज्यादा सुगम होगा। एक्सप्रेसवे के निर्माण से समस्तीपुर और आसपास के जिलों में विकास के नए दरवाजे खुलेंगे और लोगों के लिए यातायात और आसान हो जाएगा। सड़क के पूरा होने के बाद समस्तीपुर से पटना की दूरी 100 किलोमीटर से घटकर सिर्फ 65 किलोमीटर रह जाएगी। वहीं, दरभंगा हवाई अड्डे की दूरी भी घटकर मात्र 35 किलोमीटर रह जाएगी। इससे समस्तीपुर के अलावा वैशाली, पटना, गया, जहानाबाद और औरंगाबाद के लोगों को भी फायदा मिलेगा। पटना, दरभंगा और गया हवाई अड्डे अब एक ही रूट पर होंगे, जिससे सफर और आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि औरंगाबाद-दरभंगा एनएच-119 डी के पैकेज-3 के तहत इस एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है। यह सड़क जिले के 28 गांवों से होकर गुजरेगी। इससे आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और इलाके में विकास के नए रास्ते खुलेंगे। भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत यह सड़क असम से गया और समस्तीपुर होते हुए 209 किलोमीटर तक बनाई जा रही है। इस परियोजना के चार पैकेज हैं, जिसमें तीसरे पैकेज में वैशाली से समस्तीपुर और चौथे पैकेज में समस्तीपुर से दरभंगा के बीच काम जारी है। समस्तीपुर शहर के लोग आसानी से एक्सप्रेसवे तक पहुंच सकें, इसके लिए ताजपुर रोड के छठे किलोमीटर पर लिंक रोड बनाया जा रहा है। इससे शहर के लोगों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और ताजपुर रोड के जाम से भी राहत मिलेगी, जो अक्सर भोला टॉकीज के पास जाम की समस्या से जूझता है। एक्सप्रेसवे का निर्माण बूढ़ी गंडक नदी पार करने के बाद कल्याणपुर प्रखंड के मुसेपुर गांव से शुरू होकर खरसर पूर्वी के पंचवटी चौक तक तेजी से किया जा रहा है। जल निकासी के लिए नाले और ड्रेनेज सिस्टम को भी दुरुस्त किया जा रहा है। पुल और पुलिया के निर्माण का काम भी तेजी से चल रहा है। बता दें कि हाल ही में समस्तीपुर के जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने निमार्णाधीन एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया और काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं, तांती और बागमती नदी पर बन रहे पुलों का निर्माण भी तेजी से जारी है।

देहरादून, देहरादून जिले का मुख्यालय है जो भारत की राजधानी दिल्ली से 230 किलोमीटर दूर दून घाटी में बसा हुआ है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश राज्य को विभाजित कर जब उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया था, उस समय इसे उत्तराखण्ड (तब उत्तरांचल) की अंतरिम राजधानी बनाया गया। देहरादून नगर पर्यटन, शिक्षा, स्थापत्य, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसका विस्तृत पौराणिक इतिहास है।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध

देहरादून

इतिहास

देहरादून का इतिहास कई सौ वर्ष पुराना है। देहरादून से 56 किलोमीटर दूर कालसी के पास स्थित शिलालेख से इस पर तीसरी सदी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक का अधिकार होने की सूचना मिलती है। देहरादून ने सदा से ही आक्रमणकारियों को आकर्षित किया है। खलीलुल्लाह खान के नेतृत्व में 1654 में इस पर मुगल सेना ने आक्रमण किया था। सिरमोर के राजा सुभाक प्रकाश की सहायता से खान गढ़वा के राजा पृथ्वी शाह को हराने में सफल रहे। गद्दी से अपदस्थ किए गए राजा को इस शर्त पर गद्दी पर आसीन किया गया कि वे नियमित रूप से मुगल बादशाह शाहजहाँ को कर चुकाया करेंगे। इसे 1772 में गुज्जरों ने लूटा था। तत्कालीन राजा ललत शाह जो पृथ्वी शाह के वंशज थे, की पुत्री की शादी गुलाब सिंह नामक गुज्जर से की गई थी। गुलाब सिंह के पुत्र का नियंत्रण देहरादून पर था और उनके वंशज इस समय भी नगर में मिल सकते हैं। गढ़वाल के राजा ललत शाह के पुत्र प्रदुमन शाह के शासन काल में रोहिल्ला नजीब के पोते गुलाम कादिर के नेतृत्व में अफगानों का आक्रमण हुआ। जिसमें उसने गुरू राम राय के अनुयायियों और शिष्यों को मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों ने हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय लिया, उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन अन्य लोगों के साथ बहुत निमर्मतापूर्वक व्यवहार किया गया। सहारनपुर के राज्यपाल और अफगान प्रमुख नजीबुदौल्ला भी देहरादून को अपने अधिकार में करने के उद्देश्य में सफल रहा उसके बाद देहरादून पर गुज्जरों, सिक्खों, राजपूतों और गोरखाओं के लगातार आक्रमण हुए और यह उपजाऊ और सुंदर भूमि शीघ्र ही बंजर स्थल में बदल गई। 1783 में एक सिक्ख प्रमुख बुघेल सिंह ने देहरादून पर आक्रमण किया और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के सहजता से इस क्षेत्र को जीत लिया। 1786 में देहरादून पर गुलाम कादिर का आक्रमण हुआ। उसने पहले हरिद्वार को लूटा और फिर देहरादून पर कहर बरपाया। उसने नगर पर आक्रमण किया और उसे जमकर लूटा तथा बाद में देहरादून को बर्बाद कर दिया। 1801 तक अमर सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा ने दून घाटी पर आक्रमण किया और उस पर अधिकार कर लिया। 1814 में नालापानी के लिए अमर सिंह थापा के पोते बालभद्र सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा और जनरल जिलेस्पी के नेत्वृत्व में ब्रिटिश के बीच युद्ध हुआ। गोरखाओं ने इस लड़ाई में जमकर बराबरी कि और जनरल समेत कई ब्रिटिश सेनाओं को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। इस बीच गोरखाओं को एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें नालापानी के किले को छोड़ कर जाना पड़ा। 1815 तक गोरखाओं को हरा कर ब्रिटिश शासन ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। देहरादून के दो स्मारक प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक कलंगा स्मारक का निर्माण ब्रिटिश जनरल गिलेस्पी और उसके अधिकारियों की स्मृति में कराया गया है। दूसरा स्मारक गिलेस्पी से लोहा लेनेवाले कैप्टन बलभद्र सिंह थापा और उनके गोरखा सिपाहियों की स्मृति में बनवाया गया है। कालंगा गढ़ी सहस्त्रधारा सड़क पर स्थित है। घंटा घर से इसकी दूरी 4.5 किलोमीटर है। इसी वर्ष देहरादून तहसील के वर्तमान क्षेत्र को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया। इसके बाद 1825 में इसे कुमाऊँ मण्डल को हस्तांतरित कर दिया गया। 1828 में अलग-अलग उपायुक्त के प्रभार के अंतर्गत देहरादून और जॉनसार बवार हस्तांतरित कर दिया गया और 1829 में देहरादून जिले को मेरठ खण्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। 1842 में देहरादून को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया और इसे जिलाधीश के अधिनस्थ एक अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। 1871 से यह एक अलग जिला है। 1968 में इस जिले को मेरठ खण्ड से अलग करके गढ़वा खण्ड से जोड़ दिया गया।

देहरादून और कुछ महत्वपूर्ण स्थानों के बीच की दूरी

दिल्ली - 240 किमी
यमुनोत्री - 279 किमी
मसूरी - 35 किमी
नैनीताल - 297 किमी
हरिद्वार - 54 किमी
शिमला - 221 किमी
ऋषिकेश - 67 किमी
आगरा - 382 किमी
रुड़की - 43 किमी

रेल: देहरादून उत्तरी रेलवे का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारत के लगभग सभी बड़े शहरों से सीधी ट्रेनों से जुड़ा हुआ है। ऐसी कुछ प्रमुख ट्रेनें हैं- हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस, चेन्नई- देहरादून एक्सप्रेस, दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस, बांद्रा-देहरादून एक्सप्रेस, इंदौर- देहरादून एक्सप्रेस आदि।

वायु मार्ग: जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून से 25 से किलोमीटर है। यह दिल्ली एयरपोर्ट से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। एयर डेक्कन दोनों एयरपोर्टों के बीच प्रतिदिन वायु सेवा संचालित करती है।

जलवायु : देहरादून की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां का तापमान 16 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जहां शीत का तापमान 2 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में औसतन 2073.3 मिलिमीटर वर्षा होती है। अधिकांश वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है। अगस्त में सबसे अधिक वर्षा होती है।

नगर के विषय में: राजपुर मार्ग पर या डालनवाला के पुराने आवासीय क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर सड़क से देहरादून शुरु हो जाता है। सड़क के दोनों किनारे स्थित चौड़े बरामदे और सुन्दर ढालदार छतों वाले छोटे बंगले इस शहर की पहचान हैं। इन बंगलों के फलों से लदे हुए पेड़ों वाले बगीचे बरबस ध्यान आकर्षित करते हैं। घण्टाघर से आगे तक फैलाहुआ रंगीन पलटन बाजार यहाँ का सर्वाधिक पुराना और व्यस्त बाजार है। यह बाजार तब अस्तित्व में आया जब 1820 में ब्रिटिश सेना की टुकड़ी को आने की आवश्यकता पड़ी। आज इस बाजार में फल, सब्जियां, सभी प्रकार के कपड़े, तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स) जूते और घर में प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुयें मिलती हैं। इसके स्टोर माल, राजपुर सड़क तक है जिसके दोनों ओर विश्व के लोकप्रिय उत्पादों के शो रूम हैं। अनेक प्रसिद्ध रेस्तरां भी राजपुर सड़क पर है। कुछ छोटी आवासीय बस्तियाँ जैसे राजपुर, क्लेमेंट टाउन, प्रेमनगर और रायपुर इस शहर के पारंपरिक गौरव हैं।

देहरादून के राजपुर मार्ग पर भारत सरकार की दृष्टिबाधितों के लिए स्थापित पहली और एकमात्र राष्टीय स्तर की संस्था राष्टीय दृष्टिबाधित संस्थान (एन.आई.वी.एच.) स्थित है। इसकी स्थापनी 19वीं सदी के नब्बे के दशक में विकलांगों के लिए स्थापित चार संस्थाओं की श्रंखला में हुआ जिसमें राष्टीय दृष्टिबाधित संस्था के लिए देहरादून का चयन किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, ब्रेल पुस्तास्तलय एवं ध्वन्यांकित पुस्तकों का पुस्तकालय भी स्थापित किया गया है। इसके कर्मचारी इसके अन्दर रहते हैं इसके अतिरिक्त (तेज यादगार) शार्प मेमोरियल नामक निजी संस्था राजपुर में हैं ये दृष्टि अपंगता तथा कानों सम्बन्धि बजाज संस्थान तथा राजपुर सड़क पर दूसरी अन्य संस्थाये बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड सरकार का एक और नया केन्द्र है। करूणा विहार, बसन्त विहार में कुछ कार्य शुरू किये है। तथा गहनता से बच्चों के लिये कार्य कर रहें है तथा कुछ नगर के चारों ओर केन्द्र है। देहरादून राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र है। रिस्पना ब्रिज शायर गृह डालनवाला में हैं। जो मानसिक चुनौतियों के लिए कार्य करते है। मानसिक चुनौतियों के लिए काम करने के अतिरिक्त राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र ने टी.बी व अधरंग के इलाज के लिये भी अस्पताल बनाया। अधिकाँश संस्थायें भारत और विदेश से स्वेच्छा से आने वालो को आकर्षित तथा प्रोत्साहित करती है। आवश्यकता विहीन का कहना है कि स्वेच्छा से काम करने वाले इन संस्थाओं को ठीक प्रकार से चलाते है। तथा अयोग्य, मानसिक चुनौतियो और कम योग्य वाले लोगो को व्यक्तिगत रूप से चेतना देते है।

देहरादून अपनी पहाड़ियों और ढलानों के साथ-साथ साईकिलिंग का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। चारों ओर पर्वतों और हरियाली से घिरा होने के कारण यहाँ साईकिलिंग करना बहुत सुखद है। लीची देहरादून का पर्यायवाची है क्योंकि यह स्वादिष्ट फल चुनिंदा जलवायु में ही उगता है। देहरादून देश की उन जगहों में से एक है जहाँ लीची उगती है। लीची के अतिरिक्त देहरादून के चारों ओर बेर, नाशपत्ती, अमरूद और आम के पेड़ है। जो नगर की बनावट को घेरे हुये है। ये सारी चीजें घाटी के आकर्षण में वृद्धि करती है। यदि मई माह या जून के शुरू की गर्मियों में भ्रमण के लिये जाएं तो तुम इन फलों को केवल देखेंगे ही नहीं बल्कि खरीदेंगे भी। बासमती चावल की लोकप्रियता देहरादून या भारत में ही नही बल्कि विदेशों में भी है। एक समय अंग्रेज भी देहरादून में रहते थे और वे नगर पर अपना प्रभाव छोड़ गये। उदाहरण के रूप में देहरादून की बैकरीज (बिस्कुट आदि) आज भी यहाँ प्रसिद्ध है। उस समय के अंग्रेजों ने यहाँ के स्थानीय स्टाफ को सेंकना सिखाया। यह निपुणता बहुत अच्छी सिद्ध हुई तथा यह निपुणता अगली संतति सन्तान में भी आयी। फिर भी देहरादून के रहने वालो के लिये यहाँ के स्थानीय रस्क, केक, होट क्रोस बन्स, पेस्टिज और कुकीज मित्रों के लिये सामान्य उपहार है, कोई भी ऐसी नही बनाता जैसे देहरादून में बनती है। दूसरा उपहार जो पर्यटक यहाँ से ले जाते है विख्यात क्वालिटी की टॉफी जोकि क्वालिटी रेस्टोरेन्ट (गुणवत्ता वाली दुकानों) से मिलती हैं। यद्यपि आज बडी संख्या में दूसरी दुकानों (स्टोर) से भी ये टॉफी मिलती है परन्तु असली टॉफी आज भी सर्वोतम है। देहरादून में आनंद के और बहुत से पर्याप्त विकल्प है।

सड़क मार्ग

देहरादून देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां पर किसी भी जगह से बस या टेक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी तरह की बसें, (साधारण और लक्जरी) गांधी बस स्टैंड जो दिल्ली बस स्टैंड के नाम से जाना जाता है, यहां से खुलती हैं। यहां पर दो बस स्टैंड हैं। देहरादून और दिल्ली, शिमला और मसूरी के बीच डिलक्स/ सेमी डिलक्स बस सेवा उपलब्ध है। ये बसें क्लेमेंट टाउन के नजदीक स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस से चलती हैं। दिल्ली के गांधी रोड बस स्टैंड से एसी डिलक्स बसें (वोल्वो) भी चलती हैं। यह सेवा हाल में ही यूएएसआरटीसी द्वारा शुरू की गई है। आईएसबीटी, देहरादून से मसूरी के लिए हर 15 से 70 मिनट के अंतराल पर बसें चलती हैं। इस सेवा का संचालन यूएएसआरटीसी द्वारा किया जाता है। देहरादून और उसके पड़ोसी केंद्रों के बीच भी नियमित रूप से बस सेवा उपलब्ध है।

दर्शनीय स्थल

तपकेश्वर मंदिर -यह मंदिर सिटी बस स्टैंड से 5.5 कि.मी. की दूरी पर गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक छोटी नदी के किनारे बना है। सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। यहां एक गुफा में स्थित शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदे टपकती रहती हैं। शिवरात्रि के पर्व पर आयोजित मेले में लोग बड़ी संख्या में यहां एकत्र होते हैं और यहां स्थित शिव मूर्ति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

मालसी डियर पार्क-देहरादून से 10 कि.मी. की दूरी पर मसूरी के रास्ते में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है जो शिवालिक श्रंखला की तलहटी में स्थित है। मालसी डियर पार्क एक छोटा सा चिड़ियाघर है जहां बच्चों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक पार्क भी विकसित किया गया है। सुंदर वातावरण के कारण यहां ताज़गी का अहसास होता है जिससे यह एक आदर्श दर्शनीय-स्थल और पिकनिक-स्पॉट बन चुका है। सहस्त्रधारा सल्फर मिश्रित पानी का झरना है, जिसका औषधिय महत्त्व भी है। बाल्डी नदी और यहां की गुफाएं एक रोमांचक दृश्य उत्पन्न करती हैं। बस स्टैंड से 14 कि.मी. की दूर, यहां नियमित बस सेवा और टैक्सियों द्वारा पहुंचा जा सकता है। यह पिकनिक के लिए एक अच्छा स्थान है।

कलंगा स्मारक-देहरादून-सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित यह स्मारक ब्रिटिशों और गोरखाओं के बीच 180 वर्ष पहले हुए युद्ध में बहादुरी की गाथाएं याद दिलाता है। रिसपाना नदी के किनारे पहाड़ी पर 1000 फुट की ऊंचाई पर बना यह स्मारक गढ़वाली शासकों के इतिहास को दर्शाता है।

लक्ष्मण सिद्ध-ऋषिकेश की ओर देहरादून से 12 कि.मी. दूर यह एक प्रसिद्ध मंदिर है। किंवदंती है कि एक साधु ने यहां समाधि ली थी। मंदिर तक सुलभता से पहुंच होने के कारण विशेषकर रविवार को यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं।

चन्द्रबदनी- देहरादून-दिल्ली मार्ग पर देहरादून से 7 कि.मी. दूर यह मंदिर चन्द्रबदनी(गौतम कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस स्थान पर महर्षि गौतम अपनी पत्नी और पुत्री अंजनी के साथ निवास करते थे. इस कारण मंदिर में इनकी पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्ग-पुत्री गंगा इसी स्थान पर अवतरित हुई, जो अब गौतम कुंड के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाते हैं। मुख्य सड़क से 2 कि.मी. दूर, चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों के मध्य में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है।

साईं दरबार-राजपुर रोड पर शहर से 8 कि.मी. की दूरी पर घंटाघर के समीप साईं दरबार मंदिर है। इसका बहुत अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व है तथा देश-विदेश से दर्शनार्थी यहां आते हैं। साईं दरबार के समीप राजपुर रोड पर ही भगवान बुद्ध का बहुत विशाल और भव्य तिब्बती मंदिर है।

रॉबर्स केव (गुच्छूपानी)- पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान रॉबर्स केव सिटी बस स्टैंड से केवल 8 कि.मी. दूर है। हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर लच्छीवाला-डोईवाला से 3 कि.मी. और देहरादून से 22 कि.मी. दूर है। सुंदर दृश्यावली वाला यह स्थान पिकनिक-स्पॉट है। यहां हरे-भरे स्थान पर फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था है।

वन अनुसंधान संस्थान- घंटा से 7 कि.मी. दूर देहरादून-चकराता मोटर-योग्य मार्ग पर स्थित यह संस्थान भारत में सबसे बड़ा फॉरेस्ट-बेस प्रशिक्षण संस्थान है। जो तथा इसमें एक बॉटनिकल म्यूज़ियम भी है। एफआरआई (देहरादून) से 3 कि.मी. आगे देहरादून-चकराता मार्ग पर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित इंडियन मिलिटरी एकेडमी सेना अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है।

तपोवन- देहरादून-राजपुर रोड पर सिटी बस स्टैंड से लगभग 5 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान सुंदर दृश्यों से घिरा है। कहावत है कि गुरु द्रोणाचार्य ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी।

संतौला देवी मंदिर- देहरादून से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध संतौला देवी मंदिर पहुंचने के लिए बस द्वारा जैतांवाला तक जाकर वहां से पंजाबीवाला तक 2 कि.मी. जीप या किसी हल्के वाहन द्वारा तथा पंजाबीवाला के बाद 2 कि.मी. तक पैदल रास्ते से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

नागपुर (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के पहले मुकाबले में जीत से अपना अभियान शुरू करने उतरेगी। भारतीय टीम के हौसले टी20 सीरीज में जीत से उत्साहित है और उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। इसी माह शुरू हो रही आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए भी ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना रहेगा। इस सीरीज के जरिये भारत और इंग्लैंड का लक्ष्य आईसीसी टूर्नामेंट के लिए टीम संयोजन तैयार करने के साथ ही खिलाड़ियों के फार्म और फिटनेस पर भी नजर रखना रहेगा। ये सीरीज भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के लिए बेहद अहम है। ये दोनो पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और ऐसे में इनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी। यह हाल में महीने रणजी ट्रॉफी में भी असफल रहे थे। अब इन इन दोनो के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम में इनकी जगह को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम प्रतियोगिता होगी। ऐसे में इसी पर सब कुछ निर्भर करता है। इसके बाद अभ्यास का कोई अवसर नहीं मिलेगा। भारतीय टीम के लिए कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म ही चिंता का विषय नहीं है, उसे इस सीरीज से ये भी तय करना होगा कि ऋषभ पंत और केएल राहुल में से विकेटकीपर की जिम्मेदारी किसे दी जाये।

रोहित और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर उतरेंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नंबर आता है। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में ऋषभ बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण विविधिता लाते हैं। वह आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में वह टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन इन दोनों के साथ उतर सकता है पर ऐसे में अय्यर को बाहर बैठना पड़ेगा जो उपयोगी योगदान देते रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को भी मैच अभ्यास का मौका मिलेगा। यह दोनों चोट से उबर कर वापसी कर रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के कारण स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें यहां एकदिवसीय सीरीज में पदार्पण का अवसर मिल सकता है और अगर वह अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हैं तो चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम में उन्हें जगह मिल सकती है।

टीम प्रबंधन को स्पिन ऑलराउंडर के लिए भी कड़ा फैसला करना होगा। इस स्थान के लिए रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम टी20 सीरीज में मिली हार से उबरकर जीत के साथ वापसी करना चाहेगी। इंग्लैंड की टीम में जो रूट को छोड़कर अधिकतर वही बल्लेबाज हैं जो सीरीज में शामिल थे। उसके बल्लेबाज टी20 में भारतीय गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों के सामने संघर्ष करते दिखे थे और जीत के लिए उसे इस कमी को दूर करना होगा। इसके साथ ही उसके गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जो रूट, फिलिप साल्ट, जेमी स्मिथ, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, लियाम लिविंगस्टोन, जेमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद, मार्क वुड।

रोनाल्डो मना रहे अपना 40वां जन्मदिन, कहा- मैं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर

मैड्रिड (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपना 40वां जन्मदिन उसी आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ मना रहे हैं जिस पर उन्होंने अपने सफल करियर के दौरान हमेशा गर्व किया है। रियाल मैड्रिड के पूर्व स्टार और अब सऊदी अरब में खेल रहे रोनाल्डो बुधवार को 40 साल के हो गए और उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर कौन है। रोनाल्डो ने स्पेनिश टेलीविजन चैनल ला सेक्स्टा के साथ इंटरव्यू में कहा, 'मैं फुटबॉल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हूं। हालांकि मैं बाएं पैर का अधिक इस्तेमाल नहीं करता लेकिन बाएं पैर से गोल करने के मामले में मैं इतिहास में शीर्ष 10 में हूं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि मैं अब तक का सबसे संपूर्ण खिलाड़ी हूं। मैं खेल में अपने दिमाग का अच्छा इस्तेमाल करता हूं। मैं अच्छी फ्री किक लेता हूं। मैं तेज दौड़ लगाता हूं। मैं दमदार हूं। मैं अच्छी कूद लगाता हूं। मैंने कभी भी खुद से बेहतर किसी को नहीं देखा।'

पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक 217 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 135 गोल दर्ज हैं जो विश्व रिकॉर्ड है। रोनाल्डो ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्हें लगता है कि वह फुटबॉल के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। जब भी उनसे इस चर्चा के बारे में पूछा गया कि उनमें और लियोनेल मेस्सी में कौन सर्वश्रेष्ठ है तो उन्होंने हमेशा अर्जेंटीना के खिलाड़ी की प्रशंसा की लेकिन वह खुद को बेहतर बताने से भी पीछे नहीं हटे।

रोहित शर्मा ने रिटायरमेंट की अटकलों पर तोड़ी चुप्पी, चैंपियंस ट्रॉफी के बाद ले सकते हैं फैसला

नागपुर (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे समय में उनके करियर के बारे में बात करना अप्रासंगिक है जब उनका ध्यान इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मुकाबलों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर है। भारत 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के साथ करेगा जिसका पहला मैच बृहस्पतिवार को यहां खेला जाएगा।

रोहित ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जब तीन एकदिवसीय और चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है तो मेरे लिए अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करना कितना प्रासंगिक है। (मेरे भविष्य पर) खबरें कई वर्षों से चल रही है और मैं उन खबरों पर स्पष्टीकरण देने के लिए यहां नहीं हूं।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'मेरे लिए तीन मैच (इंग्लैंड के खिलाफ) और चैंपियंस ट्रॉफी बहुत महत्वपूर्ण हैं। मेरा ध्यान इन मुकाबलों पर है और मैं देखूंगा कि इसके बाद क्या होता है।'

रोहित पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने पांच पारियों में 6.20 की औसत से केवल 31 रन बनाए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं लेकिन ऐसी खबरें हैं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनसे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताने को कहा है।

जसप्रीत बुमराह को लेकर रवि शास्त्री का बयान, कहा- भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के चांस 35 प्रतिशत घटेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान रवि शास्त्री का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की संभावित अनुपस्थिति चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को काफी कमजोर कर सकती है लेकिन उन्होंने इस मुख्य तेज गेंदबाज की राष्ट्रीय टीम में वापसी में जल्दबाजी नहीं करने की सलाह दी। बुमराह की जनवरी में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं की थी।उन्होंने तब से भारत के लिए गेंदबाजी नहीं की है, हालांकि उन्हें प्रतिष्ठित वनडे टूर्नामेंट चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शुरुआती टीम में शामिल किया गया है।

बुमराह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और बृहस्पतिवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए वनडे टीम में नहीं हैं। खेल विज्ञान विशेषज्ञों से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उनकी फिटनेस पर अपडेट देने की उम्मीद है जिसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर फैसला लिया जाएगा जो पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित की जाएगी। इसका पहला मैच 19 फरवरी को कराची में होना है जबकि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा।

शास्त्री ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 'रिव्यू' में कहा, ''बुमराह के फिट नहीं होने से भारत की (चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की) संभावना 30 प्रतिशत, नहीं 30 से 35 प्रतिशत कम हो जाएगी।'' शास्त्री ने कहा, ''पूरी तरह से फिट बुमराह के खेलने से आपके पास 'डेथ ओवरों' में अच्छी गेंदबाजी की गारंटी होती है। '' पिछले साल शानदार प्रदर्शन करने वाले बुमराह को आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के साथ आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर चुना गया। उन्होंने भारत को 2024 टी20 विश्व कप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला में दोनों टीम में सबसे ज्यादा 32 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। शास्त्री ने इस दिग्गज को जल्दबाजी में वापसी कराने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उनका जल्दबाजी में वापसी कराना बहुत जोखिम भरा है। भारत को आगे काफी क्रिकेट खेलना है। और अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे लगता है कि वह बहुत ही ज्यादा अहम हैं और उन्हें अचानक एक मैच के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए। ''

उन्होंने कहा, ''उम्मीदें बहुत ज्यादा लगी होंगी। उन्हें लगेगा कि वह आते ही धूम मचा देगा। जब आप चोट से वापसी करते हैं तो यह कभी भी इतना आसान नहीं होता।'' ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने कहा कि बुमराह की अनुपस्थिति से ध्यान शमी पर लग सकता है जिन्होंने चोट और रिहैबिलिटेशन के बाद 14 महीने के बाद भारतीय टीम में वापसी की है। उन्हें यह भी लगता है कि ऑस्ट्रेलिया में बुमराह की पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव इसलिये भी हुआ हो सकता है क्योंकि दूसरे छोर पर उन्हें शमी का समर्थन नहीं मिला।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू' में कहा, ''टेस्ट श्रृंखला में मेरी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि बुमराह के पास बैकअप के तौर पर शमी नहीं थे और उन्हें गेंदबाजी की ज्यादातर जिम्मेदारी उठानी पड़ी। '' उन्होंने कहा, ''और शायद यही हुआ और शायद इसका भी कुछ लेना-देना हो कि वह (बुमराह) चोटिल हुए। शमी के नहीं होने की वजह से उन्हें शायद उस श्रृंखला में थोड़ी ज्यादा गेंदबाजी करनी पड़ी। इसलिए अगर शमी फिट है तो यह सकारात्मक बात है।

दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने टेनिस को कहा अलविदा

बुखारेस्ट । दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने टेनिस से संन्यास ले लिया हैं । रोमानिया की टेनिस स्टार हालेप ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी से 6-1, 6-1 से पहले दौर की हार के बाद ट्रांसिल्वेनिया ओपन में कोर्ट पर अपने संन्यास की घोषणा की। मैच के बाद हालेप ने कहा, 'मैं अपनी अंतरआत्मा से यह फैसला किया है । मैं विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनी, मैंने ग्रैंड स्लैम जीते, यह अच्छी बात रही मैं यही सब चाहती थी। जीवन ऐसे ही चलता रहता है, टेनिस के बाद भी जीवन है और मुझे उम्मीद है कि हम एक-दूसरे से फिर मिलेंगे।'

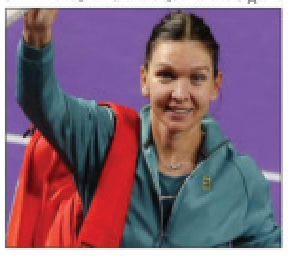

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो साल तक चले डोपिंग मामले में डब्ल्यूटीए टूर में वापसी के बाद इस सप्ताह आयोजित उनका पांचवां टूर्नामेंट था । पिछले महीने उन्हें घुटने की चोट के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वालीफाइंग से हटना पड़ा था । हालेप ने 2018 में फ्रेंच ओपन में स्लोएन स्टीफंस को हराकर अपना पहला प्रमुख खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2019 में विंबलडन में जीत हासिल की ।

सूर्यकुमार के एक ही प्रकार से आउट होने पर भड़के हरभजन

चेन्नई । हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खराब शॉट लगाकर विकेट गंवाने के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव की आलोचना की है। अश्विन ने कहा कि सूर्या की कप्तानी अच्छी थी पर उनकी बल्लेबाजी चिन्ता का कारण रही। वह सीरीज की पांच पारियों में केवल 28 रन ही बना पाये। पूरी सीरीज में सूर्यकुमार फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए जबकि ये उनका पसंदीदा शॉट है। इसी प्रकार बल्लेबाज संजू सैमसन का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा । वह भी सभी पारियों में नाकाम रहे । सेमसन जोफा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स की गेंदों के सामने टिक नहीं पाये । अश्विन ने कहा कि समस्या सूर्यकुमार की बल्लेबाजी है। बेशक इस सीरीज में उनकी कप्तानी अच्छी थी पर उनके लिए रन बनाने भी जरुरी थी । सूर्या और सैमसन एक ही गेंद पर आउट हो रहे हैं । एक या दो मैचों में माना जा सकता है कि वह गलती है पर सभी मैचों में इसी प्रकार आउट होना चिन्ता की बात है। खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेलना चाहिए पर उन्हें अपनी जिम्मेदारी भी निभानी होगी। सूर्या की तरह ही सैमसन भी सभी मैचों में विफल रहे और इसी कारण अब उनकी टीम में जगह भी खतरे में पड़ गयी है।

मैं अपने लिए नहीं, बल्कि भारत के लिए खेलता हूं : हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर आत्मविश्वास से लबरेज हैं। वह मैदान पर कदम रखने, गेंद को स्टैंड में भेजने और अपनी तेज गेंदबाजी से स्टंप्स को हिलाने के लिए उत्सुक हैं। खेल को पलटने के लिए मशहूर हार्दिक पांड्या बहुप्रतीक्षित आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत अपने सभी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलेगा जिसका पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ होगा। चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबला 23 फरवरी को होगा, इसके बाद 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका अंतिम लीग-स्टेज मुकाबला होगा।

बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा साझा किए गए एक साक्षात्कार में पांड्या ने मेलबर्न में भारत और पाकिस्तान के बीच 2022 टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले को याद किया जिसे भारत ने चार विकेट से जीता था। उस मैच में तीन विकेट लेने के बाद पांड्या ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ इस बड़े मुकाबले में किस तरह से दबाव का सामना किया।

पांड्या ने आईसीसी द्वारा पोस्ट किए गए एक इंटरव्यू में बताया, 'यह सिर्फ इस बारे में है कि कौन दबाव को बेहतर तरीके से संभालता है। मैं हार्दिक पांड्या के लिए नहीं खेलता; मैं टीम के लिए खेलता हूं। मैं भारत के लिए खेलता हूं - यही मेरा लक्ष्य है। चाहे इसका मतलब अंत में सिर्फ दो गेंद खेलना हो या 60 गेंदों तक बल्लेबाजी करना हो, मेरा ध्यान गेंद दर गेंद खेल को आगे बढ़ाने और जीत के करीब पहुंचने पर है। देखते हैं कि कौन दबाव में टूटता है।'

भारत ने अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ की जिसमें उसने टॉस जीतकर प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खचाखच भरे दर्शकों के सामने फील्डिंग करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं मैदान में घुसा और माहौल देखा - प्रशंसक और दर्शक किस तरह की ऊर्जा लेकर आ रहे थे - यह अद्भुत था। मुझे इसे आत्मसात करने के लिए कुछ समय लेना पड़ा। भले ही मैंने कई खेल खेले हों, लेकिन यह एक तरह से अभिभूत करने वाला था जिसने मुझे उत्साहित और खुश दोनों किया। इस मैच का माहौल, खासकर जब से यह भारत बनाम पाकिस्तान था, ने सब कुछ एक पायदान ऊपर उठा दिया। यह प्रतिद्वंद्विता वर्षों से चली आ रही है। हमारे बीच मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है, इसमें बहुत सारी भावनाएं भी शामिल होती हैं। जुड़ाव, उत्साह - यह एक ऐसा टकराव है जिसे लोग याद करते हैं और बेसब्री से इंतजार करते हैं।'

एकदिवसीय सीरीज से चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले लय हासिल करने का अवसर मिलेगा : रुट

नागपुर । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से उनकी टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी लिए फायदा होगा । रुट के अनुसार इस सीरीज से उनकी टीम के खिलाड़ियों को लय हासिल करने का अवसर मिलेगा । दोनो ही टीमों के बीच 6 फरवरी से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी । वहीं चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान में खेली जाएगी । रुट के अनुसार एकदिवसीय सीरीज में वे अपना आंकलन कर सकेंगे। इससे टीम को अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने वाली टीमें जीतने वाले संयोजन का पता लगाने और टूर्नामेंट में जाने से पहले कुछ गति प्राप्त करने के लिए एकदिवसीय सीरीज खेल रही हैं । रूट का मानना ??है कि तीन मैचों की सीरीज उन्हें जीत के इरादे से पाकिस्तान जाने से पहले अच्छी स्थिति में आने का अवसर देगी । उन्होंने कहा, जब आप कुछ करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं, तो आप इसे पूरा करना चाहते हैं और पूरे टूर्नामेंट में खेलना चाहते हैं । इसके साथ ही सभी खिलाड़ी इंग्लैंड और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खेलना चाहते हैं । टी20 सीरीज में भारतीय टीम से मिली हार के बाद हालांकि कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम एकदिवसीय प्रारूप में बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करना चाहेगी । कोच ने कहा कहा, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले तीन एकदिवीसय मैच हमारे लिए एक समूह के रूप में एक साथ रहने और उस टूर्नामेंट में जाने से पहले खुद को वास्तव में अच्छी स्थिति में लाने के लिए वास्तव में लाभदायक साबित होंगे । रूट ने इस प्रारूप में इंग्लैंड के लिए आखिरी बार भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान खेला था ।

ऋषभ पंत का ऐलान- अपनी कमाई का 10 फीसदी हिस्सा करेंगे दान

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाते हुए बड़ी घोषणा की है । पंत ने बुधवार को घोषणा की कि वह अपनी कमर्शियल कमाई का 10 फीसदी ऋषभ पंत फाऊंडेशन को देंगे जोकि जरूरतमंद लोगों के लिए काम करती है । पंत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो और नोट डालकर इसकी घोषणा की । उन्होंने कहा कि मेरे पास जो कुछ भी है वो इस खूबसूरत गेम क्रिकेट के कारण ही है । अब मैं इस पोजीशन में हूं कि लोगों के लिए कुछ कर सकूं । हादसे के बाद जिस तरह आपने मेरा सहयोग किया, प्यार दिखाया उसके लिए शुक्रिया । मैं इसके बारे में बहुत सोचता हूं कि जो लोगों ने मुझे दिया है वो मैं उन्हें वापस भी करूं । इसीलिए मैंने फैसला लिया है कि मैं अपनी कमर्शियल कमाई का 10 फीसदी हिस्सा ऋषभ पंत फाऊंडेशन को दूंगा ।

पंत ने इसके साथ एक नोट भी शेयर किया जिसमें उन्होंने लिखा- ईश्वर और जीवन मुझ पर अविश्वसनीय रूप से दयालु रहे हैं, मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं । अपने देश के लिए क्रिकेट खेलने के अपने सपने को जीने के अवसर के साथ । मैं प्यार, समर्थन और के लिए बहुत आभारी हूं । अपने क्रिकेट करियर के दौरान मुझे लोगों का खूब प्रोत्साहन मिला । मैंने जाना कि जो मुझे पसंद है उसे करने के लिए मैं कितना भाग्यशाली हूं ।

40 से सीधे दूसरे स्थान पर, अभिषेक शर्मा ने आईसीसी टी20आई रैंकिंग में लगाई लम्बी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी नई पुरुष ञ्च20द्ब रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में 38 पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। इससे पहले वह 40वें स्थान पर थे। भारत के दो बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सफेद गेंद के खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में घरेलू श्रृंखला के दौरान मजबूत प्रदर्शन के लिए द्बष्ट पुरुष ञ्च20द्ब खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाकर पुरस्कृत किया गया है।

अभिषेक ने मुंबई में श्रृंखला के पांचवें और अंतिम मैच में 135 रनों की तेज पारी खेलकर अपने नई अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाज ञ्च20द्ब रैंकिंग में 38 पायदान ऊपर चढ़ गए। अभिषेक की पारी सिर्फ 54 गेंदों पर पूरी हुई और यह सबसे छोटे प्रारूप में किसी भारतीय पुरुष खिलाड़ी द्वारा खेली गई सर्वोच्च व्यक्तिगत पारी थी। परिणामस्वरूप अनुसार 24 वर्षीय बल्लेबाज नई रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 55.80 की औसत और 219.68 की स्ट्राइक रेट से 279 रन बनाकर श्रृंखला का समापन शीर्ष स्कोरर के रूप में किया जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ट्रैविस हेड टी20आई बल्लेबाजों की रैंकिंग में आगे बने हुए हैं, लेकिन वानखेड़े में अपने रिकॉर्ड-तोड़ प्रयासों के बाद अभिषेक उनसे केवल 26 रेटिंग अंक पीछे हैं जबकि भारत के तीन खिलाड़ी शीर्ष पांच में हैं। तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं और कप्तान सूर्यकुमार यादव पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं और सभी हेड के करीब हैं, जबकि भारत के साथी हार्दिक पांड्या (पांच पायदान ऊपर 51वें स्थान पर) और शिवम दुबे (38 पायदान ऊपर 58वें स्थान पर) भी इंग्लैंड के खिलाफ कुछ अच्छे स्कोर के बाद टी20आई बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हैं।

टी20आई गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में भी यही कहानी है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 14 विकेट (एक पांच विकेट सहित) और जोस बटलर की टीम के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज की बदौलत तीन पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टीम के साथी रवि बिश्नोई (चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर) भी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में पांच विकेट लेने के बाद टी20आई गेंदबाजों की सूची में ऊपर आए हैं। शीर्ष पर एक और बदलाव हुआ है, वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील होसेन ने एक सप्ताह पहले आदिल राशिद के हाथों हार के बाद फिर से नंबर 1 गेंदबाज का स्थान हासिल कर लिया है।

पाक के साथ मुकाबले में भारतीय टीम प्रबल दावेदार रहेगी : बासित

कराची । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि 23 फरवरी को दुबई में होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारत और पाक के बीच होने वाले इस मुकाबले का प्रशंसक बेसब्री इंतजार कर रहें है । चैम्पियंस ट्रॉफी में हालाकि पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। बासित का कहना है कि भारतीय टीम के पास पाक से कही अधिक अनुभव है । बासित ने कहा, 70 फीसदी भारत और 30 फीसदी पाक जीत का दावेदार रहेगा । इसका कारण है कि भारत के पास अधिक अनुभवी टीम है । वहीं अगर भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और कप्तान रोहित फॉर्म में नहीं रहे तो मुकाबला बराबरी पर आ जाएगा। चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 में अपने आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की थी । आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे और ये मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की तैयारी के लिए दोनों टीमें अपने-अपने अभियान शुरू करने से पहले एकदिवसीय सीरीज खेल रही है । भारतीय टीम जहां इंग्लैंड से तीन मैचों की सीरीज खेल रही है । वहीं पाकिस्तान भी दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी ।

एक नजर

महाकुम्भ मेला क्षेत्र में कई देशों के बौद्ध भिक्षुओं ने निकाली शोभायात्रा

महाकुम्भ नगर : प्रयागराज महाकुम्भ में दुनिया के कई देशों से आये बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि, संघम् शरणम गच्छामि के संदेश को जन—जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर 17 के अखिल भारतीय संत समागम स्थल से अवधेशानंद गिरि महाराज के शिविर तक निकाली गयी। शोभायात्रा के माध्यम से बौद्ध भिक्षुओं ने यह संदेश दिया कि बौद्ध व सनातनी एक थे, एक हैं और एक रहेंगे। रास्ते में भगवान बुद्ध की करुणा हो, सम्राट अशोक अमर रहें के गगनभेदी नारे लग रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन धर्म संस्कृति संगम के बैनर तले किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इन्द्रेश कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम बौद्ध एवं सनातन के बीच राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी समन्वय, समता, समरसता, सद्भाव एवं करुणा मैत्री विकसित करने के उद्देश्य से किया गया है। हिंसा मुक्त, दंगा मुक्त, धर्मान्तरण मुक्त भारत बने। हम सब सुखी रहें। मानवता से परिपूर्ण राष्ट्र बनें। हम एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे और दुनिया को अच्छाई का मार्ग दिखा सकेंगे।
शोभा यात्रा में बौद्ध की सभी परम्पराओं को मानने वाले बौद्ध भिक्षु, भंते व लामा शामिल रहे। नेपाल, भूटान, म्यामांर, श्रीलंका, तिब्बत, जापान, कोरिया, कंबोडिया, लाओस व वियतनाम समेत कई देशों के बौद्ध भिक्षु शामिल रहे।

मोहन भागवत का दक्षिण बंगाल दौरा, सामाजिक परिवर्तन पर करेंगे मंथन

कोलकाता : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत छह फरवरी से 16 फरवरी तक पश्चिम बंगाल में रहेंगे। वह सात से 12 फरवरी तक दक्षिण बंगाल का दौरा करेंगे। इसके बाद वह मध्य बंगाल और उत्तर बंगाल के दौरे पर भी रहेंगे। इस दौरान वे संघ कार्यकर्ताओं और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बैठक कर सामाजिक परिवर्तन से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख जिष्णु बसु ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भागवत गुरुवार को ही कोलकाता आ जाएंगे और शुक्रवार से उनका दौरा शुरू होगा। संघ के दक्षिण बंगाल प्रांत के प्रचार प्रमुख विप्लव राय ने बताया कि मोहन भागवत की यह यात्रा दक्षिण बंगाल में संघ के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा और समाज में व्यापक परिवर्तन की दिशा में उठाए जा रहे कदमों पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि इस बार पंच प्रण स्व-आधार, सामाजिक समरसता, कुटीर उद्योगों का विकास और सार्वजनिक भागीदारी जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी।

मुंबई एयरपोर्ट पर मलेशिया से लाए गए पांच सियामंग गिब्बन जब्त

मुंबई: सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने मंगलवार की रात मुंबई एयरपोर्ट पर दुर्लभ प्रजाति के पांच सियामंग गिब्बन जीवों को बरामद किया है। इन सभी को कुआलालंपुर से मुंबई आए यात्री ने प्लास्टिक के बक्से और पिंजरों में छिपाकर ट्रॉली बैग के अंदर छिपाया था। कस्टम विभाग ने यात्री को आगे की जांच के लिए वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो को सौंप दिया है। कस्टम सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार की रात में कुआलालंपुर से आए एक यात्री को शक के आधार पर रोका और उसकी तलाशी ली।

त्रिपुरा सरकार में नौकरी के लिए 2800 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित

एजेंसी

नई दिल्ली : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से त्रिपुरा सरकार में नौकरी के लिए 2800 से अधिक नियुक्ति पत्रों के वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि त्रिपुरा में आयोजित आज का ये कार्यक्रम एक युग परिवर्तनकारी कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार के दौरान नौकरी उन्हीं लोगों को मिलती थी, जो किसी विशेष राजनीतिक पार्टी के सदस्य हों। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के वर्तमान मुख्यमंत्री ने किसी भेदभाव, सिफारिश और भ्रष्टाचार के बिना और पारदर्शिता के साथ राज्य के 2807 युवाओं को आज सरकारी

नौकरी देकर उनके जीवन में एक नई शुरूआत कर उन्हें त्रिपुरा के विकास के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान किया है। शाह ने कहा कि आज 2437 मल्टी टास्किंग स्टाफ और स्वास्थ्य विभाग के 370 पदों पर नियुक्ति के साथ ही इन लोगों के जीवन में एक नई शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करते ही ये 2807 लोग आज से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित त्रिपुरा और विकसित भारत अभियान का हिस्सा बन गए हैं। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज पूरा पूर्वोत्तर विकास के रास्ते पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में केन्द्रीय मंत्रियों ने पूर्वोत्तर का 700 से अधिक बार दौरा किया है और इस क्षेत्र के विकास के लिए कई सकारात्मक पहलें की गई हैं। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर को पहले उग्रवाद, घुसपैठ, ब्लॉकेड्स, ड्रग्स, हथियारों की तस्करी, भ्रष्टाचार और जातीय तनाव के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज पूर्वोत्तर को विकास, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, निवेश और कृषि संबंधित गतिविधियों के विकास के लिए जाना जाता है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में त्रिपुरा में 3 समझौते कर राज्य में स्थायी शांति लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में ब्रू-रियांग जाति के भाइयों-बहनों को स्थायी निवास और शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरियां देकर उनके जीवन में नया बदलाव लाने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के सभी विद्रोही समूह सरेंडर कर मेनस्ट्रीम में आ चुके हैं। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के नेतृत्व में आज त्रिपुरा भटकाव की जगह भागीदारी, रुकावट की जगह रफ्तार और विलंब की जगह वेलफेयर के रास्ते पर आगे बढ़ चुका है।

बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट केवल फर्जी समझौतों का मंच : शुभेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में संबोधन से पहले, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस आयोजन को फर्जी समझौतों का मंच बताया है। उन्होंने कहा कि यह समिट केवल दिखावटी करारों और खोखले दावों का मेल है, जिससे राज्य के उद्योग जगत को कोई वास्तविक लाभ नहीं होता। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह आयोजन केवल फर्जी समझौतों पर हस्ताक्षर करने, अस्पष्ट अभिरुचि की अभिव्यक्तियां दिखाने और ऐसे पत्र जारी करने के लिए होता है,

जिनका कोई हकीकत से वास्ता नहीं होता और वे अंततः कूड़ेदान में चले जाते हैं। उन्होंने इसे उद्योग और निवेश से परे केवल एक प्रचार रणनीति करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि वह जनता को यह बताएं कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 में घोषित तीन लाख 76 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से वास्तव में कितना निवेश राज्य में हुआ है। अधिकारी ने यह भी याद दिलाया कि यह वार्षिक आयोजन 2024 में किसी कारणवश नहीं हो सका था। विपक्ष के नेता ने कहा कि राज्य सरकार की भूमि नीति और विशेष आर्थिक क्षेत्र को मंजूरी न देने की नीति बड़े उद्योगों के निवेश में बाधक है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण के मामले में सरकार की निष्क्रियता उद्योगों के लिए बड़ा रोड़ा है। साथ ही, नए निवेशकों को विशेष आर्थिक क्षेत्र का दर्जा न देने की नीति से सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र में भी निवेश आकर्षित नहीं हो पा रहा है। अधिकारी ने बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट की टैगलाइन 'बंगाल मीन्स बिजनेस' पर भी तंज कसते हुए कहा कि यह केवल दिखावे का आयोजन है, जिसे बड़े-बड़े दावों में लपेटकर पेश किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दो दिवसीय आयोजन केवल एक छलावा है, जिसे ममता बनर्जी की सरकार औद्योगिक सूखे को छिपाने के लिए चमक-दमक में लपेटकर पेश कर रही है। जब तक ममता बनर्जी सत्ता में हैं, बंगाल कभी व्यापार का केंद्र नहीं बन सकता।

सातारा में राकांपा नेता के घर पर आयकर का छापा

मुंबई : सातारा जिले के राकांपा नेता और विधान परिषद के पूर्व सभापति रामराजे नाइक निंबालकर के दो चचेरे भाइयों के सतारा स्थित घर परआयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार की सुबह छापा मारा। टीम कागज पत्रों की छानबीन कर रही है। खबर है कि आयकर अधिकारियों ने दोनों के मुंबई के कई ठिकानों पर छापा मारा है। जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की टीमों ने शरद पवार की पार्टी राकांपा के नेता और विधान परिषद के पूर्व सभापति रामराजे नाइक निंबालकर के दो चचेरे भाइयों संजीवराजे नाइक निंबालकर और रघुनाथराजे नाइक निंबालकर के सतारास्थित आवास पर सुबह छह बजे छापा मारा। वहां मौजूद सभी के मोबाइल जब्त कर लिये। टीम के अधिकारियों ने पूरे घर की तलाशी ली और दस्तावेज खंगाले।

समाज और राष्ट्र के लिए जो कार्य करते हैं वही महान होते हैं : राज्यपाल

एजेंसी

बार्शी /जयपुर : राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि जो अपने लिए नहीं संपूर्ण समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हैं वही सच्चे सम्मान के हकदार बनते हैं। वही महानता को प्राप्त कर पूजनीय होते हैं। उन्होंने बुधवार को महाराष्ट्र के बार्शी में शिवाजी शिक्षण प्रसारक मंडल बार्शी संस्था के संस्थापक कर्मवीर डॉ. मामासाहेब जगदाले की 122 वीं जयंती समारोह पर पद्म विभूषण रघुनाथ माशेलकर और पद्म विभूषण अनिल काकोडकर को कर्मवीर डॉ. मामासाहेब जगदाले समाज परिवर्तन गौरव पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यपाल ने इन दोनों समाज विभूतियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि डॉ. माशेलकर पॉलिमर विज्ञान और इंजीनियरिंग क्षेत्र के मर्मज्ञ विद्वान हैं। भारतीय स्वास्थ्य सेवा और नवाचार के भविष्य को लेकर उन्होंने देश को महती सेवाएं दी है। इसी प्रकार पद्म विभूषण अनिल काकोडकर ने परमाणु ऊर्जा और रक्षा सेवा में महती योगदान दिया है। वे देश में परमाणु संशोधन के मुख्य दस्ते के सदस्य रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों के सम्मान से दूसरों को भी राष्ट्र के लिए निरंतर कुछ करने की प्रेरणा मिलती है। बागडे ने गोविंदराव जगदाले कर्मवीर डॉ. मामासाहेब के राष्ट्र को दिए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने जरूरतमंद और गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए ही बार्शी में श्री शिवाजी बोर्डिंग की स्थापना की।

देश स्तर पर जाति जनगणना कराने की जरूरत : राहुल गांधी

एजेंसी

पटना : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बिहार में हुई जाति जनगणना पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बिहार की जाति गणना नहीं देखें, बल्कि जातीय भागीदारी का सच अगर जानना है तो तेलंगाना में हुई जाति गणना को देखा जाए। उन्होंने देश स्तर पर तेलंगाना मॉडल को अपनाने की वकालत की। कहा कि देश स्तर पर जाति जनगणना कराने की जरूरत है। वह बुधवार को पटना में आयोजित स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की 130वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि भारत के पॉवर स्ट्रक्चर जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कारपोरेट या ज्यूडिशरी में दलित वर्ग की कितनी भागीदारी है

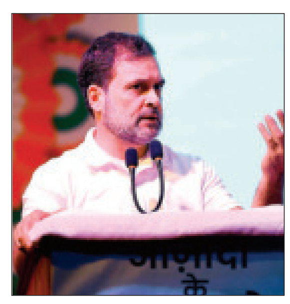

भाजपा रिप्रेजेंटेशन की बात करती है, लेकिन भागीदारी के बिना रिप्रेजेंटेशन का कोई मतलब नहीं है। ये बिलकुल ऐसा ही है जैसे मैंने आपके बीच में से पांच लोगों को स्टेज पर बैठा दिया, लेकिन उनके फैसले कहीं और से लिए जा रहे हैं। मोदी सरकार में भी यही हो रहा है कि आप लोगों को मंत्री बना देते हैं, लेकिन ओएसडी तो इन्हीं के विचारधारा से आते हैं। उन्होंने कहा कि हम आंबेडकर और जगलाल चौधरी के विचार और उसूलों की बात करते हैं। लेकिन सवाल है कि आंबेडकर और जगलाल चौधरी के जो विचार थे, वे कहां से आते थे सच्चाई ये है कि दलितों के दिल में जो दुख और दर्द था, अंबेडकर और जगलाल चौधरी ने उस आवाज को उठाया था। राहुल गांधी ने कहा कि देश की 200 बड़ी कम्पनियों में एक भी दलित, ओबीसी, आदिवासी नहीं हैं। 90 लोग हिन्दुस्तान का बजट निर्धारण करते हैं। इन लोगों में सिर्फ तीन दलित हैं। जो तीन अफसर हैं, उनको छोटे -छोटे विभाग दे रखे हैं। सरकार यदि अगर 100 रुपये खर्च करती है तो उसमे एक रुपये का निर्णय ही दलित अफसर लेते हैं। इसी तरह 50 फीसदी आबादी पिछड़े वर्ग की है। उस वर्ग से भी मात्र तीन अफसर हैं।

फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान

एजेंसी

जयपुर : जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि गंगनहर परियोजना की क्षतिग्रस्त नहरों की रीलाइनिंग के कार्यों के अन्तर्गत वर्तमान में 10 नहरों का रिलाइनिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा तीन अन्य नहरों का कार्य जाइका के अन्तर्गत प्रस्तावित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए वर्ष 2024-25 में 200 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण से गंगनहर में उचित क्षमता के साथ जल प्रवाह सुनिश्चित हो सकेगा। जल संसाधन मंत्री बुधवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि

फिरोजपुर फीडर की डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग में परीक्षणाधीन है। इसकी शीघ्र स्वीकृति के प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार के प्रयासों से फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए केन्द्रीय जल आयोग से 13 फरवरी 2024 को स्वीकृति प्राप्त की गई। इसके बाद पंजाब सरकार के सिंचाई विभाग से समन्वय कर डीपीआर तैयार करवाई गई। रावत ने बताया कि गंगनहर परियोजना के लिए पानी फिरोजपुर फीडर के मार्फत बीकानेर कैनाल की आरडी 45 पर प्राप्त होता है। फिरोजपुर फीडर के जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने से जल प्रवाह पूर्ण क्षमता के अनुरूप नहीं होता है। इस कारण गंगनहर में जल प्रवाह में उतार चढ़ाव आता है। विधायक रुपिन्द्र सिंह कुन्नर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि गंगनहर की वितरिकाओं में पानी नहर की क्षमता के अनुसार छोड़ा जा रहा है। उन्होंने गंगनहर की सभी वितरिकाओं-नहरों की डिजाइन, क्षमता एवं खरीफ व रबी फसल चक्र में गंगनहर की सभी वितरिकाओं में छोड़े गये पानी का विवरण प्रस्तुत किया। रावत ने बताया कि गंगनहर परियोजना में सतरोजा बाराबंदी लागू है तथा प्रत्येक नहर में पानी प्रवाहित होने के दौरान हर किसान को स्वीकृत बाराबंदी में अंकित अवधि के अनुसार निर्धारित समय व वार को पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सिंचाई पानी प्रत्येक किसान को स्वीकृत बाराबंदी एवं पर्ची के अनुसार ही प्राप्त हुआ है। जल संसाधन मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 में रबी व खरीफ की फसलों में वितरिकाओं की टेल पर सामान्यतया पूरा पानी उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने बताया कि एच, जीजी व समेजा वितरिका की टेल पर पूरा पानी उपलब्ध नहीं होने पर इन नहरों की साफ-सफाई करवाई गई। अब वर्तमान में यहां पूरा पानी उपलब्ध हो रहा है। यदा-कदा नहरों में साफ-सफाई नहीं होने के कारण टेल पर पानी की मात्रा प्रभावित हो जाती है, जिसकी साफ-सफाई करवाकर टेल पर पूरा पानी उपलब्ध करवाने के प्रयास किये जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान ने मनाया कश्मीर एकजुटता दिवस, भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद: पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर का राग अलापते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत पर दबाव डालने का आह्वान किया है। मुल्क के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि कश्मीर के लोगों को भी अपना भविष्य तय करने का अधिकार है। प्रधानमंत्री शहबाज ने आज पाकिस्तान में मनाए जा रहे कश्मीर एकजुटता दिवस पर अपने संदेश में कहा कि स्थानीय लोगों की वास्तविक आकांक्षाओं को दबाकर स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती। डॉन समाचार पत्र ने सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' के हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर एकजुटता दिवस पर जारी संदेश में कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून का मौलिक सिद्धांत है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र महासभा एक प्रस्ताव अपनाती है जो लोगों के अपने भाग्य का फैसला करने के कानूनी अधिकार पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि 78 साल बीत जाने के बावजूद कश्मीरी लोगों को अभी तक इस अपरिहार्य अधिकार का प्रयोग नहीं करने दिया गया। शहबाज ने कहा कि भारत ने जम्मू और कश्मीर को दुनिया के सबसे सैन्यीकृत क्षेत्रों में से एक बना दिया है। वहां कश्मीरी भय के माहौल में रह रहे हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि यह दिन वैश्विक समुदाय को उत्पीड़ित कश्मीरी लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। संयुक्त राष्ट्र को 78 साल पहले कश्मीरियों से किए गए वादों का सम्मान करना चाहिए। स्पीकर चौधरी लतीफ अकबर ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आज पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद का दौरा करेंगे। वह मुजफ्फराबाद स्थित विधानसभा में सदस्यों को संबोधित भी करेंगे। शरीफ छतर चौक पर शहीद स्मारक का दौरा करेंगे। थल सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर भी शहीद स्मारक में फातेहा पेश करने में प्रधानमंत्री के साथ शामिल होंगे। इस बीच, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने कहा कि पाकिस्तान भारत के कश्मीर में रहने वाले लोगों का अटूट समर्थन करता रहेगा। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बयान में कहा कि भारतीय कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन निंदनीय है।

देशभर के विभिन्न एम्स में रिक्त पद प्राथमिकता के आधार पर भरे जाएं : जयराम रमेश

नई दिल्ली: कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने देश के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में बड़ी संख्या में रिक्त पदों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मानकों के अनुसार इन रिक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर भरे जाने की मांग की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को यहां एक वक्तव्य में कहा कि मंगलवार को राज्यसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने एक सवाल के जवाब में देश में पूरी तरह कार्यरत सात एम्स संस्थानों से संबंधित जो आंकड़े प्रस्तुत किए, वह बेहद चिंताजनक हैं। इसके अनुसार एम्स दिल्ली में 34 फीसदी, एम्स भोपाल में 24 फीसदी, एम्स भुवनेश्वर में 25 फीसदी, एम्स जोधपुर में 28 फीसदी, एम्स रायपुर में 38 फीसदी, एम्स पटना में 27 फीसदी और एम्स ऋषिकेश में 39 फीसदी संकाय के पद खाली हैं। इसके अलावा 12 शहरों में एम्स जैसी संस्थाएं आंशिक रूप से संचालित हैं। इन संस्थानों में भी फैकल्टी की अत्यंत कमी है। मंगलगिरी में 41 फीसदी, नागपुर में 23 फीसदी, कल्याणी में 39 फीसदी, गोरखपुर में 37 फीसदी, बठिंडा में 33 फीसदी, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में 54 फीसदी, गुवाहाटी में 43फीसदी, देवघर में 34 फीसदी, बीबीनगर (तेलंगाना) में 36 फीसदी, रायबरेली में फीसदी %, राजकोट में 59 .5 फीसदी और जम्मू में 44 फीसदी संकाय पद खाली हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि फैकल्टी की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठे हैं लेकिन इन पदों पर बड़ी संख्यां में रिक्तियां अपने आप में चौंकाने वाली हैं। सबसे अधिक आश्चर्यजनक स्थिति देश के सबसे प्रतिष्ठित एम्स दिल्ली की है, जिसे कई मायनों में इन संस्थानों की जननी माना जाता है। जयराम रमेश ने स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मांग की कि मानकों को कमजोर किए बिना इन रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाना चाहिए।

जयपुर शहर में 300 सीएनजी एसी एवं 150 इलेक्ट्रिक बसों का जल्द होगा संचालन

जयपुर: स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि जयपुर शहर में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा में विस्तार करने के लिए 300 सीएनजी चलित एसी मिनी बसों की निविदा प्रक्रिया जारी है। इसकी तकनीकी निविदा छह फरवरी को खोली जाएगी। इसके बाद परीक्षण कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त पीएम ई बस सेवा योजना में नई 150 इलेक्ट्रिक बसें चलाने के लिए भी केन्द्र सरकार के स्तर से निविदा दो जनवरी 2025 को खोली जा चुकी है। स्वायत्त शासन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने आश्वस्त किया कि जयपुर शहर में परिवहन की कमी को दूर करने के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के आपसी समन्वय एवं संसाधनों का सदुपयोग कर नई इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी बसें चलाने की कार्यवाही भी की जा रही है। इन बसों का संचालन प्रतिदिन न्यूनतम किराये के अनुसार भुगतान कर किया जायेगा। सरकार इन बसों में परिचालक नियुक्त कर आय कर पायेगी। इससे आमजन को कम खर्च में बेहतरीन परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। विधायक कालीचरण सराफ के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में स्वायत्त शासन मंत्री ने बताया कि शहरी मामलों के मंत्रालय के मानकों के तहत पब्लिक ट्रांसपोर्ट में 10 हजार की आबादी पर छह बसों के हिसाब से 40 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिए दो हजार 400 बसों का प्रावधान है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**